आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 01:37 तक
उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 9 जुलाई 2025
वर्ष 6, अंक 229, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

वन भूमि पर बना सकते हैं स्कूल-सड़क 12

आप में से कई बन सकते हैं अंतरिक्ष यात्री 14

मोदी को ब्राजील का सर्वोच्च सम्मान

ब्रासीलिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ब्राजील के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस से सम्मानित किया गया। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री मोदी को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और प्रमुख वैश्विक मंचों पर भारत-ब्राजील सहयोग बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान दिया। मई 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से किसी विदेशी सरकार द्वारा उन्हें दिया गया यह 26वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है।

कांवड़ यात्रा में आपराधिक तत्वों पर रहेगी पैनी नजर, होगी सख्ती

सरकार ने दिए सुरक्षा व सुविधाओं के समुचित इंतजाम के निर्देश, मुख्य सचिव ने की मेरठ में चार राज्यों के अफसरों के साथ बैठक

- बैठक में शामिल रहे उत्तराखंड, दिल्ली हरियाणा व राजस्थान के अफसर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कांवड़ यात्रा में अपराधिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार ने प्रशासन, पुलिस, नगर विकास व ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को सुरक्षा व सुविधाओं के समुचित इंतजाम के निर्देश दिए हैं।

इस बीच, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह व डीजीपी राजीव कृष्ण ने मेरठ पहुंचकर अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। राजधानी में नगर विकास व ऊर्जा मंत्री मंत्री एके शर्मा ने अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक में कहा कि श्रद्धालुओं को असुविधा होने की स्थिति में संबंधित अफसरों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

मेरठ में भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव व डीजीपी ने बाबा औघड़नाथ मंदिर पहुंचकर कांवड़ से संबंधित सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जलाभिषेक किया। वर्चुअल माध्यम से जुड़े पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा की तैयारी की जानकारी दी। मुख्य सचिव ने कहा कि कांवड़ यात्रा का सकुशल संपन्न कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने मंडलों के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को अन्य राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के निर्देश दिए। खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि होटलों, ढाबों व शिविर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच का प्रबंध करें।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि कांवड़ यात्रा में डीजे पर फूहड़ व अश्लील गाने न बजें। रूट डाइवर्जन स्थानीय लोगों को अवगत कराते हुए किया जाय। वाहनों की गति पर नियंत्रण रखें। घटना होने पर शीघ्र कार्रवाई करें। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को पड़ोसी राज्यों से समन्वय रखें।

मंगलवार को मेरठ पहुंचे मुख्य सचिव मनोज कुमार और डीजीपी राजीव कृष्ण।

आतंकी खतरे के मद्देनजर रहे सुरक्षा

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिए हैं कि कांवड़ यात्रा में पूर्व के वर्षों की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर कानून व्यवस्था की दृष्टि से उत्पन्न हुईं चुनौतियों का विश्लेषण कर सुधारात्मक कदम उठाएं, ताकि इस वर्ष किसी भी प्रकार की पुनरावृत्ति न हो। आतंकवादी खतरों को मद्देनजर रखते हुए आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और विशेष सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। आगामी कांवड़ मेला की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की।

एक नजर

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

जालंधर। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस इकाई जालंधर ने मंगलवार को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह द्वारा पंजाब और मध्य प्रदेश में रची गई हत्या की साजिश को नाकाम करते हुए गिरोह के मुख्य सदस्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो पिस्तौल बरामद की हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी की पहचान कपूरथला के फगवाड़ा निवासी हिमांशु सूद के रूप में हुई है। उसके पास से दो पिस्तौल, एक .30 बोर की चीन निर्मित पीएक्स3 पिस्तौल और एक .32 बोर की पिस्तौल, के साथ दो मैगजीन और सात कारतूस बरामद हुए हैं। हिमांशु दुबई स्थित अपने हैंडलर नमित शर्मा के निर्देशों पर एक अंतर्राज्यीय गिरोह चला रहा था।

बीजापुर में बारूदी सुरंग में विस्फोट, दो जवान घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि बीजापुर जिले के आवापल्ली थाना क्षेत्र के अंतर्गत तिमापुर-मुरदण्डा मार्ग पर बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से सीआरपीएफ की 229वीं बटालियन के दो जवान घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ के दल को आवापल्ली-बासागुड़ा मार्ग पर गश्त के लिए रवाना किया गया था। दल जब तिमापुर-मुरदण्डा गांव में था तभी नक्सलियों ने बारूदी सुरंग में विस्फोट कर दिया। इस घटना में दो जवान घायल हो गए।

सरकार महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री बोले-जमालुद्दीन को ऐसी सजा मिलेगी जो नजीर बनेगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में अवैध धर्मांतरण गिरोह चलाने के आरोप में गिरफ्तार आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां राष्ट्र विरोधी हैं। योगी ने साफ कहा कि इस गिरोह के आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई करने साथ उनकी संपत्तियां भी जब्त होंगी। योगी के मुताबिक राज्य में शांति, सौहार्द और महिलाओं की सुरक्षा को भंग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्हें कानून के अनुसार ऐसी सजा दी जाएगी, जो समाज के लिए एक नजीर बने।

योगी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, हमारी सरकार बहन-बेटियों की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी जमालुद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। राज्य सरकार कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। आरोपी और उसके गिरोह से जुड़े सभी अपराधियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी और उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा की कोठी पर चल रहा बुलडोजर।

- कहा, आरोपी की गतिविधियां समाज और राष्ट्र विरोधी
- आरोपी और गिरोह से जुड़े सभी लोगों की संपत्ति जब्त की जाएगी

छांगुर बाबा जैसे लोग और इस प्रकार की घटनाएं समाज के लिए चुनौती हैं। हमारी सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए संकल्पित है।
- भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष।

छांगुर बाबा की कोठी पर चला बुलडोजर

उतरौला, बलरामपुर। स्थानीय प्रशासन ने मंगलवार को भारी पुलिस फोर्स के साथ सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने छांगुर बाबा की कोठी को बुलडोजर चलाकर ढहा दिया। धर्मांतरण गैंग का मुख्य आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा बीते वर्ष एटीएस तथा एसटीएफ का शिकंजा कसने के बाद यह भूमिगत हो गया था। विदेश से करीब 100 करोड़ की फंडिंग लेकर छांगुर बाबा ने धर्मांतरण का कार्य शुरू किया था। साथियों की गिरफ्तारी के बाद बीती पांच जुलाई को एटीएस की टीम ने जमालुद्दीन को लखनऊ से गिरफ्तार किया। इसके बाद उसके द्वारा अर्जित की गई संपत्तियों की छानबीन में पाया गया कि उतरौला कस्बे से सटा मधपुर में बना उसका आलीशान मकान (गाटा संख्या 337 व 370) मकान पूरी तरह से अवैध है। इस मकान को छांगुर बाबा ने अपनी करीबी नीतू रोहरा के नाम से बनवाया था। उतरौला तहसीलदार ने गत 16 व 27 मई को नोटिस जारी कर जमालुद्दीन को घर खाली करने का आदेश दिया था। घर न खाली होने पर सोमवार शाम प्रशासन ने बुलडोजर की कार्रवाई का नोटिस चस्पा किया था। मंगलवार सुबह तीन बुलडोजर चलाकर जमालुद्दीन की अवैध कोठी को पूरी तरह धराशाई कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि उसके द्वारा अर्जित की गई अन्य संपत्तियों की भी जांच की जा रही है।

अहमदाबाद विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली। वायुयान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने अहमदाबाद में पिछले महीने दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान हादसे के बारे में अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट विमानन मंत्रालय को सौंप दी है।

सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि यह रिपोर्ट प्रारंभिक जांच में मिली जानकारी पर आधारित है और मंत्रालय के साथ-साथ यह अन्य हितधारकों के साथ भी साझा की गई है। अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का यह विमान 12 जून को उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। दुर्घटना में 250 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इनमें विमान में सवार चालक दल के सदस्यों सहित 241 लोग भी शामिल थे।

विमान में सवार एक व्यक्ति सौभाग्य से सुरक्षित बच गया था। यह विमान हवाई अड्डे के निकट के मेडिकल कॉलेज के छात्रावास के उपर पड़ा था जिससे कई मेडिकल छात्रों और अन्य लोगों की भी हादसे में मौत हुई थी।

जांच प्रोटोकाल के अनुसार जांच एजेन्सी को एक महीने के अंदर प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपनी होती है। इस रिपोर्ट को तैयार करने में सभी अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन किया जा रहा है।

भारत के साथ व्यापार समझौते के करीब : ट्रंप

- अमेरिका ने उच्च शुल्क निलंबन को 1 अगस्त तक बढ़ाया
- राष्ट्रपति बोले-शुल्क का विवरण देते हुए देशों को भेज रहे पत्र

न्यूयॉर्क/ वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ व्यापार समझौता करीब है। राष्ट्रपति ने कहा कि उनके प्रशासन ने कई देशों को आयातित उत्पादों पर लगाए जाने वाले शुल्कों का विवरण देते हुए पत्र भेजना शुरू कर दिया है।

ट्रंप ने सोमवार को कहा कि हमने ब्रिटेन के साथ एक समझौता किया है, हमने चीन के साथ एक समझौता किया है... हम भारत के साथ एक समझौता करने के करीब हैं। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा कि हमने अन्य लोगों से भी मुलाकात की थी और हमें नहीं लगता कि हम समझौता कर पाएंगे, लिहाजा हमने उन्हें एक पत्र भेजा है। यदि आप अपना सामान (अमेरिका) भेजना चाहते हैं, तो आपको इसका (शुल्क का) भुगतान करना होगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी प्रशासन ने दो जुलाई से लगाए गए उच्च शुल्क के निलंबन को नौ जुलाई से बढ़ाकर एक अगस्त कर दिया है। इससे भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय मिल गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत कोई भी व्यापार समझौता तभी स्वीकार करेगा जब वह राष्ट्रीय हित में होगा। कृषि और डेयरी क्षेत्र भारत के लिए कठिन और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र हैं। भारत ने अब तक हस्ताक्षरित अपने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते में डेयरी क्षेत्र के दरवाजे नहीं खोले हैं।

अमेरिका को लूट रहे हैं कुछ देश

ट्रंप ने कहा कि हम विभिन्न देशों को पत्र भेजकर बता रहे हैं कि उन्हें कितना शुल्क देना होगा।' बांग्लादेश, बोस्निया एवं हर्जेगोविना, कंबोडिया, इंडोनेशिया, जापान, कजाकिस्तान, लाओ पीपल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, मलेशिया, सर्बिया, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड और ट्यूनीशिया को ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित पत्र भेजे गए हैं। ट्रंप ने कहा कि ये देश अमेरिका को लूट रहे हैं और हम पर ऐसे शुल्क लगा रहे हैं जो पहले नहीं लगाए।

पुलवामा हमले के लिए ऑनलाइन खरीदा गया था विस्फोटक पदार्थ

नई दिल्ली, एजेंसी

एफएटीएफ की रिपोर्ट

- आतंकवाद के वित्तपोषण में किया जा रहा ऑनलाइन भुगतान सेवाओं का दुरुपयोग

वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ ने फरवरी 2019 के पुलवामा आतंकवादी हमले और गोरखनाथ मंदिर में हुई 2022 की घटना का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि ई-कॉमर्स मंच और ऑनलाइन भुगतान सेवाओं का दुरुपयोग आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए किया जा रहा है। पुलवामा आतंकवादी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 कर्मियों की मौत हो गई थी। एफएटीएफ ने भारत में आतंकवादी हमले के लिए सामग्री की खरीद के मकसद से ई-कॉमर्स मंचों के इस्तेमाल का जिक्र करते हुए कहा कि हमले में इस्तेमाल किए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का एक प्रमुख घटक - एल्युमिनियम पाउडर-ई-कॉमर्स मंच के जरिए खरीदा गया था।

एफएटीएफ ने आतंकवादी वित्तपोषण जोखिमों पर अपने व्यापक अद्यतन में आतंकवाद को सरकार द्वारा प्रायोजित किए जाने को भी चिह्नित करते हुए कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना के विभिन्न स्रोतों और इस रिपोर्ट में प्रतिनिधिमंडलों के विचार से संकेत मिलता है कि कुछ आतंकवादी संगठनों को कई राष्ट्रों की सरकारों से वित्तीय और अन्य प्रकार का समर्थन प्राप्त होता रहा है और अब भी मिल रहा है। एफएटीएफ ने अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए जून में कहा था कि वित्तीय सहायता के बिना ऐसे हमले संभव नहीं थे। उसने कहा था कि वह 200 अधिकार क्षेत्रों वाले अपने वैश्विक नेटवर्क द्वारा उपलब्ध कराए गए मामलों को संकलित करते हुए आतंकवादी वित्तपोषण का व्यापक विश्लेषण करेगा। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डालने की भारत की मांग

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में भारतीय सुरक्षा बलों के काफिले को निशाना बनाकर फरवरी 2019 में एक आत्मघाती बम विस्फोट किया गया था जिसके परिणामस्वरूप 40 सैनिक मारे गए थे। भारत के अधिकारियों ने निष्कर्ष निकाला था कि यह हमला जैश-ए-मोहम्मद ने किया था। भारत कहता रहा है कि पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देता है और आतंकवादियों का वित्त पोषण करता है। ऐसे में पाकिस्तान को एफएटीएफ की 'ग्रे लिस्ट' में डाला जाना चाहिए।

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी सड़क हादसे में घायल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गईं। दुर्घटना हापुड़ जिले के पिलखुवा क्षेत्र में स्थित छिजारसी टोल प्लाजा के पास हुआ, जब उनकी एक्सयूवी पुलिस एस्कॉर्ट वाहन से टकरा गई। गुलाब देवी को सिर व हाथ में चोट आई है। उन्हें तुरंत रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुलाब देवी (70) मंगलवार दोपहर दिल्ली से बिजनौर की ओर जा रही थीं। उनके काफिले में सबसे आगे चल रही एक निजी गाड़ी के अचानक ब्रेक लगाने पर पुलिस जीप को भी तेज ब्रेक लगानी पड़ी। जीप के पीछे चल रही गुलाब देवी की एक्सयूवी, पुलिस जीप से टकरा गई। गुलाब देवी पिछली सीट पर बैठी थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने फोन पर हालचाल लिया। देर शाम गुलाब देवी ने फेसबुक पोस्ट में कहा है कि उनकी स्थिति स्थिर है।

- हापुड़ में उनकी गाड़ी काफिले की पुलिस एस्कॉर्ट जीप से भिड़ी
- सिर में चोट, मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने जाना हाल

मालवाहक जहाज की जब्ती का आदेश

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने सोमवार को विड़िण्गम बंदरगाह पर खड़े एक मालवाहक जहाज को सशर्त जब्त करने का आदेश दिया। यह आदेश गंभीर जहाज दुर्घटना और पर्यावरणीय क्षति को लेकर केरल राज्य द्वारा दायर 9,531 करोड़ रुपये के मुआवजे के मामले में दिया गया है। एमएससी अकीटेटा 2 नामक जहाज को जब्त करने का आदेश तब दिया गया जब राज्य ने एक अन्य जहाज के मालिकों और प्रबंधकों पर आरोप लगाया कि वे केरल तट पर गंभीर प्रदूषण फैला रहे हैं। यह जहाज भी उसी कंपनी एमएससी ईएलएसए 3 का प्रतीत होता है। केरल तट के पास 25 मई को एमएससी ईएलएसए 3 जहाज पलटकर डूब गया था, जिससे कथित तौर पर तेल और जहाज का माल बह गया था। इससे समुद्री पर्यावरण, तटीय क्षेत्र को नुकसान पहुंचा और हजारों मछुआरों की आजीविका प्रभावित हुई।

- 9,531 करोड़ क्षति के मामले में हाईकोर्ट का निर्णय

बिहार में महिलाओं के लिए आरक्षण स्थायी निवासियों तक ही सीमित

पटना, एजेंसी

सरकार ने की घोषणा

- सरकारी नौकरियों में महिलाओं को दिया जाएगा 35 प्रतिशत आरक्षण

बिहार मंत्रिमंडल ने मंगलवार को निर्णय लिया कि सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण केवल राज्य की स्थायी निवासियों तक ही सीमित रहेगा। यह निर्णय राज्य में चुनाव से कुछ महीने पहले लिया गया है, जब सरकारी नौकरियों में अधिवास नीति लागू करने की मांग बढ़ रही है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (मंत्रिमंडल सचिवालय) एस सिद्धार्थ ने कहा कि मंत्रिमंडल ने सामान्य प्रशासन विभाग के एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण को केवल बिहार की स्थायी निवासियों के लिए ही सीमित किया गया है। नई नीति से राज्य की स्थायी निवासी महिलाओं के लिए वित्तीय स्वतंत्रता और नौकरी की सुरक्षा बढ़ेगी। सरकार ने 2016 में सभी स्तरों पर सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण लागू किया था। पहले किसी भी राज्य की महिलाएं इसका लाभ ले सकती थीं। लेकिन, विधानसभा चुनाव से पहले अधिवास नीति लागू करने की मांग जोर पकड़ रही है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने वादा किया है कि अगर विधानसभा चुनाव के बाद राजद की सरकार बनती है, तो वह अधिवास नीति लागू करेगी।

एसडीजी इंडेक्स में 29 से 18वें स्थान पर पहुंचा उत्तर प्रदेश

वैश्विक मानकों पर आधारित सतत विकास लक्ष्यों में यूपी परफॉर्मर से फ्रंट रनर की श्रेणी में पहुंचा

- मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने वाले परिवर्तन की है पुष्टि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश ने एसडीजी इंडेक्स में 29वें से 18वें स्थान पर छलांग लगाई है। वैश्विक मानकों पर आधारित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में यूपी परफॉर्मर से फ्रंट रनर की श्रेणी में पहुंचा है।

मंगलवार को एक समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह उपलब्धि केवल स्कोर का मामला नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने वाले परिवर्तन की पुष्टि है। योगी आदित्यनाथ ने एक उच्चस्तरीय बैठक में वैश्विक मानकों पर आधारित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के सापेक्ष उत्तर प्रदेश की प्रगति की समीक्षा की। यहां मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्रदेश ने सतत विकास के हर क्षेत्र में ठोस प्रगति की है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2018-19 में 42 अंकों के साथ परफॉर्मर श्रेणी में शामिल उत्तर प्रदेश ने 2023-24 तक 25 अंकों की वृद्धि के साथ 67 का स्कोर हासिल कर फ्रंट रनर राज्यों की श्रेणी में प्रवेश किया है। 2018-19 में एसडीजी इंडेक्स में 29वें स्थान पर रहा उत्तर प्रदेश आज 2023-24 में 18वें स्थान पर आ गया है।

एसडीजी के सापेक्ष प्रदेश की प्रगति की समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

एसडीजी इंडिया इंडेक्स में किसी राज्य द्वारा किया गया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

एसडीजी इंडिया इंडेक्स में किसी एक राज्य द्वारा किया गया यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सतत विकास लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर मिशन मोड में लागू किया जाए। ग्राम पंचायतों तक हर योजना की जानकारी पहुंचे और यह सुनिश्चित किया जाए कि अंतिम लाभार्थी तक उसका प्रभाव समय पर पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि एसडीजी लक्ष्यों की प्राप्ति हर विभाग, हर ज़िले और हर पंचायत का साझा दायित्व है।

समय पर और सटीक रूप से संकलित किया जाए डेटा

मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी विशेष बल दिया कि वास्तविक प्रगति का आकलन तभी संभव होगा जब सही डेटा समय पर और सटीक रूप में संकलित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जिलों की एसडीजी प्रोफाइल बनाएं, उसे सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा कि डेटा सिर्फ रिकॉर्ड नहीं है, यह नीतिगत फैसलों की नींव है। गलत या अधूरा डेटा न तो सही स्थिति दर्शाता है और न ही सही योजना को दिशा दे सकता है।

उत्तराखण्ड शासन | देवभूमि रजत उत्सव

उत्तराखण्ड के जैविक उत्पाद
अब दुनिया की पहली पसंद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उत्तराखण्ड को प्रगति का एक ऐसा मॉडल बनाना चाहते हैं, जहां व्यक्ति राज्य की समृद्धि व कल्याण में अपना अपार योगदान दे सकता है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। यह दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

HOUSE OF HIMALAYAS

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

हाउस ऑफ हिमालयाज से मिला स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरु की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरुप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य करोड़ों की परियोजनाओं के साथ 'हाउस ऑफ हिमालयाज' नामक 'अंब्रेला ब्रांड' का शुभारंभ किया था। जिसके तहत, अब समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं। इन उत्पादों की क्वालिटी एवं पैकिंग आदि पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजारों तक ले जाने का एक अभिनव प्रयास है। देवभूमि उत्तराखण्ड के उत्पाद स्वाद और सेहत जैसे कई प्राकृतिक गुणों से भरपूर हैं। कुछ समय पहले तक हिमालय की गोद से निकलने वाले ये उत्पाद हिमाद्री, हिलांस और ग्राम्य-श्री जैसे नामों से बाजार में जाने जाते थे। लेकिन, अब ये दमदार उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से जाने-पहचाने जाते हैं। यानी उत्तराखण्ड के महिला समूहों द्वारा तैयार अलग-अलग उत्पाद अब 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से दुनियाभर में अपना कमाल दिखा रहे हैं। हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखण्ड के उत्पादों को वोकल फॉर लोकल से लोकल टू ग्लोबल बनने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरू की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरूआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरूप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

हाउस ऑफ हिमालयाज इसलिए है खास

प्रामाणिकता का आश्वासन: पारंपरिक तरीकों और प्रामाणिक अनुभवों को केंद्र में रखते हुए इस पहल के अंतर्गत बनाए जा रहे उत्पाद उच्च गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरने के बाद ही ग्राहकों तक भेजे जाते हैं। इन उत्पादों की उच्च गुणवत्ता की पुष्टि करने के लिए इन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाता है।

सामुदायिक प्रतिबद्धता: हाउस ऑफ हिमालयाज को चुनने का मतलब है, सार्थक सामाजिक पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का समर्थन करना। इसके हर उत्पाद की खरीद के साथ आप सामाजिक रूप से योगदान दे सकते हैं।

ओपन सोर्सिंग: इस पहल के अंतर्गत सामग्री और उत्पादन प्रक्रियाओं को चुनते समय पूर्ण पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि उपभोक्ता का भरोसा बनाए रखा जा सके।

नैतिकता को प्राथमिकता: स्थायी सोर्सिंग और बेहतर उत्पादन के तरीके अपनाने के साथ यह ब्रांड उन तरीकों को अपनाता है, जिसकी नैतिक तौर पर सराहना की जाती है।

बेहतर ब्रांड अनुभव: उत्पाद की पूरी जानकारी, छोटी से छोटी बारीकी का ध्यान और बेहतर उत्पाद को शामिल करके यह ब्रांड ग्राहकों को एक बेहतर अनुभव प्रदान करता है, जो हर उपभोक्ता के लिए यादगार अनुभव साबित होता है।

हाउस ऑफ हिमालयाज
बेहतर गुणवत्ता

हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद बेहद खास हैं, जो अपनी बेजोड़ गुणवत्ता और बेहतर कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। यह बातें उन्हें बड़े पैमाने पर उत्पादन होने वाले दूसरे उत्पादों से विशिष्ट बनाती हैं।

देवभूमि के पारंपरिक उत्पाद विशिष्ट जीआई टैग से सम्मानित

जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) शिल्प उत्पाद

भौगोलिक संकेत (जीआई) उन उत्पादों पर प्रयुक्त किया जाने वाला चिन्ह है, जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है तथा उनमें उस उत्पत्ति के कारण गुण या प्रतिष्ठा होती है। दूसरे शब्दों में, यह एक प्रमाणीकरण है, जो किसी उत्पाद को किसी विशेष क्षेत्र से उत्पन्न होने की पहचान कराता है, जहां उत्पाद की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य विशेषता अनिवार्य रूप से उसके भौगोलिक उत्पत्ति के कारण होती है।

उत्तराखण्ड के निम्नलिखित शिल्प उत्पादों को भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा जीआई टैग प्रदान किया गया है

उत्तराखण्ड का भोटिया दन

यह उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा बनाया गया एक पारंपरिक हाथ से बुना हुआ कालीन है। ये कालीन अपनी गर्माहट, टिकाऊपन और जटिल डिजाइन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड थुलमा

थुलमा कंबल उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा भेड़ या याक के ऊन का उपयोग करके हाथ से बुना जाता है। ये कंबल अपनी गर्माहट, टिकाऊपन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड लिखाई (लकड़ी की नक्काशी)

उत्तराखण्ड अपनी बेहतरीन लकड़ी की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है, कुशल कारीगर लकड़ी को जटिल तरीके से तराश कर सुंदर डिजाइन और रूपांकन बनाते हैं।

उत्तराखण्ड बिछुआ बूटी

बिछुआ फाइबर का उपयोग कपड़े, बैग और रस्सियों सहित कई उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है। इसके फाइबर को इसकी मजबूती और पर्यावरण-मित्रता के लिए महत्व दिया जाता है।

उत्तराखण्ड ऐपण

ऐपण एक पारंपरिक लोककला है, जिसे चावल के पेस्ट या चाक का उपयोग करके तैयार किया जाता है। धार्मिक और सांस्कृतिक समारोहों के दौरान यह लोककला फर्श, दीवारों या आंगनों पर देखा जाता है।

उत्तराखण्ड तमता उत्पाद

उत्तराखण्ड के कारीगर तांबे का उपयोग करके बर्तन, सजावटी सामान और धार्मिक कलाकृतियां जैसी विभिन्न वस्तुएं बनाते हैं।

चमोली लकड़ी का रावण मुखौटा

रावण मुखौटे लकड़ी से उकेरे जाते हैं और पारंपरिक लोक नृत्यों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों में उपयोग किए जाते हैं।

नैनीताल मोमबत्तियां (मोमबत्ती)

उत्तराखण्ड अपनी कलात्मक मोमबत्तियों के लिए जाना जाता है, ये मोमबत्तियां अक्सर क्षेत्र के सांस्कृतिक रूपांकनों और प्रतीकों को दर्शाती हैं।

कुमाऊं की रंगवाली पिछौड़ा

रंगवाली पिछौड़ा एक पारंपरिक शिल्प है, जिसमें रंगीन हाथ से छपी/हाथ से बुनी हुई सूती/रेशमी/ऊनी शॉलें बनाई जाती हैं। डिजाइन और पैटर्न कुमाऊं क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

उत्तराखण्ड रिंगाल शिल्प

रिंगाल उत्पाद एक प्रकार की स्थानीय घास से तैयार किए जाते हैं। कारीगर इसकी मजबूती और लचीलेपन के कारण चटाई, टोकरी और रस्सी जैसी वस्तुएं बनाने के लिए इसका उपयोग करते हैं।

ODOP ONE DISTRICT TWO PRODUCTS UTTARAKHAND

एक जिला-दो उत्पाद योजना के साथ
दुनिया को लुभा रहे उत्तराखण्ड के उत्पाद

जिला	उत्पाद-1	उत्पाद-2
अल्मोड़ा	बाल मिठाई	ट्वीड
बागेश्वर	ताम्र शिल्प उत्पाद	कीवी के उत्पाद
चमोली	गुलाब जल	हथकरघा के उत्पाद
हरिद्वार	शहद	जैगरी
चम्पावत	शहद	लोहे के उत्पाद
देहरादून	बेकरी उत्पाद	मशरूम के उत्पाद
रुद्रप्रयाग	चौलाई के उत्पाद	मंदिर अनुकृति हस्तशिल्प
नैनीताल	ऐपण हस्तशिल्प	फल प्रसंस्करण
पौड़ी	हर्बल मेडिसिन	लकड़ी शिल्प
ऊधम सिंह नगर	मैंथा ऑयल	मूंज ग्रास उत्पाद
उत्तरकाशी	सेब के उत्पाद	लाल चावल
पिथौरागढ़	मुन्स्यारी राजमा	ऊनी कालीन
टिहरी	पनीर	टिहरी नथ

लोकल से ग्लोबल की ओर उत्तराखण्ड के शिल्प और जैविक उत्पाद

पर्यटक अपने यात्रा व्यय का 5%
स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वोकल फॉर लोकल की बात कही है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने इस योजना को 'वन डिस्ट्रिक्ट-टू प्रोडक्ट' के रूप में आगे बढ़ाया है। बदरीनाथ धाम के निकट माणा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि कहीं भी घूमने जाएं तो अपने यात्रा व्यय का 5 प्रतिशत स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें। इससे स्थानीय आर्थिकी में जबरदस्त परिवर्तन देखने को मिलेगा। किसी भी क्षेत्र की पहचान उनकी भाषा-बोली एवं स्थानीय उत्पादों से होती है, इनको बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किये जाने चाहिए।

एक नजर

बैंक से रुपये निकालने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बंडा थाना क्षेत्र के गांव उगनापुर निवासी जगदेवी ने बताया कि उसके पति मेवाराम का खाता बैंक आफ बड़ौदा शाखा बंडा में था। उसके पति की 7 अप्रैल 24 को मृत्यु हो गई। आरोप है कि 4 और 15 जनवरी को राम नरेश निवासी आलमपुर पिपरिया थाना बंडा ने 90 हजार 500 रुपये व एक लाख 20 हजार रुपये बैंक कर्मचारियों से मिलकर निकाल लिए है। आरोप है कि श्यामा चरन से चेक लेकर फर्जी हस्ताक्षर करके रुपये निकाल लिए है। पीड़िता जब तक मृत्यु प्रमाणपत्र बनवा रही थी तो आरोपियों ने रुपये निकाल लिए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

बीकॉम की मेरिट जारी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एसएस कॉलेज के वाणिज्य विभाग में बीकॉम फाइनेंस की 80 सीटों, बीकॉम कंप्यूटर की 60 सीटों, बीकॉम ऑनर्स की 180 सीटों और बीकॉम सामान्य की 320 सीटों के सापेक्ष मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। मेरिट लिस्ट चस्पा होते ही प्रवेशार्थियों की भीड़ टूट पड़ी। पहले ही दिन बीकॉम फाइनेंस में 45, बीकॉम कंप्यूटर में 44, बीकॉम ऑनर्स में 33 और बीकॉम सामान्य में 12 प्रवेश हो गए। मेरिट लिस्ट से 15 जुलाई तक प्रवेश किए जाएंगे। इसके बाद यदि आवश्यकता हुई तो दूसरी मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी।

हत्या के दोषी शिक्षक को आजीवन कारावास, एक लाख रुपये जुर्माना

घर में घुसकर नमाज पढ़ रही सायमा फहीम के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर की हत्या

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- बेटी इलमा पर जानलेवा हमला कर किया गंभीर रूप से घायल
- कोर्ट ने दाऊद को दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई

अमृत विचार : शिष्या पर जानलेवा हमला और उसकी मां की हत्या करने के दोषी शिक्षक को कोर्ट ने दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। हत्यारे पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। वह शिष्या के घर कुरान की शिक्षा देने आता था। इस दौरान उसने छात्रा के साथ गलत हरकत कर दी थी। इस पर छात्रा के परिवार वालों ने हत्यारे का घर आना बंद कर दिया था। इससे नाराज होकर उसने भाई व अन्य आरोपियों के साथ दिन-दहाड़े छात्रा के घर में घुसकर हमला किया था। उसने किशोरी की मां की हत्या कर दी थी और किशोरी को घायल कर दिया था। अब कोर्ट ने आरोपी को दोषी पाते हुए सजा सुनाई है।

यह दिल दहला देने वाली घटना महानगर के मोहल्ला फत्तेपुर रेती की है। यहां रहने वाले फहीम अहमद के परिवार पर कयामत टूटी थी। फहीम की ओर से थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया गया कि 17 जून 2022 को वह अपने निजी कार्य से कचहरी गए हुए थे। घर पर पत्नी सायमा फहीम, 16 वर्षीय बेटी इलमा फहीम और 10 वर्षीय बेटा सुबहान मौजूद थे। लगभग दोपहर 2:30 बजे जब सायमा नमाज अदा कर रही थीं, तभी मोहल्ले का रहने वाला दाऊद अपने तीन भाइयों सलीम, सैफ, सलमान और दो अन्य अज्ञात लोगों के साथ घर में घुस आया। दाऊद के हाथ में कुल्हाड़ी और अन्य आरोपियों के पास रॉड और छुरियां थीं। दाऊद ने घुसते ही कहा कि मां-बेटी दोनों को मार दो। नमाज पढ़ रही सायमा के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरोपी इलमा को जबरन ले जाने की कोशिश करने लगे। जब लड़की ने मना किया तो उसे भी बेहद बेरहमी से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इलाके के लोगों ने शोर सुनकर पहुंचकर हमलावरों को भागने पर मजबूर कर दिया। फरीद घायल बेटी व पत्नी को तत्काल जिला अस्पताल ले गए। यहां सायमा को मृत घोषित कर दिया गया।

तीन धाराओं में दोहरे आजीवन कारावास की सजा

पुलिस ने मुकदमा संख्या 257/2022 के तहत दाऊद व अन्य आरोपियों के खिलाफ धारा 302, 307, 452, 147, 34 आईपीसी के तहत केस दर्ज किया। विचारण के दौरान अभियुक्त दाऊद की भूमिका को पूर्व नियोजित और अत्यंत क्रूर बताया गया। इसके बाद कोर्ट ने धारा 302 (हत्या) के लिए कठोर आजीवन कारावास और एक लाख का जुर्माना, न भरने पर 3 वर्ष का अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा धारा 307 (हत्या का प्रयास) के लिए कठोर आजीवन कारावास और 50 हजार का जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना न भरने पर 2 वर्ष का अतिरिक्त कारावास दोषी को भुगतना होगा। धारा 452 (गृह-अतिचार) के लिए 7 वर्ष का कारावास और 25 हजार का जुर्माना, न भरने पर 6 माह का अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि अपराध पूर्व नियोजित था और शिक्षक-शिष्या की मर्यादा को कलंकित करने वाला था। ऐसे अपराधियों को समाज में खुला छोड़ना महिलाओं की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हो सकता है।

शिक्षक बना दरिंदा न्याय ने दिया कड़ा संदेश

यह मामला उन सभी लोगों के लिए एक चेतावनी है जो शिक्षक का चोला ओढ़कर कुछ लोग अपनी वासनात्मक मानसिकता को परवान चढ़ाने की कोशिश करते हैं। कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि दाऊद का कृत्य घृणित, अमानवीय और विश्वासघातपूर्ण था। ऐसे शिक्षकों को कड़ी से कड़ी सजा सुनाई जानी चाहिए। यह फैसला न केवल एक परिवार को न्याय दिलाने वाला है, बल्कि समाज के लिए भी एक चेतावनी है कि धर्म, शिक्षा और रिश्तों की आड़ में छिपे अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता ने फंदा लगाकर दी जान

अल्हागंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव पुराना साहबगंज में सोमवार शाम एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर जान दे दी। मृतका की पहचान खुशबू (21) पत्नी शैलेंद्र के रूप में हुई है। मामला घरेलू कलह से जुड़ा बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार खुशबू की शादी एक वर्ष पूर्व कांट थाना क्षेत्र निवासी छविनाथ की पुत्री के रूप में शैलेंद्र पुत्र रामचंद्र से हुई थी। बीते कुछ दिनों से वह बीमार चल रही थी, जिसके चलते पति-पत्नी के बीच अक्सर वाद-विवाद होता रहता था। सोमवार को भी दोनों में कहासुनी हुई। इसके बाद खुशबू ने खाना नहीं खाया। देर शाम जब परिवार छत पर खाना खाने गया तो खुशबू कमरे में अकेली थी। काफी देर बाद जब पति नीचे आया तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। जैसे-तैसे कुंडी खोलकर अंदर गया तो खुशबू बेसुध अवस्था में मिली। गले पर डोरी के गहरे निशान थे। परिजन उसे तत्काल फर्रुखाबाद के सरकारी अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ओम प्रकाश का कहना है कि अभी तक तहरीर नहीं मिली है।

रामगंगा का जलस्तर बढ़ा, गर्रा-खन्नौत का हुआ कम

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पहाड़ों पर बारिश से नदियां उफान पर बह रही है। जनपद में नदी किनारे रहने वाले लोगों को एक बार फिर से बाढ़ का खतरा सताने लगा है। रामगंगा का जलस्तर बढ़ा है, जबकि गर्रा व खन्नौत का कम हुआ है। नरौरा बैराज से गंगा नदी में 4376 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जिला प्रशासन व जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भी बाढ़ से निपटने के व्यापक इंतजाम कर लिए है। डीएम धर्मेंद्र प्रताप ने कलेक्ट्रेट में बाढ़ आपदा कन्ट्रोल रूम सक्रिय कर दिया है। प्रभारी अधिकारी एडीएम न्यायिक राशिद अली को नामित किया है। उनकी देखरेख में कार्मिक नदियों के जलस्तर अन्य चीजों पर निगरानी कर रहे है। मंगलवार को गंगा नदी कछला घाट का जलस्तर माइनस 0.13 मीटर घटा है। गंगा नदी भैसार ढ़ाईघाट तटबंध का जलस्तर माइनस 0.10 मीटर बढ़ा हुआ दर्ज किया गया है। रामगंगा नदी चौबारी घाट जलस्तर प्लस 0.06 बढ़ा है। रामगंगा नदी डबरी घाट प्लस 0.21 मीटर बढ़ा है, जबकि गर्रा नदी अजीजगंज का जलस्तर माइनस 0.5 घटा है।

सार-संक्षेप

दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित कर घर से निकाला

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र की वंदना गुप्ता ने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग को लेकर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। उनकी शादी बदायूं गद्दी चौक निवासी सिद्धार्थ उर्फ रितिक से हुई थी। ससुराल वालों ने चार पहिया वाहन व पांच लाख की मांग कर रहे थे। वंदना ने बताया कि 19 फरवरी को आरोपियों ने उसे पीटकर घर से निकाल दिया। पंचायत के माध्यम से मामला सुलझाने की कोशिश की गई, लेकिन ससुराल वाले नहीं माने। पीड़िता की तहरीर पर पति सिद्धार्थ, सास रेखा, जेठानी संजना, ननद अंशू, जेठ शिवम, चचिया ससुर नवल गुप्ता, और देवर ध्रुव के विरुद्ध दहेज अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

नशेड़ी ने हमला कर तीन लोगों को किया घायल

कलान, अमृत विचार : ब्रह्मदेव नगर मोहल्ला में एक नशेड़ी युवक ने उत्पात मचाकर एक महिला सहित तीन लोगों को घायल कर दिया। पीड़ित राजेश कश्यप ने थाने पर तहरीर दी है कि उसके पास शिवम नामक युवक रहता है, जिसके माता-पिता नहीं हैं। शिवम को मोहल्ले के कुछ नशेड़ी युवक अक्सर परेशान करते थे। जब राजेश ने उनसे विरोध किया तो उन्होंने राजेश पर ही हमला कर दिया। शिकायत के अनुसार, आरोपी युवकों ने राजेश की पत्नी विमला को भी बेल्टों से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। पीड़ितों का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेत के विवाद में हमला, तीन भाई घायल

कलान, अमृत विचार : गांव श्रीनगर में मंगलवार को पुरानी रंजिश के चलते तीन सगे भाइयों पर जानलेवा हमला हुआ। हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला कर एक पर कुल्हाड़ी से वार भी किया। घायल अजनेस यादव ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उसने गांव के अंग्रेज यादव का खेत ठेके पर ले रखा है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश चल रही थी। मंगलवार को जब अजनेस अपने घर पर था तभी आरोपी पक्ष ने उस पर हमला कर दिया। शोर सुनकर भाई अवनीश और एल्वेस उसे बचाने दौड़े तो उन्हें भी पीटा गया।

घर में घुसकर किया दुष्कर्म का प्रयास

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद क्षेत्र की एक गांव की महिला ने बताया कि रविवार की रात घर के बरामदे में सो रही थी। रात में दो बजे गांव का रंजीत दीवार फांदकर घर में घुस आया। आरोपी ने महिला को सोत समय दबोच लिया। आरोप है कि आरोपी ने महिला के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। प्रभारी निरीक्षक राजीव तोमर ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

एसपी ने किया वन स्टाप सेंटर का निरीक्षण

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एसपी राजेश द्विवेदी ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए वन स्टाफ सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने महिला सहायता सेवाओं, सुरक्षा व्यवस्थाओं और केंद्र की कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की। एसपी ने महिला हेल्पलाइन, कानूनी सहायता, परामर्श सेवाओं और आपातकालीन सहायता की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि वन स्टाफ सेंटर महिलाओं को त्वरित सहायता और सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर एएसपी ग्रामीण, सीओ सिटी, सीओ ट्रैफिक आदि स्टाफ मौजूद रहा।

रेल पटरी पर क्षत-विक्षत अवस्था में मिला शव

तिलहर/शाहजहांपुर : तिलहर-शाहजहांपुर के बीच मंगलवार की सुबह 6 बजे रुद्रपुर गांव के सामने डाउन लाइन की रेल पटरी पर एक युवक का शव क्षत-विक्षत अवस्था में पड़ा था। लोगों ने स्टेशन मास्टर को सूचना दी। स्टेशन मास्टर ने तिलहर पुलिस को मेमो दिया। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे और शव को रेल लाइन के किनारे किया। मृतक की उम्र 30 साल होगी। आशंका व्यक्त की जा रही है कि किसी ट्रेन से रात में गिरकर उसकी मौत हुई है। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पायी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नीलगायों के झुंड से टकराई बाइक, तीन युवक घायल

कलान, अमृत विचार : परौर कस्बा निवासी सानू (20), सनी (19) और शैलेंद्र शर्मा (21) बाइक से कलान से बाजार कर अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही बाइक मलेवा गांव के पास पहुंची तभी नीलगायों का एक झुंड अचानक सड़क पर आ गया और बाइक सीधे उनसे भिड़ गई। हादसे में तीनों युवक बुरी तरह घायल हो गए। मौके पर जुटे ग्रामीणों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। सानू और सनी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जबकि शैलेंद्र की हालत नाजुक होने के कारण उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की सलाह पर सानू और शैलेंद्र को बदायूं रेफर कर दिया गया है। हादसे से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा।

गर्रा नदी में कूदे युवक का 20 घंटे बाद मिला शव

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सोमवार दोपहर एक युवक ने गर्रा नदी पुल से नदी में छलांग लगा दी और डूब गया। मंगलवार की सुबह टीम दोबारा गर्रा नदी में उसकी तलाश गयी। युवक का शव मोहल्ला अब्दुल्लागंज के सामने नदी में 20 घंटे बाद उतराता मिला। शव की शिनाख्त 24 वर्षीय रियाज के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दूल्हा और सास गंभीर रूप से झुलसे, किया रेफर

जैतीपुर, अमृत विचार : समरेर निवासी सतेन्द्र पत्नी प्रीति को विदा कराने अवां गांव आया था। शाम करीब 5:30 बजे सतेन्द्र अपनी सास के साथ घर से बाहर टहल रहा था। इस दौरान 11 हजार वोल्ट का तार टूटकर दोनों पर गिर गया। परिजनों ने किसी तरह बिजली के तार को हटाकर दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां उन्हें गंभीर हालत में प्राइवेट अस्पताल रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली की लाइन बेहद जर्जर है और विभाग इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा।

गुरुकुल महाविद्यालय में छात्र की मौत, हत्या का आरोप

संवाददाता, तिलहर/शाहजहांपुर

मृतक अनुराग यादव।

विलाप करतीं मृतक की मां।

- नाक और कान से बह रहा था खून, छात्र के परिवार वालों ने जताई हत्या करने की आशंका

अमृत विचार : गुरुकुल महाविद्यालय रुद्रपुर में कक्षा छह के छात्र का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। उसके नाक और कान से खून निकल रहा था। यहां तक कि चटाई खून से सनी थी। मृतक के परिवार वालों ने हत्या की आशंका जताई है।

कन्नौज के थाना छिबरामऊ के गांव रामखेड़ा निवासी बृजेश सिंह यादव का 13 वर्षीय पुत्र अनुराग यादव तिलहर क्षेत्र में रुद्रपुर के गुरुकुल महाविद्यालय में कक्षा छह में पढ़ता था। वह अन्य बच्चों के साथ महाविद्यालय में रहता था। सोमवार रात अनुराग और कन्नौज का रहने वाला ही छात्र माधव सत्संग परिसर में चटाई बिछाकर रात आठ बजे सो गए। अन्य बच्चे भी सो रहे थे। प्रत्येक दिन बच्चों को सुबह चार बजे योगा करने के लिए उठाया जाता था। माधव सुबह चार बजे उठा और देखा कि अनुराग के कान, नाक से खून निकल रहा है। वह अचेतावस्था में पड़ा था। खून से चटाई सनी हुई है। उसने शोर मचाया कि अनुराग को क्या हो गया है। उसने महाविद्यालय के प्रमुख उत्तम कुमार को जानकारी दी। विद्यालय के प्राचार्य धारणा, प्रमुख उत्तम कुमार आदि छात्र अनुराग को लेकर मेडिकल कालेज में आए। यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक सिपाहियों के साथ मेडिकल कालेज पहुंच गए। मृतक के पिता बृजेश, मां सरिता और अन्य लोग मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। उन्होंने हत्या का आरोप लगाया।

> गुरुकुल महाविद्यालय में एक छात्र की मौत हो गई है। फोरेंसिक टीम को भेजकर मौके की जांच कराई गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।
> – ज्योति यादव, सीओ तिलहर

पुलिस ने चटाई और डीवीआर कब्जे में ली

पुलिस ने खून से सनी चटाई को कब्जे में ले लिया। मृतक के पिता बृजेश का आरोप है कि महाविद्यालय प्रशासन ने पुलिस के पहुंचने से पहले फर्श को धो दिया था। पुलिस लाइन से फोरेंसिंग टीम पहुंची और मौके पर वीडियो ग्राफी और फोटोग्राफी की। टीम ने सैंपल लिए और जांच के लिए भेजा जाएगा। एसपी राजेश द्विवेदी और सीओ तिलहर ज्योति यादव मौके पर पहुंचे और प्रमुख और प्राचार्य तथा बच्चों से जानकारी की। पूछताछ के दौरान स्टाफ ने बताया कि रात में बच्चों ने खाना खाया था और खाकर सो गए थे। पुलिस ने गुरुकुल में लगी सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर कब्जे में ले ली है।

भाई के राखी बांधने का सपना रह गया अधूरा

कन्नौज के बृजेश ने बताया कि गांव के तीन बच्चे गुरुकुल महाविद्यालय मे पढ़ते है। उन्होंने अपने बेटे अनुराग का 12 अप्रैल को दाखिला कराया था। दो भाइयों में बड़ा था और उसका छोटा भाई लव यादव है। उसकी एक छोटी बहन अनन्या है। गुरुवार को सरिता ने अपने बेटे अनुराग से फोन पर बात की थी। उसने अपनी मां से कहा था कि बहन से राखी बंधवाएंगे। इस लिए मम्मी राखी से पहले पापा को भेज देना और आकर ले जाएंगे। उसने कहा था कि राखी पर जरूर बुला लेगे। बहन को भाई को राखी बांधने का सपरा अधूरा रह गया। परिवार वाले उसका शव लेकर कन्नौज चले गए। मृतक के पिता खेतीबाड़ी करते है।

रोडवेज बस के तोड़े शीशे, एफआईआर

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कानपुर के थाना सचेंडी के गांव धर्मगतपुर निवासी रोडवेज परिचालक कामता प्रसाद ने बताया कि 6 जुलाई की रात साढ़े 10 बजे बस लेकर वह बस लेकर बस स्टैंड पर पहुंचा। उसका एक व्यक्ति से सीट पर बैठने को लेकर विवाद हो गया। आरोपी ने परिचालक और चालक से अभद्र व्यवहार किया और रास्ते में देख लेने की धमकी दी। आरोपी अपना नाम प्रखर सिंह बता रहा था।

चालक और परिचालक बस को लेकर दिल्ली के लिए निकले। बस बरेली मोड़ पर एक होटल के पास पहुंची। वहीं पर पहले से मौजूद कार में सवार प्रखर एवं उसके अन्य साथियों ने बस को रोक लिया। आरोपी चालक और परिचालक को गाली देने लगे। बस के अंदर बैठी सवारियां डर गयी ओर शोर मचाने लगी। आरोपियों ने बस के आगे शीशे तोड़ दिए और चालक व परिचालक को जान से मारने की धमकी देकर कार से भाग गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दो घरों से नकदी और जेवर चोरी

मदनापुर/शाहजहांपुर, अमृत विचार : मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव छत्तरपट्टी निवासी महेश उर्फ नरेश रविवार की रात में परिवार के साथ मकान में सो रहा था। चोर मकान में घुस गए।

चोरों ने बक्सा और अलमारी का ताला तोड़ दिया। चोर पांच हजार रुपये, सोने के झाले, मांग टीका, नाक को ब्रेसर, मंगलसूत्र, अंगुठी, चांदी की पाजेब, कमर का बिछुआ, हथफूल, बच्चे के गले की सोने की चेन, हाथ के कंगन, दो मोबाइल, 22 पीतल की थाली, 15 पीतल के लोटे आदि सामान चुराकर ले गए। उनकी पत्नी सुबह सोकर उठी तो देखा कि कमरे में सामान बिखरा पड़ा है। इधर, इसी गांव के तेजपाल परिवार के साथ मकान में सो रहे थे। चोर दीवार फांदकर कूद गए। चोरों ने एक कमरे का ताला तोड़ दिया। चोरों ने बक्से का ताला तोड़कर 40 हजार रुपये व जेवर चुराकर ले गए। पुलिस ने दोनों घरों का मौका मुआयना किया।

प्रवेश प्रारम्भ

चन्द्रलोक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

रजऊपरसपुर (बरेली) उ.प्र.

चिकित्सा के क्षेत्र में उज्जवल भविष्य बनाने हेतु उत्तम संस्थान

- उ.प्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी लखनऊ एवं उ.प्र. सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
- सरकारी, अर्द्धसरकारी, सेना एवं विदेश में नौकरी के लिए मान्य
- सरकारी मानकों के अनुसार फीस एवं छात्रवृत्ति

स्थान सीमित शीघ्र प्रवेश लें

GNM (जनरल नर्सिंग एण्ड मिडवाइफरी) 3 Years (इंटरमीडिएट)

आयुष्मान भारत योजना एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय योजना में निःशुल्क इलाज

विशेष सुविधाएं

- मेडिक्लेम, बीमा योजना
- ICU वेन्टीलेटर सुविधा

सिटी ऑफिस

चन्द्रलोक हॉस्पिटल

दूरबीन विधि द्वारा

- पित्त की थैली, पित्त की नली की पथरी (Lap Chole, ERCP), गुर्दे, यूरेटर की पथरी (PCNL, URS)
- प्रोस्टेट (गदूद) (TURP, TURBT)
- रसौली, बांझपन की जाँच
- बबासीर, हर्निया का ऑपरेशन
- मेडिक्लेम • स्त्री एवं प्रसूति रोग
- सभी प्रकार की सर्जरी
- पैथोलॉजी, अल्ट्रासाउण्ड
- ट्रॉमा, हेड इंजरी, फ्रेक्चर आदि।
- ICU, कार्डियक मॉनिटर, वेन्टिलेटर,
- हृदय, सांस, गुर्दा रोग एवं डायबिटीज

पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

सम्पर्क करें-

9458882565
9410002566
8859493000

लोगों को राहत : 100 वर्ग मीटर तक आर्किटेक्ट ही पास कर सकेंगे नक्शे

शासन ने बदला विकास प्राधिकरणों का बायलॉज, भवन निर्माण कार्य कराने में मिलेगी राहत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : नवसृजित शाहजहांपुर विकास प्राधिकरण (एसडीए) जैसे ही पूरी तरह से अस्तित्व में आया था कि शासन ने प्रदेश में संचालित विकास प्राधिकरणों के लिए बिल्डिंग बायलॉज के नियम बदल दिए हैं। जो भवन निर्माता नक्शा पास कराने की तैयारी में हैं, उन्हें अब कुछ समय और इंतजार करना पड़ सकता है। हालांकि नए बायलॉज लागू होने से प्राधिकरण के अंतर्गत बिल्डिंग बायलॉज का सरलीकरण कर दिया गया है।

इससे किसी भी व्यक्ति को भवन नक्शा पास कराने से लेकर भवन निर्माण कार्य कराने में भी राहत मिलेगी। अब नई बिल्डिंग बायलॉज शासन ने बदल दिए हैं। जिसके चलते पूरे प्रदेश में प्राधिकरणों के पोर्टल पर नये बिल्डिंग बायलाज अपडेट कार्य शुरू कर दिया गया है। जिसके चलते अब जो भी नये नक्शा पास होंगे, वह नई नीति से ही पास होंगे। 100 वर्ग मीटर से कम भवन निर्माण के लिए नक्शा पास कराने के लिए व्यक्ति को आवेदन पर आर्किटेक्ट स्वयं फीस जमाकर नक्शा पास कर देगा।

इससे अब एसडीए के चक्कर नहीं काटने होंगे। नये बायलॉज लागू होने से कवर्ड एरिया में बदलाव, एफएआर के नियम भी बदल गए हैं।

- भवन निर्माण के नियमों में किया गया सरलीकरण

"प्राधिकरण को लेकर जो भी बायलॉज में शासन स्तर से बदलाव किए गए हैं, उसका अनुपालन कराया जाएगा। प्राप्त हुए नए वायलॉज का एक बार विधिवत अवलोकन कर आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। 100 वर्गमीटर नक्शा पास कराने के लिए लोगों को चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे। इसके लिए वह आर्किटेक्ट से संपर्क कर सकते हैं। इसके साथ ही शाहजहांपुर विकास प्राधिकरण में जो नए एरिया शामिल हुए हैं, उन पर विशेष फोकस किया जा रहा है। जल्द ही नक्शा पास होने शुरू हो जाएंगे।
– प्रवेंद्र कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट

बिल्डिंग बायलॉज में बदलाव जाने

- 100 वर्ग मीटर तक के आवासीय भूखंडों के मानचित्र अनुमोदन को आवास विभाग की आवश्यकता नहीं।
- कुल प्लॉट क्षेत्र 30 वर्ग मीटर के भीतर, तो दुकान के विकास के लिए किसी अनुमोदन की आवश्यकता नहीं।
- वाणिज्यिक, आवासीय, मिश्रित उपयोग आदि सहित प्रमुख श्रेणियों के लिए फ्लोर एरिया अनुपात (एफएआर) को 300 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा, जबकि 45 मीटर से अधिक चौड़ाई वाली सड़कों को अप्रतिबंधित एफएआर उपलब्ध होगा।
- 24 मीटर या उससे ज्यादा चौड़ी सड़क पर स्थित आवासीय भूखंडों पर व्यावसायिक निर्माण किया जा सकेगा।
- 30 वर्ग मीटर के प्लॉट पर व्यावसायिक निर्माण करने के लिए एसडीए से मानचित्र नहीं पास कराना पड़ेगा। सिर्फ एक रुपये का शुल्क जमाकर पंजीकरण कराना होगा।=नियोजित कॉलोनियों में 500 वर्ग मीटर तक के भूखंड पर आवासीय भवन व 200 वर्ग मीटर पर कॉमर्शियल भवन बनाने को नक्शा पास कराना होगा।
- नर्सरी, क्रेच होमस्टे, आर्किटेक्ट, सीए, चिकित्सक, अधिवक्ता जैसे सेवा प्राफेशनल्स घर में कार्यालय बना सकेंगे।

अधिवक्ताओं ने सीओ कार्यालय पर किया प्रदर्शन

प्रदर्शन करने के बाद ज्ञापन देने जाते अधिवक्ता। • अमृत विचार

तिलहर, अमृत विचार : तिलहर में पुलिस ने एक अधिवक्ता के साथ मारपीट दी थी। इस मामले ने तूल पकड़ लिया है। पीड़ित अधिवक्ता वशिष्ठ सिंह की शिकायत पर सीओ कार्यालय में सोमवार को अधिवक्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

अधिवक्ता ने बताया कि 5 जुलाई की रात लगभग 9 बजे वह थाने से लौट रहे थे। रास्ते में एक गाड़ी मिली जिसमें दो दरोगा और एक व्यक्ति शराब पीते हुए थे। जब उन्होंने हार्न बजाकर रास्ता मांगा, तो एक दरोगा ने गाली-गलौज कर गाड़ी पर लात-घूंसे बरसा दिए और चाबी छीन ली। अन्य दो लोग भी मौके पर पहुंचे और मिलकर मारपीट की। जब वकील ने मोबाइल से वीडियो बनाना चाहा तो फोन तोड़ दिया गया और जेब से आठ हजार रुपये भी निकाल लिए। घटना की शिकायत लेकर सीनियर अधिवक्ता शिवपाल सिंह, बार एसोसिएशन अध्यक्ष नरेश चंद्र सक्सेना, संयुक्त बार एसोसिएशन अध्यक्ष श्रवण कुमार, राजीव सिंह चौहान और अन्य अधिवक्ता सीओ के पास पहुंचे। सीओ ज्योति यादव ने ज्ञापन लेकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई का भरोसा दिया है।

जीएसटी में जटिलताओं से व्यापार बाधित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

उपायुक्त वाणिज्य कर प्रवेश तोमर से मिलते व्यापारी। • अमृत विचार

अमृत विचार : वर्तमान जीएसटी व्यवस्था में लगातार बढ़ती जटिलताओं, नोटिसों और फिजिकल ऑडिट की कार्यप्रणाली से त्रस्त व्यापारियों ने उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश के बैनर तले वाणिज्य कर कार्यालय पर आवाज बुलंद की। जिला वरिष्ठ महामंत्री सुशील गुप्ता के नेतृत्व में व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त वाणिज्य कर प्रवेश तोमर से मिला और केंद्रीय वित्त मंत्री के नाम संबोधित आठ सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में व्यापारियों ने कहा कि जीएसटी आर-1 फाइल करते समय बी2 बी व बी2 सी लेन-देन के लिए अलग-अलग एचएसएन समरी मांगना अव्यवहारिक और अनावश्यक है। इससे फाइलिंग में अनावश्यक जटिलता बढ़ रही है। 2019-20 से लेकर 2023-24 तक की सूचनाएं व दस्तावेज केवल 15 दिन में मांगे जा रहे हैं, साथ ही ऑडिट के लिए टीमों को व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर भेजा जा रहा है। इससे व्यापारियों का मानसिक उत्पीड़न हो रहा है। व्यापारी यदि जीएसटीआर-10 अपलोड कर चुका है, तो उसे बार-बार कार्यालय बुलाकर नोटिस भेजना अनुचित है। एसआईबी जांच या सर्वे के दौरान जांच पूरी होने से पहले टैक्स जमा कराना गैरकानूनी है। इसके बावजूद अधिकारी दबाव डालकर धनराशि वसूल करते है। व्यापारियों ने स्लैब की दरों में पुनर्विचार की मांग की है जिससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम व्यापारियों को राहत मिल सके। महानगर अध्यक्ष सलाउद्दीन अख्तर ने कहा कि व्यापारी टैक्स देने से नहीं डरता, लेकिन बार-बार परेशान किया जाना अब असहनीय हो गया है। जिला कोषाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता, महानगर वरिष्ठ महामंत्री अनूप गुप्ता, महानगर महामंत्री मोहम्मद रफी खान, सुशील गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, सैयद अनवर मियां, अनूप गुप्ता, मोहम्मद रफी खान, आबिद हसन खान, मोहनिस खान, आजम खान, नदीम खान, चमन अहमद सहित दर्जनों व्यापारी शामिल रहे।

- उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त वाणिज्य कर को सौंपा ज्ञापन, गिनाईं समस्याएं

घरेलू गैस सिलेंडरों का प्रयोग व्यवसायिक रूप से न हो : जिलाधिकारी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : व्यावाहरिक प्रतिष्ठानों पर घरेलू गैस का धड़ल्ले से उपयोग करने वालों के खिलाफ डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने संज्ञान लिया है। उन्होंने बताया कि एलपीजी गैस सिलेण्डरों को लेकर संज्ञान में आ रहा था कि जनपद में प्रतिष्ठानों पर संचालित व्यवसायिक गैस सिलेण्डर के स्थान पर घरेलू एलपीजी गैस सिलेण्डरों का प्रयोग किया जा रहा है।

छह माह में गैस प्लांट से निर्गत व्यवसायिक गैस सिलेण्डरों की संख्या सापेक्ष जिले में संचालित व्यवसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा प्रयोग किए व्यवसायिक गैस सिलेण्डरों की संख्या कम है, जोकि घरेलू गैस सिलेण्डरों का प्रयोग व्यवसायिक रूप से करना आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत दण्डनीय है। डीएम ने सभी प्रतिष्ठान स्वामियों को यह निर्देशित किया है कि किसी प्रतिष्ठान पर घरेलू एलपीजी गैस सिलेण्डरों का प्रयोग व्यवसायिक रूप से न हो।

सार-संक्षेप

कॉमर्स में एआई के प्रयोग पर व्याख्यान का आयोजन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एसएस कॉलेज के वाणिज्य विभाग में कॉमर्स में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर मनीष कुमार ने कहा कि एआई के जरिए उपभोक्ता अच्छे उत्पादों की पहचान आसानी से कर सकते हैं। उत्पादक भी एआई का प्रयोग करके कम लागत पर प्रभावशाली विज्ञापन बना रहे हैं। विज्ञापन लागत कम होने से वस्तुओं की कीमतें भी कम हो जाती है। कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकी ने उत्पादन के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। उत्पादन की शुद्धता, गुणवत्ता और तीव्रता तीनों में वृद्धि हुई है। व्याख्यान प्रारंभ होने से पहले स्वामी शुकदेवानंद ने सरस्वती जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। डॉ. रूपक श्रीवास्तव, डॉ. मनीष, विभागाध्यक्ष डॉ. अनुराग अग्रवाल, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. कमलेश गौतम, डॉ. गौरव सक्सेना, डॉ. संतोष प्रताप सिंह आदि मौजूद थे।

सात शिकायतों में एक का किया निस्तारण

शाहजहांपुर, अमृत विचार : नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र की अध्यक्षता में सम्भव के अन्तर्गत नगर निगम कार्यालय में जनसुनवाई दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल आपूर्ति, प्रकाश बिन्दु, नाली निर्माण एवं कर विभाग से सम्बन्धित समस्याओं एवं शिकायतों को रखा गया। नगर आयुक्त ने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर जनसामान्य की संतुष्टि, समदृष्टि को ध्यान में रखते हुए ससमय निस्तारण कराया जाए। जनसुनवाई दिवस में सात शिकायतें प्राप्त हुई। इनमें से एक का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान अपर नगर आयुक्त एसके सिंह, संयुक्त नगर आयुक्त संगीता कुमारी, सहायक नगर आयुक्त राजकुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता निर्माण एसके अम्बेडकर, महाप्रबंधक जल विजय कुमार नारायण, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार मिश्रा समेत अन्य अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण संदेश

शाहजहांपुर, अमृत विचार : विधायक ददरौल अरविंद सिंह ने कंपोजिट विद्यालय अकर्रा रसूलपुर में इको क्लब टीम और बच्चों के साथ हरिशंकरी पौधों का वृक्षारोपण किया। उन्होंने कहा कि हरिशंकरी पौधे न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि यह पर्यावरण को स्वच्छ और जीवनदायिनी बनाने में भी अहम भूमिका निभाते है। प्रधानाध्यापक प्रेमपाल गंगवार सहित शिक्षकों, छात्रों और ग्रामवासियों ने आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी अमित कुमार सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र कुमार मौर्य, एडीओ पंचायत, ग्राम विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह, ऐनुद्दीन, प्रधान पति मदन पाल वर्मा, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष हरिओम वर्मा व अभिभावक, ग्रामवासियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

विद्यार्थी परिषद ने तिलहर थाने में किया पौधरोपण

तिलहर, अमृत विचार : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर संगठन की नगर इकाई ने कोतवाली तिलहर परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विभाग संयोजक हर्षिल ठाकुर, सीओ तिलहर ज्योति यादव, और कोतवाल राकेश कुमार ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर हर्षिल ठाकुर ने कहा वृक्ष धरा के आभूषण हैं, इनके बिना जीवन अधूरा है। सीओ ज्योति यादव ने पौधरोपण को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए अधिकाधिक पौधे लगाने की अपील की। कोतवाल राकेश कुमार, नगर मंत्री वैभव मिश्रा, नैतिक, अखिल प्रताप सिंह, आदित्य गुप्ता, दिव्यांश, यश, भोले समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर आंगनबाड़ी नियुक्ति का आरोप

पुवायां, अमृत विचार : मनोरमा पत्नी दुर्गेश कुमार ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर बताया कि उन्होंने मोहल्ला कुरगंजा से आंगनबाड़ी कार्यकत्री के लिए आवेदन किया था, लेकिन उनका चयन नहीं हुआ। जबकि एक महिला का फर्जी दस्तावेजों के आधार पर चयन कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला के ससुर नगरपालिका में सरकारी पद पर कार्यरत हैं और उन्होंने अपने प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए फर्जी प्रमाण पत्र बनवाया।

वरुण अर्जुन ने लगाया निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा की ओर से मंगलवार को ददरौल क्षेत्र के ग्राम कोहनी में एक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 278 मरीजों ने पंजीकरण कराकर जांच कराई। विशेष सहयोग जिला पंचायत सदस्य अनिल कुमार प्रजापति का रहा। उन्होंने ग्रामीणों को शिविर से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई।

शिविर में आंखों की जांच के दौरान आठ मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई। उनका ऑपरेशन रोहिलखंड अस्पताल में पूरी तरह निःशुल्क किया जाएगा। इसके अलावा सभी मरीजों को निशुल्क आई ड्रॉप और दवाइयां वितरित की गईं।

शिविर के दौरान नेत्र रोग विशेषज्ञों ने ग्रामीणों को नियमित नेत्र परीक्षण की सलाह दी और नेत्र रोग विभाग में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं की जानकारी दी। वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल द्वारा संचालित परिवार स्वास्थ्य कार्ड की भी ग्रामीणों को जानकारी दी गई, जो सिर्फ 200 रुपये में एक वर्ष तक अस्पताल की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मान्य रहेगा। शिविर में डॉ. शुभांगी, डॉ. सूरज, डॉ. पूजा भल्ला, नेत्र टेक्नीशियन, पैरामेडिकल स्टाफ और मेडिकल कॉलेज के एमएसडब्ल्यू जितेन्द्र गंगवार की टीम ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग किया। कोहनी गांव के निवासियों ने इस शिविर को अत्यंत लाभकारी बताया और वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज व रोहिलखंड अस्पताल की इस सामाजिक पहल की प्रशंसा करते हुए अधिकाधिक बार ऐसे शिविर आयोजित करने की मांग की।

- 278 मरीजों का हुआ परीक्षण आठ लोगों का होगा निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक से आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध।
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नंबर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध।
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
8077344353
समय:- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CATARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

जीजीआईसी अजीजगंज को उड़ान ने लिया गोद

विद्यालय की आवश्यकताओं की सूची प्राप्त करतीं संस्था की अध्यक्ष नीलम गुप्ता।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : उड़ान एक उम्मीद संस्था ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अजीजगंज को गोद लिया है।

हाल ही में नवनिर्मित यह विद्यालय सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा था। संस्था की अध्यक्ष नीलम गुप्ता ने विद्यालय पहुंचकर प्रधानाचार्या रचना शुक्ला से स्कूल की आवश्यकताओं की सूची प्राप्त की और हर जरूरत को पूरा करने का आश्वासन दिया। स्कूल में कई ऐसी बालिकाएं हैं जो पढ़ाई में बेहद होनहार हैं, लेकिन संसाधनों की कमी उनके आगे बढ़ने में बाधा बन रही है। संस्था ने ऐसी छात्राओं की उच्च शिक्षा में मदद का भी वादा किया है, जिससे वे आत्मनिर्भर और सशक्त बन सकें। इस अवसर पर संस्था की सचिव सोनिया गुप्ता, सह-सचिव रेखा मोदी एवं मीडिया प्रभारी रश्मि गुप्ता भी मौजूद रहीं। सभी ने विद्यालय की स्थिति का अवलोकन किया और संस्था की ओर से हर संभव सहयोग देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

- स्मार्ट स्कूल की दिशा में बढ़ा कदम
- लड़कियों को मिलेगा बेहतर माहौल

साक्षात्कार की तिथियां घोषित

शाहजहांपुर, अमृत विचार : उपायुक्त उद्योग अनुराग यादव ने बताया कि हलवाई ट्रेड में 10 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए 8 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदित अभ्यार्थियों का साक्षात्कार व चयन मुख्यालय से निर्धारित स्कोर कार्ड के आधार पर किया जाएगा। इसमें 1 अप्रैल से 15 जून तक हलवाई ट्रेड में ऑनलाइन आवेदन पत्रों का साक्षात्कार 10 जुलाई को किया जाएगा। 16 जून से 8 जुलाई तक आवेदन पत्रों का साक्षात्कार 11 जुलाई को किया जाएगा। सभी लाभार्थी को मूल प्रमाण-पत्रों सहित कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन और उद्यमिता विकास केन्द्र में दी गई तिथियों पर उपस्थित होना है।

जिपं बैठक 12 जुलाई को

शाहजहांपुर, अमृत विचार : अपर मुख्य अधिकारी ने बताया कि जिला पंचायत बैठक 12 जुलाई को दोपहर 12 बजे शनिवार को विकास भवन सभागार में होगी। अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव करेंगी। इस दौरान शिक्षा, विद्युत, कृषि विभाग, जल निगम, स्वास्थ्य विभाग, जिला पूर्ति विभाग, समाज कल्याण, नहर विभाग, जिला पंचायतराज विभाग समेत अन्य विभागों की समीक्षा की जाएगी। वित्तीय वर्ष 2020-21, 2021-22, 2022-23, 2023-24 2024-25 एवं 2025-26 में प्राप्त शासकीय अनुदानों की बचत की धनराशि के सापेक्ष पूरक कार्ययोजना की स्वीकृति पर विचार किया जाएगा। शासन, आईजीआरएस, याचिका एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त प्रस्तावों को कराए जाने की स्वीकृति पर विचार होगा।

बिजली कटौती से परेशान किसान ने जोत डाली पौध

अधिकारियों से गुहार लगा चुका था राधे, धान की पौध की पत्तियां मुरझाई और जमीन में दरारें पड़ी तो फूटा गुस्सा

संवाददाता, मदनापुर

- मदनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सिकंदरपुर कला का मामला
- बिजली आपूर्ति न होने से नहीं हो सकी खेत में सिंचाई

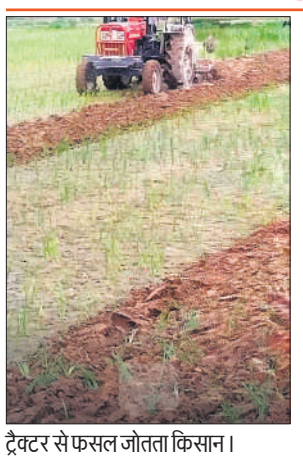
ट्रैक्टर से फसल जोतता किसान।

फसल जोतने वाला किसान राधे।

अमृत विचार : सरकार भले ही किसानों की भलाई के बड़े-बड़े दावे कर रही हो, लेकिन जमीनी सच्चाई इन दावों की पोल खोल रही है। जनपद के मदनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सिकंदरपुर कला निवासी किसान राधे की पीड़ा ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। बिजली आपूर्ति न होने से खेत में सिंचाई न हो सकी और अंततः किसान ने अपने ही हाथों ट्रैक्टर चलाकर खड़ी धान की फसल जोत दी।

किसान राधे ने खेत में धान की पौध रोपी थी। इन दिनों फसल को पानी की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है, लेकिन लगातार बिजली न आने से खेतों में लगे पंपसेट चल ही नहीं पाए। राधे कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों औरस्थानीय लाइनमैन से गुहार लगा चुका था, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। जब फसल की पत्तियां मुरझाने लगीं और जमीन में दरारें पड़ गईं तो उसकी आंखों में आंसू थे। कोई रास्ता न देख उसने ट्रैक्टर की स्टेयरिंग थाम ली और खुद ही खेत में लगे धान को मिट्टी में मिला दिया। क्षेत्र के किसानों ने बताया कि राधे कई बार बिजली ऑफिस गया, पंचायत में भी बोला, लेकिन उसकी समस्या का हल नहीं हो पाया। जब खेत में पानी नहीं गया तो फसल सूखती रही। सिकंदरपुर कला समेत आसपास के कई गांवों के किसानों ने बताया कि गांव में बिजली की आपूर्ति बहुत खराब है। ट्यूबवेल चलाना तो दूर, कई बार रात भर पंखा तक नहीं चलता। यदि यह स्थिति बनी रही तो अन्य किसान भी फसल को नष्ट करने पर मजबूर हो सकते हैं। मामले पर स्थानीय बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया गया, लेकिन किसी ने औपचारिक टिप्पणी नहीं की। क्षेत्रीय जेई से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने तकनीकी दिक्कतों का हवाला देकर बात टाल दी। ग्रामीणों और किसान संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि किसान राधे को उचित मुआवजा दिया जाए। गांव की बिजली आपूर्ति व्यवस्था की तत्काल समीक्षा की जाए। खरीफ की फसलों की सुरक्षा के लिए वैकल्पिक सिंचाई व्यवस्था की जाए।

मदनापुर उपकेंद्र पर फूटा गुस्सा, किया प्रदर्शन

मदनापुर, अमृत विचार : कृषि संकट और लगातार खराब बिजली आपूर्ति से जूझ रहे किसानों का गुस्सा मंगलवार को मदनापुर बिजली उपकेंद्र पर फूट पड़ा। तीन तहसीलों और चार विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले सैकड़ों गांवों के किसानों ने उपकेंद्र पर पहुंचकर जोरदार धरना प्रदर्शन किया। आक्रोशित किसानों का कहना था कि बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण उनकी फसलें सूखने की कगार पर हैं और मोटर तक नहीं चल पा रही। बिना सिंचाई के धान और गन्ने की खेती बर्बादी की ओर बढ़ रही है। किसान नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा रोजाना कई घंटे बिजली गायब रहती है। मदनापुर उपकेंद्र के जेई भोलानाथ ने बताया कि नई आपूर्ति व्यवस्था के हिसाब से जलालाबाद फीडर दोपहर 12 बजे से रात 12 बजे तक चलेगा। इसके बाद गढ़िया रंगीन फीडर रात 12 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेगा। इस आश्वासन के बाद किसानों ने धरना समाप्त कर दिया।

मदनापुर उप केंद्र पर धरना देने पहुंचे किसान।

विद्यालय के संचालन का समय बदलने की मांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

बीएसए को मांग पत्र सौंपते यूटा प्रतिनिधिमंडल के पदाधिकारी।

- शिक्षकों की समस्याओं को लेकर यूटा प्रतिनिधिमंडल ने बीएसए को सौंपा मांग पत्र

अमृत विचार : भीषण गर्मी और उमस भरे मौसम में बच्चों की सुरक्षा को लेकर शिक्षकों की ओर से आवाज बुलंद की गई। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को जिला अध्यक्ष विनीत कुमार गंगवार के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मुलाकात कर विभिन्न मांगों से संबंधित एक मांगपत्र सौंपा।

यूटा के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष रामकुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान में परिषदीय विद्यालय प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित हो रहे हैं, लेकिन भीषण गर्मी और तेज उमस के चलते बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की पर्याप्त आपूर्ति नहीं है, जिससे गर्मी के कारण बच्चों के बीमार होने की संभावना बढ़ गई है। संगठन ने मांग की है कि विद्यालय संचालन का समय परिवर्तित कर प्रातः 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कर दिया जाए। जिला अध्यक्ष विनीत गंगवार ने बताया कि अंतरजनपदीय पारस्परिक स्थानांतरण के तहत आए 83 शिक्षकों में से अधिकांश की एलपीसी लेखा कार्यालय को प्राप्त हो चुकी है। ऐसे में वेतन आदेश शीघ्र जारी किया जाए। जिला महामंत्री हरिशंकर ने कहा कि जिन विद्यालयों की नामांकित छात्र संख्या 40 से अधिक है, उन्हें प्रेरणा पोर्टल पर दर्ज किया गया है। ऐसे विद्यालयों में पेयरिंग न की जाए और शिक्षक नामांकन बढ़ाने का प्रयास कर सकें। प्रतिनिधिमंडल में जिला मंत्री हरिशंकर, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष रामकुमार सिंह, जिला कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज, अवनीश सिंह, चंदन वर्मा आदि मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

कांवड़ यात्रा मार्ग से अतिक्रमण हटवाएं : एसडीएम

तिलहर, अमृत विचार : कांवड़ यात्रा को लेकर एसडीएम रविंद्र कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने अधिशासी अधिकारियों से कहा कि यात्रा मार्ग के गड्ढों को तुरंत भरवाया जाए और अतिक्रमण हटवाया जाए। साथ ही मीट की दुकानों को बंद कराने और लावारिस पशुओं को गोशालाओं में भिजवाने के निर्देश भी दिए। थाना प्रभारियों को कानून व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

बीए व बीकॉम प्रवेश की मेरिट जारी, 10 से होंगे दाखिले

तिलहर, अमृत विचार : पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय में सत्र 2025-26 के लिए बीए और बीकॉम प्रथम सेमेस्टर में दाखिले की मेरिट सूची जारी कर दी गई है। प्राचार्य डॉ. सरनपाल सिंह ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया 10 जुलाई से शुरू होगी और 15 जुलाई अंतिम तिथि रहेगी। प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को मूल प्रमाण पत्रों के साथ उपस्थित होना होगा। इस अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

तक्षशिला पब्लिक स्कूल में हुआ प्रेरक संवाद

शाहजहांपुर, अमृत विचार : तक्षशिला पब्लिक स्कूल में मंगलवार को पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय ने अपने दो होनहार पूर्व छात्रों आदित्य अग्निहोत्री व अहिंसा सोनी को आमंत्रित किया। अहिंसा सोनी ने कहा कि कॉलेज और करियर की दौड़ में नंबर ही सब कुछ नहीं होते। उन्होंने कहा कि आपकी व्यक्तिगत क्षमता, प्रेजेंस ऑफ माइंड, और समस्या सुलझाने की कला कंपनियों को अधिक प्रभावित करती हैं। आदित्य अग्निहोत्री ने छात्रों से आत्मीय संवाद करते हुए अपने संघर्ष और अनुभवों की बातें साझा कीं। प्रधानाचार्य प्रखर खंडेलवाल ने कहा कि आज का यह आयोजन हमारे विद्यार्थियों के लिए दिशा निर्धारण का क्षण है। कार्यक्रम में पलक खंडेलवाल, उप प्रधानाचार्य केसी जोशी, अखिल सिंह व शिवम वर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

आईआईए शाहजहांपुर की नई टीम गठित

शाहजहांपुर, अमृत विचार : इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की शाहजहांपुर इकाई ने मंगलवार को रेती स्थित एक सभागार में भव्य अधिष्ठापन समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर नव नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल की गरिमामयी उपस्थिति में विनम्र अग्रवाल को चैप्टर चेयरमैन और रोहित गोयल को सचिव घोषित किया गया। मंच पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, बरेली इकाई से नव निर्वाचित मंडलीय सचिव मनोज पंजाबी, शाहजहांपुर के पूर्व चेयरमैन कृष्ण कुमार गर्ग, रामचंद्र सिंघल, अशोक खन्ना, अभिनव ओमर, शुभम खन्ना समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। पूर्व चेयरमैन गुरजीत सिंह मोंगा ने प्रतीकात्मक रूप से कार्यभार विनम्र अग्रवाल को सौंपा। कार्यक्रम में जय गोविंद मोदी को कोषाध्यक्ष, सुधीर अग्रवाल और विवेक अग्रवाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हेमंत रोहरा को उपाध्यक्ष नामित किया गया। नई कार्यकारिणी में फ़ैज़म, अशोक कनौजिया, अंकित गुप्ता और विकास अग्रवाल को सह-सचिव की जिम्मेदारी दी गई।

ड्रग पोर्टल की अनियमितता पर उठाई आवाज़

शाहजहांपुर, अमृत विचार : केमिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक एक होटल में हुई। बैठक में दवा व्यापार में आ रही समस्याओं विशेषकर ड्रग पोर्टल से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। महामंत्री सुधीर कुमार सिंह ने आरोप लगाया कि एक साइबर कैफे लाइसेंस रिन्युअल और नए आवेदन के नाम पर मनमानी शुल्क वसूला जा रहा है। जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की गई है। अध्यक्ष विकास गुप्ता ने बताया कि संगठन विरोधी गतिविधियों के कारण सुनील गुप्ता व नवीन गुप्ता को संगठन से निलंबित कर दिया गया है। कोषाध्यक्ष अच्युत शुक्ला ने ऑनलाइन दवा व्यापार के खिलाफ राष्ट्रीय संगठन एआईओसीडी की मुहिम का समर्थन करते हुए स्थानीय स्तर पर इसका विरोध जारी रखने की बात कही।

मीरानपुर कटरा में ताजियों को दी गई सुपुर्द-ए-खाक

मीरानपुर कटरा, अमृत विचार : नगर की खानकाह ए कलीमियां में सोमवार देर रात ज़िक्र ए शोहदा-ए-करबला कांफ्रेंस का आयोजन हुआ। इसमें सज्जादानशीन सैय्यद आदिल महमूद कलीमी चिश्ती कादरी देहलवी ने करबला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मौलाना जिलानी कादरी अजहरी, मौलाना जमीर कादरी व कारी फरमान कादरी ने करबला की शहादत पर तकरीर की। इस दौरान शहर व गांवों फीलनगर, मिल्कीपुर, खैरपुर, गढ़िया लाईखेड़ा, पिपरी कला, आलमपुर, इस्माइलपुर नवादा, झौआना से निकले ताजियों को करबला में फातेहा पढ़कर सुपुर्द ए खाक किया गया। जुलूस में मातम और मर्सिया के बीच बड़ी संख्या में लोग शरीक हुए।

नसीम खां बने महानगर कांग्रेस कमेटी के महासचिव

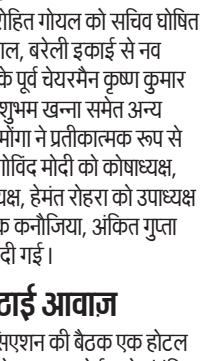

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कांग्रेस पार्टी की महानगर इकाई में संगठन विस्तार की दिशा में महानगर अध्यक्ष तकवीम हसन खान ने नसीम खां को महानगर कांग्रेस कमेटी का महासचिव मनोनीत किया है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और राष्ट्रीय नेतृत्व की संस्तुति के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। महानगर अध्यक्ष तकवीम हसन खान ने कहा कि नसीम खां जैसे समर्पित कार्यकर्ता का महासचिव पद पर आना पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाएगा।

युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत

खुदागंज/शाहजहांपुर, अमृत विचार : कटरा थाना क्षेत्र के गांव खड़सार निवासी 21 प्रमोद कुमार की खुदागंज बाजार में बाल काटने की दुकान है। वह दुकान में रहता था। सोमवार की दोपहर बाद उसकी अचानक तबीयत खराब हो गई। परिवार वाले दुकान पर पहुंचे और उसे बेहोशी की हालत में कटरा सीएचसी पर लेकर आए। डॉक्टर ने उसे मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घर के बाहर बैठे बछड़े को बाघ ने बनाया निवाला

खुटार, अमृत विचार : कोल्हुगाढ़ा गांव में घर के बाहर बंधे बछड़ा को बाघ ने हमला कर 200 मीटर दूर घसीटते हुए ले गया और उसे मार डाला। खोजबीन करने पर उसका अधखाया शव प्राथमिक विद्यालय के पीछे बरामद हुआ।

सोमवार रात सुरेंद्र मिश्र व महेंद्र मिश्र खाना खाने के बाद परिवार सहित सो गए। दरवाजे पर बछड़ा बंधा था। सुबह उठकर देखा बछड़ा नहीं था। तलाश करने पर बछड़ा का अधखाया शव प्राथमिक विद्यालय के पीछे मिला। बाघ के पदचिन्ह मिले। सूचना पर जांच करने पहुंची वन विभाग टीम ने पगमार्क ट्रेस किए और ग्रामीणों से सतर्कता बरतने की अपील की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में आबादी के बीच बाघ ने बछड़ा पर हमला किया और उसे खींच ले गया। ऐसे में हर कोई डरा-सहमा हुआ है। ग्रामीणों ने जांच टीम ने कांबिंग करने व बाघ को जंगल में खदेड़ने की मांग की आशंका है कि बाघ आसपास गन्ने में बैठा है और रात के अंधेरों में फिर से आबादी के बीच पहुंच कर किसी पर हमला कर अपना निवाला बना सकता है। वन क्षेत्राधिकारी मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि वन विभाग की टीम मौके पर गई थी। पग चिन्ह ट्रेस किए गए है। ग्रामीणों से सचेत रहने की अपील की गई है।

खेत मे मिले पगचिन्ह।

- गांव कोल्हुगाढ़ा में सोमवार रात घटी घटना
- वन विभाग टीम ने की जांच पगमार्क किए ट्रेस

भाकियू ने विद्युत उपकेंद्र पर किया प्रदर्शन

सिंधौली, अमृत विचार : बिजली की अनियमित आपूर्ति, बार-बार फॉल्ट और ग्रामीणों से अवैध वसूली के विरोध में भारतीय किसान यूनियन (राष्ट्रीयतावादी) गुट ने मंगलवार को विद्युत उपकेंद्र सिंधौली का घेराव किया।

बरेली मंडल अध्यक्ष सबील हसन खां और जिलाध्यक्ष हरीराम वर्मा के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने उपकेंद्र परिसर के मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया और नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने अवर अभियंता राजेंद्र सागर को ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि कीरतपुर, पचपेडा, पिलखना, महमूदापुर सहित कई गांवों में आए दिन बिजली फॉल्ट के कारण घंटों आपूर्ति बाधित रहती है। भाकियू ने उपकेंद्र कर्मियों पर अवैध वसूली और किसानों पर झूठे बिजली चोरी के मुकदमे दर्ज कराने का आरोप भी लगाया। कोरोंकुइयां गांव में बंच लाइन में घटिया केबल डालने का भी मामला उठाया गया। इस मौके पर मिथुन कठेरिया, बलबंत सिंह, अकील खां, मखन सिंह, गुलजार सिंह समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आधे घंटे की बारिश से शहर में जलभराव

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

नगर निगम कार्यालय में भरा पानी। ● अमृत विचार

- नगर निगम समेत कई जगहों पर जलनिकासी न होने से निकलना दूभर

अमृत विचार : लगभग आधा घंटे की बारिश से जहां एक तरफ आमजन को गर्मी से काफी राहत मिली वहीं दूसरी ओर नगर निगम द्वारा बरसात के मौसम में किए जा रहे साफ सफाई के दावों की पोल खोल दी।

मंगलवार दोपहर लगभग 12 बजे हुई तेज बारिश से महानगर के कई हिस्सों में जलनिकासी ठीक न होने से जलभराव जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। जिस कारण लोगों का पैदल निकलना भी दूभर हो गया। इसमें सिविल लाइन से कवि तिराहा मार्ग पर जलभराव होने से लोगों को दिक्कते हुई।

टाउनहाल बाबा विश्वनाथ मंदिर वाली रोड, नगर निगम कार्यालय, शहीद पार्क मार्ग, खिरनीबाग रामलीला मैदान, ओसीएफ रामलीला मैदान समेत कई निचले इलाकों में बारिश का पानी भर जाने से दिक्कतें देखने को मिली। बारिश के बाद कही कही जलनिकासी की समस्या देखने को मिली है। इसमें 15-20 मिनट से ज्यादा कही भी बरसात का पानी नहीं ठहरा है। जहां-जहां जलभराव की स्थिति है वहां व्यवस्थाएं ठीक हो इस पर कार्य कराया जाएगा। नालों का निर्माण व उनकी क्षमता बढ़ाने का कार्य नगर निगम कर रहा है।
- नगर आयुक्त, डॉ. विपिन कुमार मिश्रा

यातायात व्यवस्था सुचारू रखने को पुलिस विभाग ने भी मोर्चा संभाला। जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न न हो।

बारिश से गड़बड़ायी यातायात व्यवस्था

बारिश के बाद कचहरी तिराहा से रोडवेज बस स्टैंड तक जाने वाले रोड पर लंबा जाम लग लगा। यातायात व्यवस्था सुचारू कराने को ट्रैफिक पुलिस को आकर मशक्कत करनी पड़ी। तब जाकर लोगों के वाहन निकल सके। इसमें स्कूली बच्चों को दुश्वारियों का सामना करना पड़ा।

शिक्षकों ने किया धरना प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता शाहजहांपुर

- शिक्षक बोले- स्कूलों को मर्ज के नाम पर आरटीई कानून का उल्लंघन

अमृत विचार : उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा स्कूल मर्जर, सरप्लस अध्यापक सहित दस सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट तक नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाल कर मुख्यमंत्री संबोधित अपना मांगपत्र दिया गया।

प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा खिरनीबाग रामलीला मैदान में धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान नारेबाजी कर विरोध जताया गया। धरनास्थल पर हुई सभा में जिलाध्यक्ष मुनीश मिश्रा ने कहा कि स्कूलों को मर्ज करने के नाम पर आरटीई कानून का उल्लंघन किया जा रहा है। सरकार का यह फैसला बच्चों के हाथों से कापी और किताबें छीनने वाला है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री देवेश वाजपेयी ने कहा कि एक किलोमीटर के दायरे में बच्चों को शिक्षा देने के उद्देश्य से स्कूल खोले गए थे, लेकिन अब इन्हें बंद कर अन्याय किया जा रहा है।

सरकार के फैसले से पद खत्म हो जाएंगे। रामलीला मैदान में सभा करने के बाद शाम 4 बजे सैकड़ों शिक्षक शिक्षा मित्र अनुदेशक रसोइया का यह समूह नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट की ओर चल दिया जिससे कुछ समय के लिए यातायात व्यवस्था चरमरा गई। कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रतिनिधि मण्डल द्वारा मुख्यमंत्री को संबोधित मांगपत्र दिया गया। प्रदर्शन में सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के इंजीनियर अनिल दीक्षित, रसोइया संघ के प्रदेश अध्यक्ष ब्रह्म कुमार सिंह, माध्यमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष भुवनेश सिंह चौहान, सीनियर बेसिक शिक्षक संघ अध्यक्ष रवींद्र सिंह,आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर के जिला अध्यक्ष यदुवीर सिंह, यशपाल सिंह, राजकुमार तिवारी, प्रदीप सिंह, आलोक अवस्थी, विशिष्ट बीटीसी एसोशिएशन के अध्यक्ष राजकमल आर्य, रसोइया संघ के प्रदेश अध्यक्ष ब्रह्म कुमार सिंह, अश्विनी अवस्थी, नवेन्दु मिश्रा, शिवकिशोर मिश्रा, राजकुमार सिंह, आदेश सिंह तोमर, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, के के सिंह, श्रीकान्त मिश्र ,मनसूब अली, रोशन लाल ,अभिनय मिश्रा, अरविंद गौतम, राकेश रोशन, अरविंद त्रिपाठी, महेन्द्र सिंह, वीरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

गर्भवती महिला का शव फंदे से लटका मिला

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव दिउरा निवासी धर्मेंद्र कुमार ने अपनी बेटी 22 वर्षीय रोशनी की शादी मिर्जापुर थाना क्षेत्र के गांव भरतपुर पलहानी में बबलू के साथ की थी। मंगलवार की सुबह मायके वालों को सूचना मिली कि रोशनी ने कमरे में कुंडे से फंदा लगाकर जान दे दी है। जब मायके वाले पहुंचे तो उसका शव लटका पाया। मायके वालों का कहना है कि उसके घुटने बेड पर टिके हुए थे। धर्मेंद्र का आरोप है कि उसकी बेटी रोशनी को ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित किया करते थे। आरोप है कि उसकी पुत्री को मारकर शव को कमरे में कुंडे से लटका दिया है। वह तीन माह की गर्भवती थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बैठक में सीएमओ ने जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- कमजोर प्रदर्शन पर चिकित्सा अधिकारियों को लगाई फटकार

अमृत विचार : जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक कुमार मिश्रा एक्शन मोड में नजर आए। मंगलवार को सीएमओ सभागार में हुई समीक्षा बैठक में जननी सुरक्षा योजना, बाल एवं मातृ स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, नियमित टीकाकरण और झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई के मामलों में लापरवाही बरतने वाले ब्लॉकों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी गई।

बैठक के दौरान सीएमओ ने खुटार, मदनापुर, पुवायां समेत चार ब्लॉकों के प्रभारी चिकित्सकों को पिन वेरिफिकेशन में लापरवाही को लेकर जमकर फटकार लगाई। एक हफ्ते के भीतर कार्य सुधारने की चेतावनी देते हुए कहा गया कि तय समयसीमा में काम पूरा नहीं हुआ तो सीधी कार्रवाई की जाएगी।सीएमओ ने कहा जो अधिकारी और कर्मचारी शासन की प्राथमिकताओं को गंभीरता से नहीं लेंगे, उन्हें अब अपने पद पर रहने का अधिकार नहीं है। आभा आईडी, ई-संजीवनी, एनसीडी पोर्टल पर फीडिंग और लक्ष्य अनुरूप काम न करने वाले पांच ब्लॉकों को भी अल्टीमेटम देते हुए सुधार का एक सप्ताह का समय दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग अब झोलाछाप चिकित्सकों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी में है। सीएमओ ने सभी चिकित्सा अधिकारियों से कहा कि अपने क्षेत्र में बिना पंजीकरण के चल रहे अस्पतालों को तत्काल बंद करें। उन्होंने कहा कि 14 जुलाई तक सभी क्लीनिकों का पंजीकरण अनिवार्य है। पंजीकरण न कराने वाले झोलाछाप डॉक्टरों पर एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीएमओ ने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों से लो परफॉर्मेंस देने वाले 5 कर्मचारियों की सूची मांगी है, जिसमें सीएचसी, एएनएम, स्टाफ नर्स और आशा कार्यकर्ता शामिल हैं। सीएमओ ने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सभी टीमें लक्ष्य के सापेक्ष बच्चों की जांच करें और उन्हें भारत सरकार के पोर्टल पर फीड कर मानकों के अनुसार रेफर करें। बैठक में प्रमुख रूप से एसीएमओ डॉ. पीपी श्रीवास्तव, डिप्टी सीएमओ डॉ. आसिफ खान, मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता अमित दुबे, डीपीएम इमरान खान आदि मौजूद रहे।

युवाओं से राष्ट्र निर्माण में भागीदारी की अपील

जैतीपुर, अमृत विचार : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस सप्ताह के अंतर्गत विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग प्रमुख मचकेंद्र सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आयुष्मान चौहान एवं प्रधानाचार्य सतीश यादव ने मां शारदे व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि मचकेंद्र सिंह ने कहा कि परिषद युवाओं को ज्ञान, शील और एकता की भावना से जोड़ते हुए राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करती है। रामप्रकाश शुक्ला, नगर मंत्री हिमांशु सिंह, माधुरी, रूबी, शिखर, आकाश आदि मौजूद रहे।

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी
BTE CODE - 2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानानकार बहेड़ी, बरेली
DSR PUBLIC SCHOOL
Approved By - CBSE BOARD (NEW DELHI)
Affiliation No : 2132019 (NC to XIIth)
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

रूहेलखण्ड कमिश्नरी का प्रथम विधि विद्यालय
SHRIJI INSTITUTE OF LEGAL
Vocational Education & Research
Estd. 2003
(SILVER LAW COLLEGE)
(Approved by BCI & Affiliated to MJPRU)
ADMISSION OPEN 2025-26
DIRECT ADMISSION
LL. B. 3 Yrs. Course After Graduation
B.A. LL.B. 5 Yrs. Course After 12th
College Code : 119
General 45%, OBC 42%, SC/ST 40%
(in Intermediate & Graduation)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :
9837485855, 9411472001
7983811321, 7906220708, 9068232656
Email.: ravibhatnagar.slcbly@gmail.com
Add : Vill. Barkhapur, PO. Mudia Ahamad Nagar,12th Km. Pilibhit Road, Bareilly

सोलर फर्टिलिटी क्लिनिक
30 वर्ष कार्यकाल
9000 से अधिक सफलता
महिला या पुरूष दोनों में संतानहीनता या सेक्स दुर्बलता की जांच व इलाज के लिए मिलें।
चिकित्सक

डॉ. वंदना संजीव
(MBBS, MD, MIAP)
Female Fertility and IUI Consultant
महिलाओं में हार्मोन्स विकार, अनियमित माहवारी, PCOS मोटापा, इन्फेक्शन बार बार होने वाले गर्भपात बंद नलियों या अंडों के न बनने जैसे संतानहीनता के समस्त कारणों की जांच व इलाज
जरूरी मामलों में दर्द रहित कृत्रिम गर्भाधान (IUI)
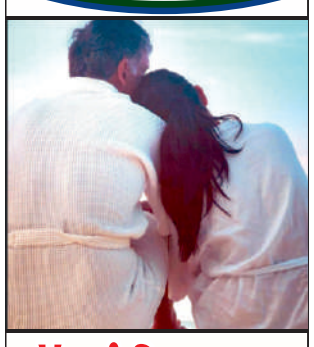
डॉ. संजीव कुमार
(MBBS, MD, MIAP)
Male Fertility and Sperm Biotech Specialist & Male/Female Sex Specialist
पुरूषों में शुक्राणु संबंधी सभी कमियों, निल शुक्राणु आदि की जांच व इलाज।
पुरूषों महिलाओं में सेक्स समस्याओं की वैज्ञानिक जांच व इलाज
निल शुक्राणु वाले लाइलाज मामलों में गर्भधारण हेतु शुक्राणु बैंक व कृतिम गर्भाधान की सुविधा
सम्पर्क
प्रातः 11 से 2 बजे
सायं 6 से 7 बजे
रविवार बन्द
सोलर फर्टिलिटी एवं सेक्स क्लीनिक
साकेत कॉलोनी, 148-सिविल लाइन्स, समीप एक्सिस बैंक व चौकी चौराहा, बरेली
मो. 9927788842
0581-2510177

दलित बस्ती में कीचड़ में खड़े होकर महिलाओं ने जताया विरोध

आसफपुर की दलित बस्ती में मुख्य मार्ग पर जलभराव

संवाददाता, आसफपुर

कीचड़ भरे रास्ते पर खड़े होकर विरोध जताती ग्रामीण महिलाएं ● अमृत विचार

अमृत विचार : ग्राम पंचायत आसफपुर की दलित बस्ती इन दिनों भारी जलभराव की चपेट में है। लगातार बारिश के चलते बस्ती के पास स्थित तालाब ओवरफ्लो हो गया है, जिससे गंदा पानी गलियों और घरों तक पहुंच गया है। इससे नाराज होकर मंगलवार को महिलाओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और पंचायत प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान महिलाएं कीचड़ में खड़ी रहीं । उन्होंने बताया कि बस्ती में हालात नारकीय बन चुके हैं। घरों में पानी घुस गया है, गलियों में कीचड़ और बदबू फैली है। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का निकलना भी दूभर हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार ब्लॉक, तहसील और जिला प्रशासन को शिकायत दी गई, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। नालियों की सफाई नहीं हुई, न ही जल

- कई बार शिकायत करने के बाद भी नहीं अफसरों ने नहीं की समस्या की सुनवाई

निकासी की कोई व्यवस्था की गई है। पंचायत द्वारा चलाए जा रहे सफाई अभियान केवल कागजों पर चल रहे हैं।

गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ा : स्थानीय लोगों ने बताया कि जलभराव से मच्छरों की भरमार है और डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है। कई बच्चे और बुजुर्ग बीमार हो चुके हैं, लेकिन कोई स्वास्थ्य शिविर तक नहीं लगाया गया।

प्रशासन को दी चेतावनी

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द समस्या का हल नहीं हुआ तो ग्राम पंचायत कार्यालय का घेराव किया जाएगा और व्यापक आंदोलन शुरू होगा। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि तत्काल बस्ती में पंप लगवाकर जल निकासी कराई जाए और नियमित सफाई कराई जाए।

वाणिज्य कर कार्यालय पर किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

डिप्टी कमिश्नर द्वितीय संजीव पाठक को ज्ञापन सौंपते संगठन के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- जीएसटी की विसंगतियों के खिलाफ कार्यालय पर व्यापारियों ने किया प्रदर्शन
- डिप्टी कमिश्नर द्वितीय को सौंपा वित्त मंत्री को संबोधित आठ सूत्रीय ज्ञापन

अमृत विचार : उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय आह्वान पर संगठन के जिलाध्यक्ष नवनीत गुप्ता शोंटू और प्रदेश मंत्री पवन जैन के नेतृत्व में व्यापारियों ने वाणिज्य कर कार्यालय पर जीएसटी में हो रही विसंगतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को संबोधित ज्ञापन डिप्टी कमिश्नर द्वितीय संजीव पाठक और खंड तृतीय रवि कुमार को सौंपा।

इस दौरान जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जीएसटी विभाग के अधिकारियों की कार्रवाईयों के कारण व्यापारी वर्ग परेशान है। उन्होंने कहा कि जीएसटीआर-1 फाइल करते समय बीटूबी और बीटूसी के लिए एचएसएन समरी अलग-अलग मांगी जा रही है, जो पूरी तरह अनावश्यक है और व्यापारी उत्पीड़न का साधन बन चुकी है।

प्रदेश मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक के पांच वर्षों की सूचनाएं व दस्तावेज केवल 15 दिन में मांगे जा रहे हैं। फिजिकल ऑडिट के लिए टीमें बनाकर व्यापारी प्रतिष्ठानों पर भेजी जा रही हैं, जबकि कई का निर्धारण पहले ही हो चुका है। बार-बार नोटिस भेजे जाने और ऑडिट किए जाने से व्यापारी वर्ग में असंतोष है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन सरेंडर करने के बाद भी जीएसटीआर-10 अपलोड कर चुके व्यापारियों को कार्यालय में बुलाने के लिए नोटिस भेजे जा रहे हैं। वहीं सचल दस्ते टैक्स जमा होने के बाद भी कमियां निकालकर जुर्माना वसूल रहे हैं। यह सब भ्रष्टाचार को जन्म दे रहा है। मानवीय भूलों के आधार पर गाड़ियां रोककर दंड वसूली बंद होनी चाहिए। जिला महामंत्री संजीव आहूजा ने कहा कि 40 लाख रुपये तक का व्यापार करने वाले व्यापारी जीएसटी रजिस्ट्रेशन से मुक्त हैं, लेकिन विभागीय अधिकारी टारगेट पूरा करने के लिए कम टर्नओवर वाले व्यापारियों को भी परेशान कर रहे हैं। प्रदेश मंत्री अवधेश वर्मा ने मांग की कि जीएसटी की दरों के स्लैब कम किए जाएं और अधिकतम दर 18 प्रतिशत से अधिक न हो।

जिला उपाध्यक्ष रूपेंद्र सिंह लांबा ने कहा कि एसआईबी जांच या सर्वे के दौरान व्यापारी को कर जमा करने के लिए बाध्य करना गलत है। वहीं दीपक सक्सेना ने विभिन्न नोटिसों के माध्यम से व्यापारियों को कार्यालय बुलाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने की मांग की। इस अवसर पर नगर उपाध्यक्ष संजय शर्मा, दीपक सक्सेना, नरेश शंखधार, अमित वैश्य, राजेश गुप्ता, संजय रस्तोगी, एमएम लोधी, अमित साहू, दिनेश थापा, सौरभ गुप्ता, गुड्डू गुप्ता, इकरार खान, राशिद सैफी, नजाकत मौलवी, वसीम अहमद, कुलदीप वैश्य, विशाल गुप्ता आदि व्यापारी मौजूद रहे।

26 को जीआईसी में होगी कंपार्टमेंट परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- पहले 19 को होनी थी परीक्षा कावड़ यात्रा के चलते तिथि में हुआ बदलाव
- कंपार्टमेंट परीक्षा में 11,160 यूपी बोर्ड के छात्रों के हैं आवेदन

अमृत विचार: हाईस्कूल की कंपार्टमेंट और इंटरमीडिएट की इंप्रूवमेंट परीक्षा अब 26 जुलाई को होगी। पहले यह परीक्षा 19 जुलाई को होनी थी। लेकिन कावड़ यात्रा की वजह से तिथि में परिवर्तन किया है।

परिणाम जारी होने के बाद हाईस्कूल के फेल परीक्षार्थियों के लिए कंपार्टमेंट और इंटरमीडिएट के लिए इंप्रूवमेंट परीक्षा का मौका दिया गया। इसके लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन मांगे गए। 10 जून आवेदन की अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। निर्धारित तिथि तक जिले में हाईस्कूल के 774 और इंटर में 386 परीक्षार्थियों ने कंपार्टमेंट और इंप्रूवमेंट परीक्षा के लिए आवेदन किया। कंपार्टमेंट और इंप्रूवमेंट परीक्षा राजकीय इंटर कॉलेज में होनी है।

पहले यह परीक्षा 19 जुलाई को प्रस्तावित थी। अब यह परीक्षा 26 जुलाई को होगी। जिला विद्यालय निरीक्षक लालजी यादव ने बताया कि 23 जुलाई को श्रावण माह में शिवरात्रि के अवसर पर कांवड़ यात्रा के दौरान भारी भीड़ और यातायात के दबाव को देखते हुए माध्यमिक परिषद की ओर से तिथि में संशोधन किया है।

कांवड़ यात्रा के दौरान परीक्षार्थिक्यों को होने वाली दिक्कतों के साथ साथ वाहनों के आवागमन में भी परेशानी को देखते हुए परीक्षा की तिथि में बदलाव किया गया है।

हाईस्कूल परीक्षा सुबह 8:30 से 11:45 बजे तक और इंटरमीडिएट की परीक्षा दोपहर 2:00 से 5:15 बजे तक जनपद मुख्यालय स्थित राजकीय इंटर कॉलेज को बनाए गए केंद्र पर कराई जाएगी। डीआईओएस ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल, स्मार्ट वॉच और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित रहेंगे। प्रश्नपत्र सीसीटीवी निगरानी में खोले जाएंगे। परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र समय से उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

बादल और सूरज की लुकाछिपी के बीच उमस से बेहाल रहे लोग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- दोपहर तक छाए रहे बादल, फिर खिली चटक धूप
- धूप खिलने के बाद सड़कों पर सन्नाटे वाली स्थिति

धूप से बचाव में छाता लगाया।

अमृत विचार: मंगलवार को बादल और सूरज के बीच लुकाछिपी का खेल चलता रहा। कभी बादल, कभी धूप से उमस अधिक बढ़ गई। दिन भर लोग उमस भरी गर्मी से बेहाल दिखे। आने वाले दिनों में उमस भरी गर्मी और बढ़ेगी।

कृषि विभाग का अनुमान है कि इस पूरे सप्ताह हल्की बारिश हो सकती है। इससे अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। कृषि विभाग द्वारा बुधवार को हल्की बारिश का अनुमान जताया है। वहीं दिन में मौसम साफ साफ रहने से अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

पिछले कई दिनों से बारिश का दौर जारी है। बीते सोमवार को सुबह के समय झमाझम बारिश हुई। इसके बाद मौसम साफ हो गया। मंगलवार को भी दिन भर मौसम मौसम साफ रहा। हालांकि सुबह के समय आसमान में बादल छाए थे, जिससे धूप तेज नहीं निकली थी। दोपहर बाद चटक धूप खिलने से लोग गर्मी से परेशान हो उठे। गर्मी की वजह से लोग पेड़ों की छांव में बैठना पड़ा। दोपहर में घरों से निकले लोग अंगौछा से सिर ढके हुए थे।

राहगीर तेज धूप में छांव देखकर कुछ घंटे के लिए आराम फरमाते नजर आए। मंगलवार को उमस अधिक होने से अधिकतम तापमान 36 डिग्री तक पहुंच गया। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार अब कुछ दिनों तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है। हालांकि इस दौरान हल्की बारिश हो सकती है। आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। इधर मौसम साफ होने के बाद खेतों की नमी कम हो गई। खेतों में भरा पानी सूखने के बाद किसानों ने फसल की बुवाई के लिए खेतों को तैयार करना शुरू कर दिया है।

VARUN ARJUN UNIVERSITY
Varun Arjun Medical College Campus
NH-30 (OLD NH-24) Banthra, Distt. Shahjahanpur, Uttar Pradesh - 242307
ADMISSIONS OPEN FOR FOLLOWING COURSES FOR SESSION 2025-2026
ADMISSION OPEN
VARUN ARJUN COLLEGE OF COMMERCE & MANAGEMENT

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
Bachelor of Business Administration (BBA)	Intermediate (Any Stream)	3 Year
Bachelor of Computer Applications (BCA)	Intermediate (Any Stream)	3 Year
Master of Hospital Administration (MHA)	Graduate in (Any Stream)	2 Year
Master in Public Health (MPH)	Graduate in (Any Stream)	2 Year

Contact for Admission : Mob. 7521050077, 9956248504 E-mail ID : admission@vau.edu.in

VARUN ARJUN MEDICAL COLLEGE & ROHILKHAND HOSPITAL

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
M.Sc. (Medical Anatomy)	Candidate must have passed three years undergraduate	3 Years
M.Sc. (Medical Biochemistry)	Program B.Sc. with 50% marks (45% for SC/ST) With	
M.Sc. (Medical Microbiology)	Biological Sciences as one of the Subject or MBBS, BDS,	
M.Sc. (Medical Physiology)	BAMS, BHMS, BPT, B.Pharma, BMLT, BMRIT, B.Sc.	
M.Sc. (Medical Pharmacology)	Nursing Must have Passed from a recognized University.	

Contact for Admission : Mob. 7521050077, 9956248504, E-mail ID: admission@vau.edu.in

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
B.Sc. Forensic Sciences	Intermediate with Science	3 Years

Contact for Admission : Mob. 7521050077, 9956248504, E-mail ID: admission@vau.edu.in

VARUN ARJUN COLLEGE OF NURSING

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
B.Sc. Nursing	Intermediate with Biology and Entrance Test	4 Years
Post Basic B.Sc. Nursing	G.N.M With Entrance Test	2 Years
G.N.M	Intermediate (With English) & Entrance Test	3 Years
A.N.M	Intermediate	2 Years

Contact for Admission : Mob. 7521001992, E-mail ID: vacn2019@gmail.com

VARUN ARJUN COLLEGE OF PHARMACY

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
Bachelor of Pharmacy	Intermediate with Science	4 Years
Diploma in Pharmacy	Intermediate with Science	2 Years

Contact for Admission : Mob. 7521001993, E-mail ID : principal.vacp@vau.edu.in

VARUN ARJUN COLLEGE OF PARAMEDICAL SCIENCES

COURSE	ELIGIBILITY	DURATION
Diploma in Medical Laboratory Technician - D.M.L.T.	Intermediate with Science	2 Years
Diploma in X-Ray Technician	Intermediate with Science	2 Years

Contact for Admission : Mob. 7521050078, E-mail ID : principal.vacps@vau.edu.in

गंदा पानी रोकने को क्रमिक अनशन जारी

बदायूं, अमृत विचार : उझानी नगर पालिका द्वारा छोड़े जा रहे गंदे पानी को रोकने के लिए ग्रामीण व कांग्रेस का 17वें दिन भी क्रमिक अनशन जारी रहा। क्रमिक अनशन पर बैठे ग्रामीणों को जूस पिलाकर अनशन खत्म कराया गया।

मंगलवार को 17 वें दिन क्रमिक अनशन पर नेपाल सिंह के साथ मुन्नालाल, राजाराम, मोतीराम, पातीराम बैठे। ओमकार सिंह, मोरपाल प्रजापति, इगलास हुसैन ने अनशनकारियों को जूस पिलाकर अनशन खत्म कराया।

पूर्व जिला अध्यक्ष ओंकार सिंह ने कहा कि आज 17वां दिन है, कांग्रेस और ग्रामीण भूख हड़ताल पर हैं। परंतु प्रशासन ने अभी तक इस समस्या के निदान के लिए वार्ता नहीं की है। इस दौरान मोरपाल प्रजापति एडवोकेट, इगलास हुसैन, तेजेन्द्र पाल कश्यप, कमल प्रताप, योगेंद्र सोलंकी, सुखराम आयुष सिंह चौहान, लकी सोलंकी, दिनेश चौहान, राकेश, राजाराम ओमपाल ,वेदपाल, छोटे लाल, रामलाल, विनोद, योगेश आदि रहे।

सहसवान में रोजगार सेवकों ने किया प्रदर्शन

ब्लॉक पर धरना प्रदर्शन करते रोजगार सेवक ● अमृत विचार

संवाददाता, सहसवान

अमृत विचार : उप्र ग्राम रोजगार सेवक पंचायत मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले रोजगार सेवकों विभिन्न मांगों को लेकर ब्लॉक पर धरना प्रदर्शन किया। साथ मांगे पूरी न होने पर कलमबंद हड़ताल की चेतावनी दी।

विरोध प्रदर्शन से पूर्व ब्लॉक मुख्यालय पर बैठक की। इसके बाद रोजगार सेवक बीडीओ से मिलने पहुंचे। लेकिन बीडीओ ने रोजगार सेवकों से मिलने से इंकार कर दिया। बीडीओ ने मिलने से मना करने पर रोजगार सेवक भड़क गए। और विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। संगठन के जिला अध्यक्ष शेर सिंह यादव ने कहा कि बीडीओ द्वारा किए गए व्यवहार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बीडीओ के व्यवहार के विरोध में कलमबंद हड़ताल की जाएगी। जरूरत पड़ी तो जिले भर से रोजगार सेवक सहसवान ब्लॉक कार्यालय पर उपस्थित होंगे। लेकिन अधिकारी के ऐसे व्यवहार को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस मौके पर अविनाश कुमार, छविराम, जितेंद्र कुमार, चौक सिंह सहित दो दर्जन से अधिक ग्राम रोजगार सेवक मौजूद रहे।

गंगा में छोड़ा गया 57 हजार क्यूसेक पानी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मैदानी इलाकों में व पहाड़ों पर बारिश कम होने का असर अब गंगा में दिखने लगा है। मंगलवार को नरौरा बैराज से 57 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जो बीते दिन की अपेक्षा काफी कम है। कछला गंगा में जलस्तर खतरे के निशान से काफी नीचे आ गया है।

मंगलवार को नरौरा बैराज से 57 हजार 677 क्यूसेक पानी गंगा में डिस्चार्ज किया गया। यी पिछले चार दिन की अपेक्षा काफी कम है। इसलिए गंगा में दिन प्रतिदिन कम छोड़ा जा रहा है। मंगलवार सुबह गंगा में छोड़ा गया पानी सहसवान और कछला होता हुआ उसहैत के भुंडी क्षेत्र में बह रही गंगा में पहुंच चुका है। कछला क्षेत्र के हुसैनपुर बांध के आस पास कुछ दिन पहले पानी भर गया था, जो अब सूख चुका है। कादरचौक क्षेत्र में मेला ककोड़ा स्थल पर इस समय पानी नहीं है जिससे पूरे क्षेत्र में धान की रोपाई की जा रही है।

बाढ़ खंड के सहायक अभियंता नेशपाल ने बताया कि अब अधिक बारिश होने की संभावना नहीं है इसलिए बुधवार और गुरुवार को कुछ और कम पानी गंगा में छोड़े जाने की उम्मीद है।

शहर में आज

- लंबित भुगतान को लेकर डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क में आशा वर्कर्स का धरना सुबह 11 बजे।
- शासन के निर्देश पर जिले भर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण सुबह 8 बजे।

एक नजर

सर्पदंश से बुजुर्ग की मौत परिजनों ने नहीं कराया पोस्टमार्टम

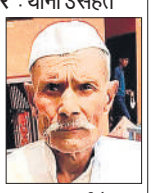

उसहैत, अमृत विचार : थाना उसहैत क्षेत्र के गांव मल्लाह नगला में सर्पदंश से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। परिजनों ने शव के पोस्टमार्टम के बिना अंतिम संस्कार कर दिया। गांव पथरामई के मजरा गांव मल्लाह नगला निवासी तेज सिंह (65) रविवार को खेत मे अपने बने मकान के बाहर चारपाई पर सोए थे। वह उठे और खूंटी पर टंगे अपने कपडे. उतारने लगे। इसी दौरान सांप ने उनके पैर में डस लिया। वहीं दो गिलहरी उनके पैर पर जा गिरीं। तेज सिंह ने सोचा कि गिलहरी ने काट लिया होगा लेकिन कुछ देर के बाद तेज सिंह की तबीयत खराब होने लगी। तो परिजनों ने पास के गांव खेड़ा जलालपुर से वैद्य को बुलाया लेकिन तेज सिंह को आराम नहीं मिला। परिजन उन्हें शहर ला रहे थे लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। परिजनों ने पोस्टमार्टम नहीं कराया।

तालाब में उतराता मिला बरेली के युवक का शव

दबतोरी, अमृत विचार : कोतवाली बिसौली क्षेत्र के गांव दबतोरी के तालाब में एक युवक का शव उतराता मिला। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची। शव को तालाब से बाहर निकाला गया। युवक की पहचान जिला बरेली के थाना विशारतगंज क्षेत्र के गांव सिसौना निवासी मुनेंद्र यादव पुत्र आनंद सिंह के रूप में हुई। पुलिस ने युवक के परिजनों को सूचना देकर बुलाया। परिजन पहुंचे और शव अपने साथ ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इलाज के दौरान मौत

बदायूं, अमृत विचार : थाना उसहैत क्षेत्र के गांव हरेंडी निवासी पूनम गर्भवती थीं। सोमवार को पूनम की तबीयत खराब हुई तो परिजन उन्हें उसहैत के चिकित्सक के पास ले गए। राहत मिलने पर उसे घर ले आए कुछ देर बाद तबियत बिगड़ी तो परिजन पूनम को राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गांव में फायरिंग, कार्रवाई के डर से किसी ने नहीं दी तहरीर

संवाददाता, बिसौली

- रविवार को लोगों ने शांत कराया मामला फिर सोमवार को भी आमने-सामने आए थे दोनों पक्ष

अमृत विचार : कोतवाली बिसौली क्षेत्र के गांव सलेमपुर में दो पक्षों के बीच हुई हवाई फायरिंग में मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है और न ही कोई आरोपी पकड़ा गया है। पुलिस की कार्रवाई के डर से कोई भी पक्ष तहरीर देने थाने नहीं पहुंचा है। मंगलवार को दिन में कई बार पुलिस ने आरोपियों के घर पर दबिश दी लेकिन कोई भी नहीं मिला। गांव में तनाव है।

गांव सलेमपुर में रविवार की रात को बंटू और विवेक आदि के बच्चों के बीच विवाद हो गया था। गांव के लोगों के समझाने के बाद मामला शांत हो गया। इसके बाद सोमवार को इसी विवाद को लेकर दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। पहले तो मारपीट हुई और लाठी डंडे चले। इसके बाद विवेक और वंटू आदि अपनी अपनी छतों पर चढ़ गए और तमंचों से जमकर फायरिंग की। गोलियों की आवाज सुनकर गांव में अफरतफरी मच गई। ग्रामीण अपने घरों में घुस गए। घटना की गंभीरता को समझते हुए सीओ सुनील कुमार सिंह और वरिष्ठ उपनिरीक्षक शिवेंद्र भदौरिया गांव गए। पुलिस के आने से पहले ही दोनों आरोपी पक्ष फरार हो गए।

कम्बाइन से अब मक्का की भी कटाई, मिनटों में हो रहा काम

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- मजदूरों की जगह मशीनों से काम करा रहे ग्रामीण
- मौसम साफ होते ही किसान खेतों से उठा रहे मक्का की फसल

खेत में मक्का की कटाई करती कम्बाइन मशीन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : तकनीकी विकास ने खेती के तौर-तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है। अब कम समय में अधिक काम संभव हो पा रहा है, जिससे किसानों को न केवल आर्थिक लाभ मिल रहा है, बल्कि उनकी मेहनत भी काफी हद तक कम हो गई है।

अब तक जहां कम्बाइन मशीन से केवल गेहूं और धान की कटाई होती थी, वहीं अब किसान मक्का की कटाई भी इसी मशीन से करा रहे हैं। आधुनिक तकनीक से लैस कम्बाइन मशीन एक घंटे में लगभग 20 बीघा मक्का की कटाई कर रही है। यह मशीन न सिर्फ मक्का के पौधे काटती है, बल्कि भुट्टे से दाने भी अलग कर देती है, जिससे किसानों के कई घंटों का काम अब चंद मिनटों में हो रहा है।

पिछले तीन दिनों से मौसम साफ है, और तेज धूप निकल रही है। इस मौके का लाभ उठाते हुए किसान तेजी से मक्का की कटाई में जुटे हैं ताकि बारिश से पहले मक्का को सुखाकर मंडी तक पहुंचाया जा सके। इस वर्ष साफ मौसम के बाद किसान मक्का की कटाई कंबाइन से करवा रहे हैं, जिससे पांच दिनों में होने वाला कार्य कुछ ही घंटों में निपट रहा है।

उदमई गांव निवासी किसान रामसेवक ने मंगलवार को अपनी पांच बीघा मक्का की कटाई कम्बाइन से कराई। इस प्रक्रिया में मात्र 40 मिनट का समय लगा। जब खेत में कम्बाइन ने मक्का काटनी शुरू की, तो वहां मौजूद ग्रामीण मशीन की क्षमता देख कर हैरान रह गए। यह मशीन न केवल पौधों को काटती है, बल्कि भुट्टे से दाने निकालकर सीधे अपने टैंक में एकत्र कर लेती है, जिससे मक्का की पारंपरिक श्रमसाध्य प्रक्रिया की आवश्यकता ही नहीं रह जाती।

पंजाब से लाई मशीन में किया गया तकनीकी बदलाव : कम्बाइन मालिक देवेंद्र ने बताया कि उन्होंने यह मशीन चार वर्ष पहले पंजाब से खरीदी थी। शुरू में इससे केवल गेहूं और धान की कटाई की जाती थी। लेकिन इस वर्ष मशीन में तकनीकी बदलाव कर मक्का की कटाई संभव बनाई गई। अब तक सैकड़ों हेक्टेयर मक्का काटी जा चुकी है। किसान मशीन की अग्रिम बुकिंग करा रहे हैं ताकि कटाई का कार्य समय से हो सके।

किसानों का समय और मेहनत बचा रही मशीन

किसान रामसेवक बताते हैं कि मशीन मालिक कटाई के लिए प्रति बीघा 1000 रुपए लेते हैं। लेकिन काम इतने कम समय में हो जाता है कि यह बहुत किफायती और लाभकारी है। इस वर्ष एक मशीन ने लगभग 500 हेक्टेयर मक्का की कटाई की है। किसान मशीन को किराए पर लेकर समय और मेहनत दोनों की बचत कर रहे हैं। पहले मक्का काटने, भुट्टे तोड़ने और फिर दाने निकालने की लंबी प्रक्रिया होती थी, लेकिन अब सबकुछ एक ही मशीन से हो रहा है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में बायोमैट्रिक उपस्थिति अनिवार्य

फर्जीवाड़े पर लगेगा विराम, हर जोड़े की आधार सत्यापन के साथ बायोमैट्रिक उपस्थिति जरूरी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बायोमैट्रिक हाजिरी के बाद ही वर वधु को मिलेगा लाभ
- फर्जीवाड़ा रोकने के लिए नियमों में किया गया बदलाव

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना (फाइल फोटो)

अमृत विचार: मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में अब किसी प्रकार की अनियमितता या फर्जीवाड़े की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। योजना की पारदर्शिता बढ़ाने के लिए शासन ने कई सख्त कदम उठाए हैं। अब कार्यक्रम स्थल पर विवाह से पहले वर-वधू की बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज कराई जाएगी, जिसके बाद ही उन्हें योजना का लाभ मिल सकेगा।

जिले में समाज कल्याण विभाग को 784 सामूहिक विवाह कराने का लक्ष्य मिला है। विभागीय अधिकारी शासन के नए निर्देशों के अनुसार कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारियों में जुट गए हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में विभिन्न जनपदों में फर्जीवाड़ा सामने आया था। कहीं फर्जी जोड़ों की शादी करा दी गई, तो कहीं उपहार में घपला कर दिया। योजना में हो रहे फर्जीवाड़े पर विराम लगाने के लिए शासन ने नीति में बदलाव किया है।

योजना में बढ़ा खर्च, मिलेगा अधिक लाभ : शासन ने योजना के तहत प्रत्येक जोड़े पर होने वाले खर्च को 51 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया है। अब कन्या के बैंक खाते में 60 हजार रुपये की राशि शगुन के तौर पर भेजी जाएगी, जबकि 25 हजार रुपये के उपहार और 15 हजार रुपये अन्य व्यवस्थाओं पर खर्च होंगे।

सख्त निगरानी व्यवस्था भी लागू : जहां 100 या उससे अधिक जोड़े एक साथ विवाह करेंगे, वहां उपजिलाधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। साथ ही, कार्यक्रम के दौरान दूसरे जिलों के अधिकारियों को पर्यवेक्षक के रूप में नामित किया जाएगा, जो किसी भी गड़बड़ी की रिपोर्ट सीधे निदेशालय या मंडल उपनिदेशक को देंगे।

फर्जी जोड़ों और उपहार घोटाले के बाद सख्ती

पूर्व में कई जिलों में सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत फर्जी जोड़ों की शादी और उपहार वितरण में गड़बड़ियां सामने आई थीं। इसे देखते हुए शासन ने अब नीति में बदलाव कर दिया है। अब वर-वधू के आधार कार्ड का सख्ती से सत्यापन किया जाएगा लापरवाही के लिए संबंधित अधिकारियों को उत्तरदायी माना जाएगा।

कन्या की आयु 18 और वर की 21 वर्ष जरूरी

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्रता के लिए कन्या की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और वर की 21 वर्ष निर्धारित की गई है। साथ ही, परिवार की कुल वार्षिक आय दो लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदन के लिए कन्या और वर के शैक्षिक और आयु प्रमाणपत्र, पहचान पत्र, आरक्षित वर्ग के लिए जाति प्रमाणपत्र, फोटो, बैंक पासबुक की छायाप्रति और मोबाइल नंबर जरूरी होंगे।

> सामूहिक विवाह योजना की नीति में कई बदलाव किए गए हैं, लेकिन अभी संशोधित गाइडलाइन प्राप्त नहीं हुई है। विवाह का सीजन शुरू होते ही गाइडलाइन आएगी और उसी के अनुसार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बायोमैट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था भी उसी के तहत की जाएगी। – **मीनाक्षी वर्मा**, समाज कल्याण अधिकारी

नवंबर में होंगे सामूहिक विवाह

समाज कल्याण विभाग को मिले 784 जोड़ों के विवाह कार्यक्रम देव उठनी एकादशी के बाद आयोजित किए जाएंगे। फिलहाल सहालग रुकी हुई है, लेकिन देव एकादशी के बाद शुभ मुहूर्त शुरू हो जाएंगे। उसी के बाद विवाह समारोह का आयोजन आरंभ किया जाएगा।

दिव्यांग युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

बिल्सी, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के गांव बधौली में मंगलवार को एक दिव्यांग युवक की संदिग्ध परिस्थितियों के चलते की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

- अपराध निरीक्षक ने बताया कि कई दिनों से चल रहा था बीमार इससे हुई मौत

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पूरे मामले की जांच में जुट गई।

गांव निवासी प्रेमशंकर (35) पुत्र रामप्रकाश सोमवार की रात घर के बाहर लकड़ी के तख्त पर सो रहा था। मंगलवार की सुबह तड़के परिवार के लोगों ने उसे मृत अवस्था में देखा तो मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पहले पंचनामा भरा और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने किसी अनहोनी की आशंका जताई है। क्राइम इंस्पेक्टर बीके मौर्य ने बताया दिव्यांग प्रेमशंकर कई दिनों से बीमार चल रहा था। बीमारी के चलते उसकी मौत हो हुई है। फिर भी परिवार की सूचना पर मृतक के शव पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। ताकि पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट हो सके।

बकायेदारों से चार लाख वसूले, 24 कनेक्शन काटे

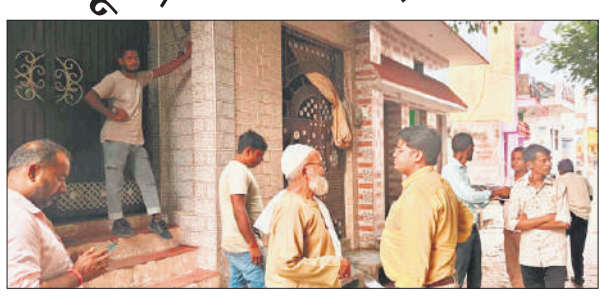

विद्युत चेकिंग अभियान चलाते बिजली विभाग के अधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, सहसवान

अमृत विचार : नगर में विद्युत उपखंड अधिकारी विपिन गुप्ता के नेतृत्व में विजिलेंस टीम ने भारी पुलिस फोर्स महिला कांस्टेबल सहित मंगलवार सुबह तड़के 5 बजे विद्युत चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान में लोड चेकिंग, जांच उपरांत घटाया और बढ़ाया गया, तथा बकायेदार उपभोक्ताओं से बकाए की रकम भी वसूली गई।

उपखंड अधिकारी विपिन गुप्ता ने बताया उच्च अधिकारियों के आदेश अनुसार 33-11 के वी विद्युत उपकेंद्र सहसवान में राजस्व बसूली विद्युत चोरी रोकने हेतु संघन चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें अवर अभियंता हरिशंकर सहसवान एवं ग्रामीण के द्वारा टीम गठित कर नगर के अलग-अलग मोहल्ला काजी मोहल्ला, चौधरी मोहल्ला, मिर्धा टोला, रुस्तम टोला, चाहशीरी, में विद्युत चेकिंग कर 10 हजार से अधिक के बकायेदारों के दो दर्जन से अधिक कनेक्शन काट दिए गए, जिन उपभोक्ताओं की पूर्व में लाइन काटी गई थी। बिना बकाया जमा किए विद्युत लाइन चलती पाई गई उन उपभोक्ताओं के खिलाफ 138 बी के तहत कार्यवाही की जा रही है। तथा उपभोक्ताओं का लोड बढ़ाया घटाया गया है ।

अभियान में चार लाख से अधिक की राजस्व वसूली की गई है । उपखंड अधिकारी विपिन गुप्ता ने बताया यह संघन चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा। सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अनुरोध किया कि वह अपना लोड बढावा लें और मीटर से ही विद्युत का उपयोग करें, एवं समय से ही अपना विद्युत बिल जमा करायें । चेकिंग अभियान टीम में मुबारक अली, अजीम हुसैन उर्फ पप्पन, पप्पू, सुनील टीजी टू, जया रहमान आदि मौजूद रहे। उपखंड अधिकारी विपिन गुप्ता द्वारा नगर में विद्युत चोरों के विरुद्ध चलाए गए अभियान से कटिया डालकर चला रहे चोरों में हड़कंप मच गया।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर दिल्ली निवासी किशोर की मौत

संवाददाता, विजय नगला

- विद्यालय की छत पर चली गई थी गेंद, जिसे उठाने के लिए चाहरदीवारी पर चढ़ा था किशोर

अमृत विचार : हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर दिल्ली निवासी एक किशोर की मौत हो गई। वह मुहर्रम के अवसर पर अपनी बुआ के घर आया था। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना शव दफन कर दिया।

थाना बिनावर क्षेत्र के गांव वरीसमसपुर निवासी मुन्नायार अली के दिल्ली निवासी साले का बेटा जीशान अली (17) मुहर्रम के अवसर पर उनके घर आया था। ग्रामीणों के अनुसार मंगलवार को वह प्राथमिक विद्यालय परिसर में मैच खेल रहा था। इसी दौरान गेंद विद्यालय की छत पर चली गई। जीशान अली गेंद लेने के लिए विद्यालय की चाहरदीवारी पर चढ़ा था। इसी दौरान ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपट में आ गया।

मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मौके पर चीख पुकार मच गई। ग्रामीण मौके पर दौड़े। ग्रामीणों ने बिनावर के विद्युत उपकेंद्र के लाइनमैन को सप्लाई बंद करने की सूचना देना चाहा लेकिन किसी का फोन रिसीव नहीं हुआ। ग्रामीणों ने लाठी-डंडों से जीशान अली को तार से दूर किया। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय के पास से गुजर रही लाइन बहुत ढीली हो गई है। शिकायत करने के बाद भी विभाग ने नहीं सुनी तो ग्रामीणों ने खुद चंदा करके संविदा लाइनमैन से एंगिल लगवाकर लाइन ठीक कराई थी लेकिन लाइन फिर से ढीली हो गई। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया और दफन कर दिया। एडीओ बिनावर अमर सिंह ने बताया कि विद्यालय की चाहरदीवारी के ऊपर से गुजर रही लाइन की चपेट में आकर किशोर की मौत की सूचना मिली है। हाईटेंशन लाइन का करंट लगभग एक फिट दूरी से खींच लेता है। किशोर को इतना ऊपर नहीं जाना चाहिए था। परिजनों ने पोस्टमार्टम भी नहीं कराया है।

घर के बाहर खेल रहे बच्चे की सर्पदंश से मौत

विजय नगला, अमृत विचार : घर के बाहर खेल रहे आठ साल के बच्चे को सांप ने डस लिया। परिजन इलाज कराने अस्पताल पहुंचे। मौत के बाद परिजनों में चीत्कार मच गया। थाना बिनावर क्षेत्र के गांव कान्हा नगला निवासी आले हसन का 8 साल का बेटा नसीम मंगलवार सुबह करीब आठ बजे बच्चों के साथ घर के बाहर कब्रिस्तान में पाकड़ के पेड़ नीचे खेल रहा था। जहां उसे किसी सांप ने डस लिया। परिजन बच्चे को जिला अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित किया। ग्राम प्रधन पति रज्जाक ने बताया कि कब्रिस्तान में खेल रहे बच्चे को सांप ने डस लिया था।

जुलूस के दौरान हुआ था पथराव पुलिस ने चार आरोपी किए गिरफ्तार

संवाददाता, बिसौली

- पुलिस ने दोनों पक्ष के 9 नामजद और 30 अज्ञात के खिलाफ दर्ज की थी रिपोर्ट

अमृत विचार : सोमवार रात नगर बिसौली में मुस्लिम समाज के दो गुटों में हुई मारपीट और पथराव की घटना में नौ नामजद सहित 30 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। घटना के दौरान बीच बचाव कर रहे सिपाही देवेंद्र सिंह और दोनों पक्ष के दो लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद मुस्लिम बस्ती में अफरा तफरी मची रही। पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है।

रविवार को नगर बिसौली में मुहर्रम का जुलूस निकला था। जुलूस नगर के राज वाले कुंआ पर पहुंचा तो किसी शरारती तत्व ने पानी के छींटे डाल दिए। इस बात को लेकर मुस्लिम समाज के दो पक्ष आमने सामने आ गए लेकिन लोगों ने समझा बुझाकर मामला शांत करा दिया। इसी बात को लेकर सोमवार की रात नौ बजे दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे चले और पथराव हुआ। सूचना मिलते ही बुद्ध बाजार चौकी इंचार्ज अमित चौहान, सिपाही मोहम्मद याकूब व देवेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामला शांत कराने का प्रयास किया लेकिन दोनों पक्ष ने पथराव नहीं रोका। एक पत्थर सिपाही देवेंद्र कुमार के सिर पर जा लगा। वह जमीन पर गिर गए और घायल हो गए। पुलिस एक्शन में आ गई। घटनास्थल पर पुलिस के वाहनों के सायरन की आवाज गूंजने लगी। लोग

दुकान बंद करके भाग गए। चौकी इंचार्ज अमित चौहान की तहरीर पर एक पक्ष के दानिश, समीर, साजिद, रेहान, 15 अज्ञात और दूसरे पक्ष के अरमान, असलम, नसीम, डब्ल्यू, फैजी व 15 अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की। मंगलवार को पुलिस ने राजो कुंआ निवासी रेहान पुत्र जाकिर हुसैन, नसीम पुत्र अब्दुल मसीद, फैजी, मोमीन को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।

गुरु दक्षिणा से पूर्व आरएसएस ने कराया सहभोज

बिल्सी, अमृत विचार : कछला रोड स्थित माहेश्वरी भवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से गुरु दक्षिणा से पहले यहां सामाजिक समरसता के लिए सहभोज कार्यक्रम का आयोजित किया गया। जिसमें विभाग प्रचारक सुधांशु ने कहा कि सामाजिक समरसता लिखने-पढ़ने व भाषण का विषय नहीं हो सकती।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

सूचना

मैं, निधि अग्रवाल, पत्नी श्री निशांत अग्रवाल, निवासी फ्लैट नंबर 403, गुजराल प्रीमियम अपार्टमेंट्स, रामपुर गार्डन, बरेली (उत्तर प्रदेश)243001, यह सूचित करती हूँ कि मेरी शादी 29 नवम्बर 2002 को श्री निशांत अग्रवाल के साथ हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुई थी। विवाह के उपरांत, मैंने अपना नाम निधि अग्रवाल से परिवर्तित कर नमिता अग्रवाल धारण कर लिया था। मैं सभी सरकारी व गैर-सरकारी कार्यों में नमिता अग्रवाल नाम से जानी जाऊंगी।

सूचना

मैंने अपने पुत्र दिनेश एवं उसकी पत्नी रोशनी को उसके दुर्व्यवहार एवं गलत चाल चलन के चलते अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई भी सरोकार नहीं होगा, वह अपने कृत्य का स्वयं जिम्मेदार होगा। राधे श्याम पुत्र लल्लू निवासी ग्राम दुधिया खुर्द तहसील पूरनपुर जिला- पीलीभीत (उ.प्र.)

सूचना

मैंने अपने पुत्र नाजिम खां व उसकी पत्नी सीमा खान के दुर्व्यवहार के कारण सम्बंध विच्छेद कर समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, वे अपने कृत्यों के स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार का वास्ता ना होगा । **खुसरो खान पुत्र शब्बीर खां निवासी- सैदपुर खजुरिया थाना बिथरी चैनपुर, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

दस्तक अभियान से गांव-गांव पहुंचेगा स्वास्थ्य विभाग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए शुरू हुआ संचारी रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान
- आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर करेंगी निगरानी, मलेरिया विभाग से मांगी रिपोर्ट

अमृत विचार : मानसून के मौसम में संक्रमण से बचाव के लिए संचालित संचारी रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान एक व्यापक रणनीति के तहत चलाया जा रहा है। मानसून में तेजी से फैलने वाले संक्रामक रोगों पर नियंत्रण के लिए शासन स्तर से जिला प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। शासन की मंशा है कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान को हर स्तर पर प्रभावी बनाया जाए। इसी क्रम में जनपद में 1 जुलाई से संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत हो चुकी है, जबकि 11 जुलाई से दस्तक अभियान शुरू किया जाएगा।

अभियान के पहले चरण में जिले भर में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया, स्कूलों में जागरूकता रैलियां आयोजित की गईं और लोगों को संचारी रोगों की रोकथाम के प्रति सजग किया गया। अब दस्तक अभियान के तहत प्रशिक्षित आशा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर हर परिवार से संपर्क करेंगी।

हर परिवार तक पहुंचेगी स्वास्थ्य जांच : आशा कार्यकर्ता प्रत्येक घर जाकर बुखार, मलेरिया, डेंगू, टाइफाइड और क्षय रोग (टीबी) के लक्षणों की जानकारी लेंगी। यदि किसी परिवार में इन बीमारियों के लक्षण पाए जाते हैं, तो मरीज को तुरंत जिला अस्पताल या सीएचसी पर भेजा जाएगा। आशाओं को प्रशिक्षण के साथ जांच किट भी उपलब्ध कराई गई है ताकि गांवों में ही ब्लड सैंपल लेकर प्राथमिक जांच की जा सके।

10 से अधिक बुखार मरीजों पर विशेष कार्रवाई : यदि किसी गांव में 10 से अधिक लोग बुखार से पीड़ित पाए जाते हैं, तो स्वास्थ्य विभाग वहां विशेष शिविर लगाएगा। मरीजों के इलाज के साथ-साथ उनके संपर्क में आए लोगों का ब्लड सैंपल लेकर जांच की जाएगी। साथ ही उस क्षेत्र में विशेष साफ-सफाई की व्यवस्था कराई जाएगी।

प्रशासन की सख्ती, रिपोर्ट मांगी : जिला प्रशासन ने मलेरिया विभाग से अब तक किए गए कार्यों की रिपोर्ट तलब की है। शासन की मंशा के अनुरूप कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य और मलेरिया विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वह अभियान को गंभीरता से लें और समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट प्रशासन को सौंपें।

टीबी और फाइलेरिया पर विशेष फोकस

आशा कार्यकर्ताओं को क्षय रोग (टीबी) के संभावित मरीजों की पहचान कर उन्हें दवा दिलाने और इसकी रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को देने के निर्देश हैं। वहीं दस्तक अभियान के दौरान फाइलेरिया के मरीजों की भी पहचान की जाएगी। यदि किसी क्षेत्र में फाइलेरिया का मामला सामने आता है, तो उसके आसपास के सभी घरों के लोगों की जांच की जाएगी।

फाइलेरिया के लिए पिछड़े क्षेत्रों पर विशेष नजर

स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि फाइलेरिया अधिकतर गंदगी वाले क्षेत्रों में फैलता है। ऐसे में पिछड़े और गंदगी से प्रभावित इलाकों में विशेष रूप से जांच कर फाइलेरिया के मरीजों को चिन्हित किया जाएगा।

नोडल अधिकारी ने की तैयारियों की समीक्षा

बदायूं, अमृत विचार : बुधवार को आयोजित होने वाले वृक्षारोपण महा अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए आयुक्त, जीएसटी नितिन बंसल को जिले का नोडल अधिकारी नामित किया गया है। मंगलवार को नोडल अधिकारी ने जिलाधिकारी अवनीश राय एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर अभियान की तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया।

बैठक में नोडल अधिकारी ने डीएफओ से वृक्षारोपण स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी की। डीएफओ ने बताया कि वृक्षारोपण के चारों ओर सुरक्षा खाई बनाई जाएगी। सिंचाई की व्यवस्था की जाएगी। वृक्षारोपण संबंधी किसी भी समस्या के समाधान हेतु सभी विभाग सीधे वन विभाग से समन्वय करें।

खेत पर मक्का की फसल के ढेर में लगी आग

संवाददाता, कुंवरगांव

- सूचना मिलने पर पहुंचे हल्का लेखपाल ने किया क्षति का आंकलन
- किसान ने बताया कि हजारों रुपयों की फसल जलकर हुई है राख

अमृत विचार : थाना कुंवरगांव क्षेत्र के गांव दुगरइया में एक किसान के मक्का के खेत में अचानक आग लग गई। जिससे खेत में एकत्र मक्का की हजारों रुपयों की फसल जलकर राख हो गया।

गांव दुगरइया निवासी किसान मोहम्मद नवी पुत्र अमजद अली के दस बीघा खेत में मक्का की फसल कटी पड़ी थी। उन्होंने खेत से मक्का की फसल काटकर ढेर लगा दिया था। मंगलवार दोपहर लगभग तीन बजे अचानक खेत में आग लग गई। आग की लपटें देख ग्रामीण खेत की तरफ दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया। किसान ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। जब तक पुलिस पहुंची तब तक फसल जलकर राख हो चुकी थी।

किसान ने आग से क्षति का आंकलन करने के लिए लेखपाल को सूचना दी। लेखपाल ने मौके पर पहुंच आग से हुए नुकसान का आंकलन किया। हल्का लेखपाल बृजेश कुमार ने बताया कि किसान की मक्का की फसल में आग लग गई थी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे थे। क्षति का आंकलन किया जा रहा है।

भावमिच्छति सर्वस्य नाभावे कुरुते मनः।
सत्यवादी मृदुर्दान्तो यः स उत्तमपूरुषः ॥

जो पुरुष सबका भला चाहता है, किसी को कष्ट में नहीं देखना चाहता, जो सदा सच बोलता है, जो मन का कोमल है और जितेंद्रिय भी, उसे उत्तम पुरुष कहा जाता है।

संपादकीय

डिजिटल इंडिया पहल

किसी सरकारी अभियान की प्रभावशीलता का प्रमाण सार्वजनिक जीवन को बदलने की उसकी क्षमता में निहित है। कहना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी का उपयोग करके हर भारतीय का जीवन आसान बनाना है, ने देश भर में मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया है। मोबाइल कनेक्टिविटी का विस्तार लगभग हर गांव तक हो गया है। अभियान ने एक दशक पूरा कर लिया है। डिजिटल इंडिया न केवल प्रौद्योगिकी को लोगों के करीब लाया है, बल्कि इसने लोगों को अवसर भी प्रदान किए हैं। यह डिजिटल परिदृश्य पर विशाल कदम उठाने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है। साथ ही यह समय अभियान की बाधाओं का जायजा लेने का भी है। डिजिटल इंडिया ने एक दशक में शासन को ज्यादा पारदर्शी बनाया है, और विकास व नवाचार के लिए नए रास्ते खोले हैं। डिजिटल माध्यम से भुगतान करने के आंकड़े का रिकॉर्ड, इंटरनेट के तेज़ी से विस्तार और एआई व सेमीकंडक्टर में अग्रणी पहलों के साथ, भारत ने एक ऐसा डिजिटल इकोसिस्टम बनाया है जो समावेशी, स्केलेबल और भविष्योन्मुखी है। अप्रैल 2025 में 24.77 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 1,867.7 करोड़ से अधिक यूपीआई लेन-देन किए गए। यूपीआई अब सात से अधिक देशों में उपयोग किया जा रहा है, जिससे वैश्विक स्तर पर डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिल रहा है।

इंटरनेट की पहुंच भी बढ़ी है, जो 2014 में 250 मिलियन से बढ़कर दो साल पहले 970 मिलियन से अधिक हो गई। स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरण - टेलीमेडिसिन-डिजिटल माध्यमों से सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता, डिजिटल साक्षरता और ई-गवर्नेंस का विस्तार, अन्य परिवर्तनों के अलावा, भारत के डिजिटल वितरण तंत्र के मूल में बने हुए हैं। डिजिटल सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता के मामले में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक ग्रामीण-शहरी विभाजन है। बढ़ती डिजिटल छाप ने साइबर अपराध और अन्य धोखाधड़ी गतिविधियों जैसी चुनौतियों को भी जन्म दिया है। एक अनुमान के अनुसार, भारत वैश्विक साइबर हमलों में दूसरा सबसे अधिक लक्षित देश था, जहां पिछले साल 95 भारतीय संस्थाओं को डेटा चोरी के हमलों का सामना करना पड़ा। ऐसे खतरों के बारे में लोगों की कम जागरूकता चुनौती को और बढ़ा देती है। चिंता का दूसरा क्षेत्र डेटा गोपनीयता है। फिर भी देश विकसित भारत के विजन के तहत आगे बढ़ रहा है। अगला दशक न केवल तीव्र विकास वाला होगा, बल्कि बड़े परिवर्तन वाला भी साबित होने वाला है और प्रौद्योगिकी एक मज़बूत, स्मार्ट और अधिक आत्मनिर्भर भारत की आधार बनेगी।

शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन बड़ी चुनौती

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

शहरीकरण आधुनिकता की हकीकत है और पलायन इसका मूल, लेकिन नियोजित शहरीकरण ही विकास का पैमाना है। गांवों का कस्बा बनना, कस्बों का शहर और शहर का महानगर बनने की प्रक्रिया तेज हुई है। विडंबना है कि हर स्तर पर शहरीकरण की एक ही गति-मति रही, पहले आबादी बढ़ी, फिर खेत में अनाधिकृत कालोनी काट कर या किसी सार्वजनिक पार्क या पहाड़ पर कब्जा कर अधकच्चे, उजड़े से मकान खड़े हुए।

पिछले एक दशक में 25 हजार करोड़ बस इस बात के लिए खर्च किए गए कि देश के प्रगति के प्रतिमान कहलाने वाले शहर बरसात में दरिया न बन जाएं। लेकिन हालत बदले नहीं। मौसम की बरसात के शुरुआत में ही दरिया बन गए और जो समाज कुछ दिनों पहले तक नालों में पानी की एक एक बंद के त्राहि त्राहि कर रहा था, अपने गली-मुहल्लों में गर्दन तक पानी में डूब गया। कोई भी नाम लें, दिल्ली या खुर्जा, पलवल या चंडीगढ़, नागपूर या भोपाल, कानपुर या पटना, बंगलूरू या हैदराबाद या चेन्नई, जो चौड़ी सड़कें या फ्लाई ओवर यातायात को फर्राटे से निकालने के लिए बने हैं वहां मीलों तक वाहनों का जाम हो जाता है। यह रोग अब महानगरों में ही नहीं जिला स्तर के नगरों में भी आम है। चूंकि बरसात के दिन कम हो रहे हैं, सो लोग इसे अस्थाई दिक्कत मान कर बिसरा देते। लेकिन जान लें कि अब हमारा देश भी शहरीकरण की ओर अग्रसर है उसके चलते जल्द ही जलभराव गंभीर समस्या का रूप ले लेगा।

पिछले साल बजट सत्र के आखिरी दिनों में यह बात संसद में स्वीकार की गई थी कि केंद्र सरकार बारिश के पानी की निकासी के लिए शहरों पर बीते 10 वर्षों में 25 हजार करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है। इसके बावजूद हर बारिश के दौरान शहरों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं और पानी उतरने में घंटों लगते हैं। दुखद है कि देश वे 100 शहर जिन्हें स्मार्ट सिटी घोषित कर दिया गया, पहले से अधिक डूब रहे हैं। सरकार कहती है जुलाई 2024 तक, 100 शहरों ने स्मार्ट सिटी मिशन के हिस्से के रूप में 1,44,237 करोड़ रुपये की राशि की 7,188 परियोजनाएं (कुल प्रोजेक्ट का 90 प्रतिशत) पूरी कर ली हैं। 19,926 करोड़ रुपये की राशि की शेष 830 परियोजनाएं भी पूरा होने के अंतिम चरण में हैं। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत देश के 35 शहरों में बाढ़ की समस्या के निपटने के लिए 1,005 करोड़ रुपए के 87 प्रोजेक्ट बनाए गए। इतना ही नहीं, 100 स्मार्ट सिटी में से 97 शहरों में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज में सुधार के लिए

603 प्रोजेक्ट बनाकर 21,182 करोड़ रुपए खर्च हुए। इनमें सूरत में 200 करोड़ रुपए, लखनऊ में 197 करोड़ रुपए, चेन्नई में 117 करोड़ रुपए, फरीदाबाद में 38 करोड़ रुपए, कोच्चि में 30 करोड़ रुपए, जबलपुर में 58 करोड़ रुपए, चंडीगढ़ में 14 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट भी शामिल हैं। खाने की जरूरत नहीं कि ये सभी शहर बरसात में जलभराव के कारण ठप्प हुए।

शहरीकरण आधुनिकता की हकीकत है और पलायन इसका मूल, लेकिन नियोजित शहरीकरण ही विकास का पैमाना है। गांवों का कस्बा बनना, कस्बों का शहर और शहर का महानगर बनने की प्रक्रिया तेज हुई है। विडंबना है कि हर स्तर पर शहरीकरण की एक ही गति-मति रही, पहले आबादी बढ़ी, फिर खेत में अनाधिकृत कालोनी काट कर या किसी सार्वजनिक पार्क या पहाड़ पर कब्जा कर अधकच्चे, उजड़े से मकान खड़े हुए। कई दशकों तक ना तो नालियां बनीं या सड़क और धीरे-धीरे इलाका 'अरबन-स्लम' में बदल गया। गौर करने लायक बात यह भी है कि साल में ज्यादा से ज्यादा 25 दिन बरसात के कारण बेहाल हो जाने वाले ये शहरी क्षेत्र पूरे साल में आठ से दस महीने पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसते हैं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना का एक शोध बताता कि नदियों के किनारे बसे लगभग सभी शहर अब थोड़ी सी बरसात में ही दम तोड़ देते हैं। दिक्कत अकेले बाढ़ की ही नहीं है, इन शहरों की दुरमट मिट्टी में पानी सोखने की क्षमता अच्छी नहीं होती है। शहरों में अब गलियों में भी सीमेंट पोत कर आरसीसी सड़कें बनाने का चलन बढ़ गया है और औसतन बीस फीसदी जगह ही कच्ची बची है, सो पानी सोखने की प्रक्रिया नदी-तट के करीब की जमीन में तेजी से होती है।

शहरों में बाढ़ का सबसे बड़ा कारण तो यहां के प्राकृतिक नदी-नालों, तालाब-जोहड़ों और उन तक पानी लाने वाले मार्ग पर अवैध कब्जे, भूमिगत सीवरों की ठीक से सफाई ना होना है। लेकिन इससे बड़ा कारण है हर शहर में हर दिन बढ़ते कूड़े का भंडार व उसके निबटान की माकूल व्यवस्था ना होना। जाहिर है कि बरसात होने पर यही कूड़ा पानी को नाली तक जाने या फिर सीवर के मुंह को बंद करता है। महानगरों में भूमिगत सीवर जल भराव का सबसे बड़ा कारण हैं। जब हम भूमिगत सीवर के लायक संस्कार नहीं सीख पा रहे हैं तो फिर खुले नालों से अपना काम क्यों नहीं चला पा रहे हैं?

एक बात और बंगलूरू या हैदराबाद या दिल्ली में जिन इलाकों में पानी भरता है यदि वहां की कुछ दशक पुरानी जमीनी संरचना का रिकार्ड उठा कर देखें तो पाएंगे कि वहां पर कभी कोई तालाब, जोहड़ या प्राकृतिक नाला था। अब पानी के प्राकृतिक बहाव के स्थान पर सड़क या कालोनी रोपी गई है तो पानी भी तो धरती पर अपने हक की जमीन चाहता है? ना मिलने पर वह अपने पुराने स्थानों की ओर रूख करता है। मुंबई में मीठी नदी के उथले होने और सीवर की 50 साल पुरानी सीवर व्यवस्था के जर्जर होने के कारण बाढ़ के हालात बनना सरकारें स्वीकार करती रही है। बंगलूरु में पारंपरिक तालाबों के मूल स्वरूप में अवांछित छेड़छाड़ को बाढ़ का कारक माना जाता है। शहरों में बाढ़ रोकने के लिए सबसे पहला काम तो वहां के पारंपरिक जल स्रोतों में पानी की आवक और निकासी के पुराने रास्तों में बन गए स्थाई निर्माणों को हटाने का करना होगा। यदि किसी पहाड़ी से पानी नीचे बह कर आ रहा है तो उसका संकलन किसी तालाब में ही होगा। विडंबना है कि ऐसे जोहड़-तालाब कंक्रीट की नदियों में खो गए हैं। परिणामतः थोड़ी ही बारिश में पानी कहीं बहने को बहकने लगता है।

शहरीकरण व वहां बाढ़ की दिक्कतों पर विचार करते समय जलवायु परिवर्तन की त्रासदी पर भी गौर करना होगा। इस बात के लिए हमें तैयार रहना होगा कि वातावरण में बढ़ रहे कार्बन और ग्रीन हाउस गैस प्रभावों के कारण ऋतुओं का चक्र गड़बड़ा रहा है और इसकी की दुखद परिणति है-मौसमों का चरम। गरमी में भयंकर गर्मी तो ठंड के दिनों में कभी बेतहाशा जाड़ा तो कभी गरमी का अहसास। बरसात में कभी सुखाड़ तो कभी अचनाक आठ से दस सेमी पानी बरस जाना।

महानगरों में बाढ़ का मतलब है परिवहन और लोगों का आवागमन ठप होना। इस जाम के ईंधन की बर्बादी, प्रदूशण स्तर में वृद्धि और मानवीय स्वभाव में उग्रता जैसे कई दीर्घगामी दुष्परिणाम होते हैं। इसका स्थाई निदान तलाशने के विपरीत जब कहीं शहरों में बाढ़ आती है तो सरकार का पहला और अंतिम कदम राहत कार्य लगाना होता है, जोकि तात्कालिक सहानुभूतिदायक तो होता है, लेकिन बाढ़ के कारणों पर स्थाई रूप से रोक लगाने में अक्षम होता है। जल भराव और बाढ़ मानवजन्य समस्याएं हैं और इसका निदान दूरगामी योजनाओं से संभव है, यह बात शहरी नियोजनकर्ताओं को भलींभांति जान लेना चाहिए और इसी सिद्धांत पर भविष्य की योजनाएं बनाना चाहिए।

शहर को डूबने से बचाना है तो कूड़ा कम करने, पॉलीथिन पर पाबंदी, सीवरों की ईमानदारी से नियमित सफाई जरूरी है। शहरों में अधिक से अधिक खाली जगह यानि कच्ची जमीन हो, ढेर सारे पेड़ हों। जलभराव वाली जगहों भूजल रिचार्ज के प्रयास हों। प्राकृतिक जलाशयों, नदियों को उनके मूल स्वरूप में रखने तथा उसके जलग्रहण क्षेत्र को किसी भी किस्म में निर्माण ना हों।

प्रसंगवश

सड़क हादसों पर गंभीर चर्चा जरूरी

हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस बात को स्वीकार किया है कि देश में हर साल पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें 1.5 लाख से अधिक लोगों की जान चली जाती है। एसोसिएशन ऑफ कंसल्टिंग सिविल इंजीनियर्स के कार्यक्रम में उन्होंने ब्लाइंड स्पॉट में सुधार पर जोर देते हुए कहा कि डीपीआर तैयार करने में गुणात्मक बदलाव लाने की जरूरत है। इसके अलावा खराब इंजीनियरिंग पर ध्यान देने की जरूरत है, जिस पर अमूमन ध्यान नहीं दिया जाता या बहुत कम दिया जाता है। गडकरी की यह बात इस ओर इशारा है कि हमें सड़क हादसों पर दुर्घटना के बाद भी बात करने की जरूरत है, जो कि होती नहीं है। हमें इस पर विस्तार से चर्चा करनी होगी।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

असल में जब भी कोई सड़क हादसा होता है, तो हम कितने मरे और कितने घायल की जानकारी देकर अपनी जिम्मेदारी पूरी समझ लेते हैं। तेज गति और गलत तरीके से वाहन चलाने को सड़क हादसे का जिम्मेदार बताकर बाकी सभी कामों की इतिश्री कर ली जाती है। कभी भी सड़क हादसे के त्वरित कारणों के अलावा विस्तार से चर्चा नहीं होती?

सड़क हादसों पर जहां एक ओर मीडिया की रिपोर्टिंग सीमित है, वहीं पुलिस की कार्यप्रणाली भी हादसे के बाद वाहन का चालान काटने और दुर्घटना होने पर उसे सीज करने तक ही काम करती है। हादसे की विस्तृत रिपोर्टिंग और जांच तक किसी का ध्यान नहीं जाता। हमारे देश में बिचौलियों को पैसे देकर ड्राइविंग लाइसेंस बन जाता है, जबकि विदेशों में लाइसेंस के लिए बहुत कठोर टेस्ट देना पड़ता है। जापान में कार खरीदने से पहले पार्किंग की जगह होने का सर्टिफिकेट देना जरूरी है, लेकिन भारत में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि हर साल बड़ी संख्या में होने वाले सड़क हादसों के प्रमुख कारण खराब सड़कें और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरुकता की कमी है। इसके अलावा, सही समय पर घायलों को अस्पताल नहीं पहुंचा पाना भी मौत के आंकड़े में बढ़ोतरी का बड़ा कारण है। विशेषज्ञ कहते हैं कि सरकारी प्रयासों के धरातल पर परिणाम नजर नहीं आ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरुकता के प्रयासों में तेजी लाने की दरकार है। हालांकि विशेषज्ञों की सलाह पर बहुत गंभीरता से काम किया गया हो, ऐसा कभी देखने में नहीं आया है। अगर उनकी सलाह पर काम होता, तो सड़क हादसों में निश्चित तौर पर कमी आती। लोगों की लापरवाही पर तो फिर भी चर्चा हो जाती है, लेकिन सड़कों की खराब डीपीआर और खराब इंजीनियरिंग पर तो कभी चर्चा ही नहीं होती। इस पर गंभीरता से बातचीत करना समय की दरकार है।

सड़क हादसों की सबसे बड़ी वजह यह भी है कि ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन न होना और आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस मिलना। वहीं नशे की आदत इतनी बढ़ चुकी है कि कई बार गाड़ियों की भीड़ के कारण नहीं, बल्कि चालक की होश में ना होने की स्थिति के कारण हादसा हो जाता है। कुछ गाड़ी चलाने वालों में अधीरता इतनी होती है कि वे दूसरों से पहले निकलने की जल्दी में टक्कर मारते हुए निकल जाते हैं। कहीं-कहीं पर रफ्तार को नियंत्रित करने के लिए सड़क पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाते हैं, लेकिन उनके बनाने का कोई मानक नहीं होता है। कई बार जहां पर आवश्यकता होती है, वहां पर नहीं बनते और अनावश्यक जगहों पर मानक हीन स्पीड ब्रेकर बना दिए जाते हैं, इसलिए ऐसे स्पीड ब्रेकर दुर्घटनाओं का कारण बन जाते हैं। इन सभी वजहों पर चर्चा होना आवश्यक है, लेकिन उम्मीदों के अनुरूप होती नहीं है।

सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए उन पर विस्तार से बात करने की जरूरत है। उनके कारणों का हमें गंभीरता से पता लगाना होगा। हादसे में एक व्यक्ति का खत्म होना केवल उस आदमी का जाना नहीं होता, बल्कि एक परिवार का बिखर जाना होता है। हमें इन बिखरे परिवारों को संभालने के लिए और उन तक हर संभव सरकारी और निजी सहायता पहुंचाने के लिए प्रयास करना होगा। यह तभी संभव है, जब सड़क हादसा होने के बाद भी विस्तार से चर्चा की जाए और हमें ऐसा करना ही होगा।

विमानन क्षेत्र में समीक्षा-सुधार की दरकार

हाल ही में अहमदाबाद हवाई अड्डे पर बोइंग विमान से जुड़ी एक घटना ने वैश्विक विमानन उद्योग, विशेषकर बोइंग की विश्वसनीयता पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना न केवल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि तकनीकी दिग्गज बोइंग के विमान लगातार दुर्घटनाओं के घेरे में क्यों आते जा रहे हैं। बोइंग विमान को लेकर उठ रहे प्रश्न केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह संपूर्ण विमानन प्रणाली, उसकी निगरानी और जवाबदेही पर सवाल खड़े करते हैं। अहमदाबाद जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि अब केवल ब्रांड पर भरोसा करने का समय नहीं रहा।

हाल ही के वर्षों में बोइंग विमानों से जुड़ी कई गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। अकेले 2018 से 2025 के बीच बोइंग विमानों की दुर्घटनाओं में लगभग 9000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें से कई मामलों में तकनीकी खामियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। अमेरिका, इंडोनेशिया, इथियोपिया सहित कई देशों में बोइंग 737 मैक्स विमान दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। इन हादसों में सैकड़ों लोगों की जान गई और इन विमानों को कई देशों में अस्थाई रूप से उड़ानों से हटा दिया गया। 2024-2025 में भी बोइंग के विमानों में दरवाजे उखड़ने, फ्यूल लीक, एयर प्रेशर फेल होने जैसी घटनाएं सामने आईं।

जब विश्व की अग्रणी विमान निर्माता कंपनी के विमान बार-बार तकनीकी खामियों का शिकार हो रहे हों, तो यात्रियों की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लग जाता है। बार-बार की दुर्घटनाएं दर्शाती हैं कि या तो मैन्युफैक्चरिंग में चूक है या गुणवत्ता नियंत्रण में लापरवाही। बोइंग जैसी

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

जब विश्व की अग्रणी विमान निर्माता कंपनी के विमान बार-बार तकनीकी खामियों का शिकार हो रहे हों, तो यात्रियों की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लग जाता है।

कंपनी से यह अपेक्षित नहीं है। संघीय विमानन प्रशासन और अन्य अंतर्राष्ट्रीय विमानन निगरानी संस्थाओं की भूमिका भी सवालों के घेरे में आती है कि उन्होंने ऐसे विमानों को उड़ान की अनुमति कैसे दी? बोइंग पर यह भी आरोप लगे हैं कि उसने प्रतिस्पर्धा में एयरबस से आगे निकलने के प्रयास में सुरक्षा के मानकों की अनदेखी की।

कंपनी के विमानों की छवि हाल के वर्षों में गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। अमेरिका की विमान निर्माता कंपनी बोइंग विश्व की सबसे बड़ी एयरोस्पेस कंपनियों में से एक है, लेकिन हाल ही में आधुनिक तकनीक और वैश्विक हवाई यात्रा में क्रांति लाने वाले बोइंग विमानों से जुड़ी दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित बढ़ोतरी ने न केवल यात्रियों की सुरक्षा पर प्रश्न खड़े किए हैं, बल्कि विमानन उद्योग की कार्यप्रणाली पर भी संदेह उत्पन्न किया है। आज जब हवाई यात्रा आम नागरिक की दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है, ऐसे में बोइंग विमानों से जुड़ी दुर्घटनाएं केवल तकनीकी मुद्दा नहीं रह जातीं, बल्कि यह जन-जीवन, वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और यात्रियों के अधिकारों से जुड़ा एक अत्यंत प्रासंगिक विषय बन जाता है।

भारत जैसे देश में अहमदाबाद की घटना एक चेतावनी के रूप में सामने आई है। यदि ऐसे विमान भारतीय हवाई क्षेत्र में नियमित रूप से उड़ान भरते हैं, तो यात्रियों की जान के साथ बड़ा जोखिम हो सकता है। भारत सरकार, नागरिक विमानन महानिदेशालय और एयरलाइंस को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। बोइंग जैसे अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड की पहचान केवल उसके विमानों की संख्या या तकनीकी नवाचार से नहीं, बल्कि सुरक्षा मानकों की मजबूती से तय होती है। यदि सुरक्षा को मुनाफे की दौड़ में पीछे छोड़ा गया, तो यह पूरे विमानन उद्योग को हिला सकता है। संघीय विमानन प्रशासन, नागरिक विमानन महानिदेशालय जैसी एजेंसियों को सिर्फ सर्टिफिकेशन तक सीमित न रखकर, रियल-टाइम गुणवत्ता ऑडिट्स लागू करने की जरूरत है, ताकि संभावित त्रुटियों का पता पहले से लगाया जा सके।

भारत जैसे देश जो बोइंग के विमानों का व्यापक उपयोग करते हैं, उन्हें भी आंख मूंदकर कंपनियों पर भरोसा करने की बजाय स्थानीय टेस्टिंग, एयरवर्दिनेस रिपोर्ट और इन्वेस्टिगेशन सिस्टम को मजबूत करना होगा। अहमदाबाद जैसे मामलों को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। नागरिक विमानन महानिदेशालय को चाहिए कि वह बोइंग विमानों की संपूर्ण सुरक्षा समीक्षा करवाए, पुराने मॉडलों की तत्काल जांच कराए और एयरलाइंस को यह निर्देश दे कि किसी भी तकनीकी संदिग्ध विमान को उड़ान से पहले दोबारा जांचा जाए। बोइंग को चाहिए कि वह पारदर्शी रूप से अपने उत्पादों में खामी स्वीकार करे, यात्रियों की सुरक्षा के लिए विश्व स्तर पर रिकॉल और सुधार की रणनीति बनाए और यह विश्वास बहाल करे कि उसका हर विमान उड़ान के लिए 100 फीसदी सुरक्षित है।

सोशल फोरम

कैसे बने रिश्ता

जो आज अच्छा लग रहा, वह कल बुरा भी लगेगा। यह इंसानी फ़ितरत है। मुझसे कोई कहता है कि मैं आपका शागिर्द हूं। तो एक सवाल मेरी आंखों में तैरता है, कब तक, तुम्हें जो मुझमें आज अच्छा लग रहा, वह कल नही लगेगा, तब...

जब कोई बहुत ज़िद करता है कि नहीं हम तो शागिर्द हैं आपके, तब मेरा अगला सवाल होता है कि क्या मुझसे मिलने के बाद तुम्हें बुराई बुरी और अच्छाई अच्छी लगने लगी है। क्योंकि यह शऊर ही अगर तुममे न आया, तो काहे के हम उस्ताद और कैसे तुम शागिर्द ।

हफीज किदवई
लेखक

हालांकि शागिर्द से तो मैं यही कहता हूं कि हर वक्त हालत ए इश्क़ में रहो। इल्म हासिल करने की दौड़ में मत रहो। इल्म ऐसे पैदा करो, जैसे किसी फूल में खुशबू। कोई उस्ताद तुम्हें महका नहीं सकता, महकने का रास्ता बता सकता है। मगर महकना तो तुम्हें है।

सूफ़ियों में तरबियत निबंध लिखकर नहीं दी जाती। ज़िन्दगी के फ़लसफ़े, ज़िन्दगी जीकर समझाए जाते हैं। हम तो उस उस्ताद को बेहतरीन मानते हैं, जो अपने शागिर्द

तरस जाते हैं कि कोई आए और कहे, हमें कमाना नहीं है। हमें भीतर झांकना है। हमें हमारे अंदर का सफर करना है। मगर देखिए, हर एक मिलता है कि कैसे बाहर के सफ़र के ऐसे निशान छोड़ें कि दुनिया उन्हें सलाम करे, फिर कैसे बने उस्ताद और शागिर्द का रिश्ता।

को ग़म का ज़ायक़ा दिला दे। ग़म हमारी रूह की चमक की गवाही है, जबकि खुशी हमारे जिस्म का हिस्सा है।

तरस जाते हैं कि कोई आए और कहे, हमें कमाना नहीं है। हमें भीतर झांकना है। हमें हमारे अंदर का सफर करना है। मगर देखिए, हर एक मिलता है कि कैसे बाहर के सफ़र के ऐसे निशान छोड़ें कि दुनिया उन्हें सलाम करे, फिर कैसे बने उस्ताद और शागिर्द का रिश्ता। शागिर्द को इश्क़ करना ज़रूरी है तो उस्ताद का आशिक़ होना मगर मतलब की दुनिया में मतलब के उस्ताद भी रोज़ बनते हैं और शागिर्द भी....

-फेसबुक वॉल से

शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और जागरूकता से ही होगा अंधविश्वासों का खात्मा

आज विज्ञान और तकनीक का युग है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का प्रयोग किया जा रहा है। विज्ञान और तकनीक के इस दौर में भी भारतीय समाज में कहीं न कहीं अंधविश्वास की जड़ें कम गहरी नहीं हैं। आज जरूरत इस बात की है कि अंधविश्वास की इन जड़ों को समूल नष्ट किया जाए। वास्तव में अंधविश्वास, अज्ञानता, डर, या तर्कहीन विश्वासों पर आधारित एक विश्वास या प्रथा है। यह अक्सर अलौकिक शक्तियों, भाग्य, या कुछ कार्यों या वस्तुओं के शुभ या अशुभ प्रभावों में विश्वास से जुड़ा होता है। अंधविश्वास किसी तर्क या प्रमाण पर आधारित नहीं होते हैं, बल्कि ये अक्सर मान्यताओं, परंपराओं, या व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित होते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि ये अक्सर परंपराओं और रीति-रिवाजों से जुड़े होते हैं, जिनका पालन बिना किसी तर्क या प्रमाण के किया जाता है।

हाल ही में अंधविश्वास के चक्कर में बिहार में परिवार के पांच लोगों की हत्या की खबरें मीडिया की सुर्खियों में आईं थीं। अंधविश्वास के कारण हैवानों ने पति-पत्नी और बच्चों को मार डाला। इसी प्रकार से आजमगढ़ में पुत्र की चाहत में एक महिला अंधिविश्वास की भेंट चढ़ गई। परिजनों का आरोप है कि तांत्रिक ने झांड़फूंक के नाम पर नाले का गंदा पानी पिलाया जिससे उसकी मौत

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

यह देखा गया है बहुत बार हमारी आस्था ही अंधविश्वास में बदल जाती है। दुखद है कि टोनो टोटको के चक्कर में हम जीवन को दांव पर लगा देते हैं और जीवन में बदलाव की या चमत्कार की उम्मीद करने लगते हैं।

हुई। इतना ही नहीं, मध्यप्रदेश के एक गांव में देवस्थान के चबूतरे पर नरबलि देने का मामला भी सामने आया है। इसी प्रकार से कुछ समय पहले महाराष्ट्र के अमरावती जिले में अंधविश्वास की वजह से मासूम बच्चे के साथ दरिंदगी की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी। जानकारी के अनुसार यहां एक महिला ने 10 दिन की नवजात बच्ची को पेट दर्द से राहत दिलाने के नाम पर उसे गर्म लोहे की छड़ से दाग दिया। दरअसल अंधविश्वास 'आत्मज्ञान' के अभाव में पनपता है, व्यक्ति को ज्ञान का अभाव होता है।

यह देखा गया है बहुत बार हमारी आस्था ही अंधविश्वास में बदल जाती है। दुखद है कि टोनो टोटको के चक्कर में हम जीवन को दांव पर लगा देते हैं और जीवन में बदलाव की या चमत्कार की उम्मीद करने लगते हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि आस्था, ईश्वर की तरह ही असीम है, अनादि है, अनंत है। शिक्षा की कमी, परंपरा और सामाजिक दबाव अंधविश्वास के प्रमुख कारण हैं। वास्तव में आज वैज्ञानिक सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की जरूरत है। अज्ञात, बीमारी, या मृत्यु का भय अंधविश्वास को जन्म दे सकता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अंधविश्वासी प्रथाओं और उनके हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना आज के समय में बहुत ही महत्वपूर्ण व जरूरी है। सच तो यह है कि हमें हमेशा सत्य की खोज करनी चाहिए और अंधविश्वासों पर कभी भी आंख मूंदकर विश्वास नहीं करना चाहिए। यह ठीक है कि आज शिक्षा व तकनीक दोनों क्षेत्रों में प्रगति के कारण हमारे समाज के लोग अंधविश्वास की छाया से निकलने लगे हैं, लेकिन अभी काफी कुछ करना बाकी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अंधविश्वास आज भी एक जटिल समस्या है जिसके कई कारण और निवारण हैं। शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और जागरूकता बढ़ाकर, हम अंधविश्वासों को दूर करने और एक अधिक तर्कसंगत और वैज्ञानिक समाज बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। हमारे देश में आज अंधविश्वास की रोकथाम के लिए दंडात्मक प्रावधान हैं, लेकिन बावजूद इसके बहुत से पाखंडी लोग, तांत्रिक इस दिशा में सक्रिय हैं। पाखंड व अंधविश्वास का सहारा लेकर ऐसे लोग अपने चूल्हे के नीचे आंच सरकाते हैं और लोगों को बरगलाते हैं। अंधविश्वास समाज को अंदर ही अंदर से खोखला व बर्बाद कर देता है, इसलिए इस पर रोक बहुत आवश्यक है। याद रखिए कि अंधविश्वास हमारी संस्कृति की धरोहर नहीं हैं, जैसा कि अक्सर ऐसा समझा जाता है। अंधविश्वास की असली जड़ भूत-प्रेत का डर, जादू-टोने होने का डर, प्रेम-विवाह, व्यापार-नौकरी में असफलता का डर और दुर्भाग्य घटित होने का डर है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं होता है। तांत्रिक उपायों से न तो सफलता मिलती है, न ही कोई बीमारी ठीक होती है, न ही पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है, न ही कोई काम बनते हैं,यह कटु सत्य है। परेशानियां और दुःख कभी भी टोनो-टोटको से ठीक नहीं होते। विज्ञान और तकनीक के इस दौर में शिक्षित कहे जाने वाले लोग भी तांत्रिकों, पाखंडियों के चक्कर में आखिर क्यों आने लगे हैं, यह समझ से परे की बात है। अंधविश्वास को खत्म करने के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, और जागरूकता फैलाना ज़रूरी है। याद रखिए कि वैज्ञानिक सोच लोगों को घटनाओं को तर्कसंगत रूप से देखने और उनके पीछे के कारणों को समझने में मदद करती है। इसके अलावा कानून को भी सख्त बनाने की आवश्यकता है। तभी हम वास्तव में हम अपने समाज और देश से अंधविश्वासों का खात्मा कर पाएंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

एक नजर

देवस्थान दबतोरी पर मूर्ति स्थापना से पूर्व निकाली कलश यात्रा

दबतोरी, अमृत विचार : दबतोरी के श्री सिद्ध बाबा देवस्थान पर मूर्ति स्थापना से पहले आज श्री सिद्ध बाबा महाराज की कृपा से महिलाओं एवं बच्चों ने पीले वस्त्र धारण कर कलश यात्रा निकाली। महंत गोविंद महाराज ने बताया बुधवार को पंच कुंडीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में श्री सिद्ध बाबा महाराज माता शेरावाली श्री पंचमुखी हनुमान, श्री शनि देव, की मूर्ति स्थापना की जाएगी। उसके बाद पूर्ण आहुति भंडारा गुरुवार को होगा। जिसमें क्षेत्र के समस्त भक्त श्री सिद्ध बाबा महाराज मंदिर पर उपस्थित रहेंगे। कलश यात्रा के मौके पर महंत गोविंद महाराज, एडवोकेट सुरेंद्र सिंह, सत्येंद्र मिश्रा, एडवोकेट मुनेंद्र मिश्रा, सुषमा देवी, किरन देवी, मंजू देवी, प्रधान ठाकुर सौरभ सिंह, अजय सिंह, बंटी सिंह के साथ भक्त उपस्थित रहे।

युवजन सभा के आर्येंद्र यादव बने जिला उपाध्यक्ष

उस्मानपुर, अमृत विचार : सहसवान विधानसभा क्षेत्र के गांव मदारपुरन निवासी आर्येंद्र यादव को समाजवादी युवजन सभा के जिला उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया है। मंगलवार को कैंप कार्यालय पर हुई समाजवादी युवजन सभा की बैठक के दौरान आर्येंद्र यादव को सहसवान विधायक बृजेश यादव, युवजन सभा के जिला अध्यक्ष चौधरी नरोत्तम सिंह यादव ने जिला उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया। और नियुक्त पत्र सौंपा।

275 ग्राम अफीम के साथ तीन लोग गिरफ्तार

बदायूं, अमृत विचार : सदर कोतवाली पुलिस ने 275 ग्राम अफीम के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जेल भेजा गया है। उपनिरीक्षक जगमेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबिल कुंवरपाल सिंह व कांस्टेबिल विनीत कुमार के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। जिन्होंने अपना नाम शहर के सम्राट अशोक नगर निवासी अंशुल मौर्य पुत्र मदन लाल मौर्य, जालंधरी सराय की नई बस्ती निवासी पूरन पुत्र मिश्रीलाल और फकीरी सराय निवासी सुदर्शन उर्फ सुदामा बताया। तीनों के पास से अफीम बरामद हुई। तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज की गई।

विद्यालय मर्ज और पद समाप्ति के विरोध में शिक्षकों का प्रदर्शन

विद्यालय बंद करने के निर्णय के विरोध में अभिभावकों और सामाजिक संगठनों ने भी दिया साथ, बुनियादी शिक्षा पर हमला बताया

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: परिषदीय विद्यालयों के मर्ज किए जाने और प्रधानाध्यापक के पद समाप्त करने के निर्णय के विरोध में शिक्षकों ने मंगलवार को जोरदार धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों में शिक्षकों के साथ-साथ कई अभिभावक, ग्राम प्रधान और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। उन्होंने निर्णय को वापस लेने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश चंद्र पाल और सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय को सौंपा।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय आवाहन पर बेसिक शिक्षा विभाग परिसर में हुए इस प्रदर्शन को माध्यमिक शिक्षक संघ, राष्ट्रीय मध्याह्न भोजन रसोईया वेलफेयर एसोसिएशन, किसान यूनियन और जनहित संघर्ष मोर्चा सहित विभिन्न संगठनों का समर्थन प्राप्त हुआ।

सिटी मजिस्ट्रेट और सीओ सिटी को ज्ञापन देते शिक्षक संघ के पदाधिकारी।

विरोध प्रदर्शन में उपस्थित शिक्षक व अन्य लोग। ● अमृत विचार

मर्ज से साक्षरता दर पर पड़ेगा असर : जिलाध्यक्ष एवं प्रांतीय प्रचार मंत्री संजीव शर्मा ने बताया कि बदायूं की लगभग 145 ग्राम पंचायतों के विद्यालयों को मर्ज किया जा रहा है और प्रधानाध्यापकों के पद समाप्त किए जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह प्रक्रिया नहीं रोकी गई तो प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। कादरचौक ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश यादव ने कहा कि स्कूल मर्ज होने से ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाएं दूर के विद्यालय नहीं जाएंगी, जिससे देश की साक्षरता दर में गिरावट आएगी।

सरकार की दोहरी नीति पर सवाल : उसावां ब्लॉक अध्यक्ष रामसेवक वर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार एक ओर निजी विद्यालयों को बढ़ावा दे रही है और दूसरी ओर सरकारी विद्यालयों पर उपस्थिति का अनावश्यक दबाव डालकर छात्रों के नाम कटवा रही है। यह दोहरी नीति ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही है। जिला प्रवक्ता आयुष भारद्वाज ने कहा कि प्रत्येक गांव में विद्यालय होने से साक्षरता दर में वृद्धि हुई थी, लेकिन अब स्कूलों को बंद कर फिर से पुरानी स्थिति में धकेला जा रहा है।

शिक्षकों की पदोन्नति लंबित, ओपीएस से ध्यान भटकाने की कोशिश : उझानी ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद दीक्षित ने बताया कि आरटीई एक्ट 2009 के अनुसार प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में एक प्रधानाध्यापक और पांच शिक्षक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय में एक प्रधानाध्यापक और तीन शिक्षक का प्रावधान है। लेकिन सरकार वर्षों से शिक्षकों की पदोन्नति नहीं कर रही, जिससे प्रधानाध्यापक को सरप्लस घोषित किया जा रहा है।

माध्यमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष देशराज सिंह यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार शिक्षक और छात्र विरोधी नीतियों को लागू कर रही है और ओपीएस जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए स्कूल मर्ज का हथकंडा अपना रही है।

ज्ञापन सौंपकर जताया विरोध

धरना प्रदर्शन के बाद शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश चंद्र पाल और सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय को सौंपा। इस मौके पर प्रीति राठौड़, अनुराग यादव, विनेश शर्मा, राधेश्याम सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

- बीएसए कार्यालय परिसर में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन
- शिक्षक बोले सरकार की दोहरी नीति के कारण बंद हो रहे सरकारी स्कूल

रुदायन में छात्रवृत्ति वितरण समारोह का हुआ समापन

इस्लामनगर, अमृत विचार : रुदायन के नेहरू इंटर कॉलेज में दिवंगत चौधरी हरी सिंह की पुण्यतिथि पर उनके पुत्र डॉक्टर नितिन कुमार सिंह और उनकी पुत्र डॉक्टर प्रीति सिंह ने मंगलवार को हाई स्कूल की गणित तथा विज्ञान की परीक्षा में टॉप रहे दो छात्र माधव गुप्ता और केशव गुप्ता तथा दो छात्राओं को नकद तीन तीन हजार रुपए की छात्रवृत्ति और प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया। यह छात्रवृति अगले वर्ष इंटर भी मिलेगी।इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंधक सुमित पाठक, उप प्रबन्धक कुलदीप शर्मा, बिसौली ब्लॉक प्रमुख बंटी पाठक, प्रिंसिपल आलोक पाठक, रुदायन चेयरमैन प्रतिनिधि मुरली मनोहर गुप्ता, भाजपा नेता अनूप सिंह, पूर्व वाइस चेयरमैन सुनील गुप्ता सनी, स्कूल के शिक्षक ब्रिज किशोर, अमित शर्मा, आदेश शर्मा, सुशील कुमार, सुरेंद्र शर्मा, विद्यारत्न चौधरी समेत अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के आयोजक प्रोफेसर डॉ. नितिन कुमार सिंह और उनकी पत्नी डॉक्टर प्रीति सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

डायरिया के प्रति जागरूकता को हस्ताक्षर अभियान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने अपने कार्यालय परिसर में हस्ताक्षर अभियान का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में प्रचार-प्रसार के लिए डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैंपेन) के तहत इसकी शुरुआत की गयी है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जिले में 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी सहयोग कर रहे हैं। अभियान की इस साल की थीम- डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान, तय की गयी है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि तक जरूर दें। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है, और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए, ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए, साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करना चाहिए।

इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) डॉ. मोहन झा, डॉ. निरंजन सिंह, डॉ. पवन कुमार, डॉ. अमित रस्तोगी, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक कमलेश, डीसीपीएम अरविंद राणा, नगरीय स्वास्थ्य केंद्र से उमेश राठौर, अभय प्रताप सिंह, संतोष सागर तथा पीएसआई इंडिया से शशांक दुबे और दानिश आदि मौजूद रहे।

हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत करते सीएमओ डा. रामेश्वर मिश्रा। ● अमृत विचार

- डायरिया रोको अभियान में पीएसआई इंडिया व केनव्यू कर रहे सहयोग

ढाई लाख की नकदी का थैला लेकर चोर फरार

बिल्सी, अमृत विचार: बाइक पर टंगा ढाई लाख रुपये की नगदी का थैला लेकर चोर फरार हो गया। घटना की सूचना कोतवाली पुलिस दी गई है। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस सीसीटीवी कैमरे की मदद से जांच करने में जुट गई है।

थाना क्षेत्र के गांव टिटौली निवासी इंद्रपाल पुत्र कंहीलाल ने पुलिस को बताया कि वह बिल्सी नगर की भारतीय स्टेट बैंक से ढाई लाख रूपए निकाल कर अपनी बाइक से घर को जा रहा था। रास्ते में उन्होंने अपनी बाइक पुरानी सब्जी तिराहा के पास खड़ी करके आम खरीदने के लिए ठेले पर रुके। इसी दौरान किसी ने उनकी बाइक में टंगा थैला चोरी कर लिया। थैले में ढाई लाख रुपए रखे थे। आम खरीदने के बाद वह बाइक के पास पहुंचे वहां से थैला गायब था। जिसके बाद उनके होश उड़ गए। पीड़ित ने सूचना पुलिस को दी। सीसीटीवी की मदद से जांच करने में जुट गई है।

सार-संक्षेप

स्कूल में हुई कहानी सुनाओ लिखो प्रतियोगिता

बिल्सी, अमृत विचार : मंगलवार को बाबा इंटरनेशनल स्कूल में कहानी लिखो एवं सुनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय एवं प्रधानाचार्य रूपा माहेश्वरी ने किया। बच्चों ने हिन्दी व अंग्रेजी में विभिन्न विषयों से संबंधित शिक्षाप्रद कहानियां सुनाई और लिखी। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य दादा-दादी, नाना-नानी द्वारा सुनाई जाने वाली पुरानी कहानियां जो लुप्त हो चुकी हैं उन्हें पुनर्जीवित करना था। कहानी सुनाओ प्रतियोगिता में डेनियल रजा, कक्षा एन .सी . से वर्तिका तोमर ,कक्षा के .जी . से अस्तित्व माहेश्वरी, कक्षा 1 से परी वार्ष्णेय, कक्षा 3 से आरोही वार्ष्णेय, कक्षा 4 से अल्वीना कक्षा 7 से ख़ुशी यादव ने प्रथम प्राप्त किया। कहानी लेखन प्रतियोगिता में कक्षा-3 से सार्थक माहेश्वरी, कक्षा-4 से शोभित गुप्ता, कक्षा-6 से ऋतिक, कक्षा-7 से अवनी शर्मा, कक्षा-8 से माधव प्रजापति ने अपनी कक्षा में बाजी मारी।

उझानी में अतिक्रमण से परेशानी, सड़कें हो रहीं संकरी

उझानी, अमृत विचार : कस्बे में अतिक्रमण के चलते सड़कें संकरी हो गयी हैं जिससे लोगों को इधर से उधर गुजरने में भारी परेशानी हो रही है। नगर पालिका प्रशासन की चुप्पी के कारण स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। कस्बे में घंटाघर चौराहे से कश्यप पुलिया तक अतिक्रमण के कारण अक्सर जाम लगता है। दुकानदारों ने अपना सामान भी सड़क पर लगा लिया है। जिससे आने जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अगले तीन दिन बाद पवित्र माह सावन में कांवड़ यात्रा शुरू हो रही है। दुकानदारों को कुछ दिन पहले अतिक्रमण हटाने की हिदायत दी गई थी। फिर भी अतिक्रमण जस का तस बना हुआ है। अतिक्रमण के चलते कस्बे की रंगत बिगड़ रही है। नगर पालिका प्रशासन अतिक्रमण पर चुप्पी साधे हुए है। जिससे अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

निमंत्रण पत्र देने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

कुंवरगांव, अमृत विचार : सोमवार रात शाम गांव पड़ौलिया के पास किसी वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मौत के बाद परिजनों में चीत्कार मचा है। मुजरिया थाना क्षेत्र के गांव कटैया निवासी प्रताप (25) पुत्र रतनलाल की बेटी का मंगलवार को जन्मदिन था। घर में कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी। जिसके चलते वह सोमवार रात कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव दरावनगर में अपनी ननिहाल में दावत के लिए बाइक से निमंत्रण पत्र देने जा रहे थे। देर रात बदायूं-आंवला मार्ग पर गांव पड़ौलिया के पास किसी वाहन की टक्कर से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को अस्पताल भेजा गया जहां चिकित्सक के मृत घोषित करने के बाद पुलिस ने उनके परिजनों को सूचना दी। देर रात परिजन अस्पताल पहुंचे। बेटी के जन्मदिन की खुशी मातम में बदल गईं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। इंस्पेक्टर वीपी सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हुई थी। बाइक को टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है।

स्कूल में एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत आर्ट इंटीग्रेशन का शुभारंभ

बदायूं, अमृत विचार : मंगलवार को लॉर्ड कृष्णा इंटरनेशनल स्कूल में एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत आर्ट इंटीग्रेशन समारोह का शुभारंभ बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की विविध सांस्कृतिक, भाषाई और पारंपरिक विरासत को समझना, अपनाना और उसका आदान-प्रदान करना था। इस अवसर पर केरल राज्य की सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत करते हुए छात्रों ने नृत्य, गीत, नाटक एवं वेशभूषा का सुंदर प्रदर्शन किया। छात्रों ने मलयालम भाषा में संवाद बोलकर भारत की भाषाई विविधता का शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विविधता में एकता की भावना को पूर्णत: जीवंत कर दिया गया। समारोह का आयोजन विद्यालय की प्रार्थना सभा में किया गया। इसकी अध्यक्षता विद्यालय के संस्थापक वेदव्रत त्रिवेदी ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सह-संस्थापक तेजस्व त्रिवेदी तथा निर्देशिका छवी शर्मा, रीता शर्मा रहीं। शैक्षिक निदेशक देवव्रत त्रिवेदी एवं प्रधानाचार्य दीपक त्यागी ने भी अपनी उपस्थिति से छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर 5 साल के बच्चे की मौत

संवाददाता, कुंवरगांव

- गांव सिरसाठेर में बारात घर के ऊपर से गुजर रही हाइटेंशन लाइन की चपेट में आया बच्चा

अमृत विचार : सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के गांव में बारात घर की छत पर खेलते समय पांच साल का बच्चा हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार प्रधान के कई बार शिकायत करने के बाद भी विद्युत विभाग ने हाईटेंशन लाइन नहीं हटाई थी। परिजनों ने बिजली विभाग के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

मृतक दुष्यंत

हादसा सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरसाठेर में हुआ। हेमराज का पांच साल का बेटा दुष्यंत मंगलवार दोपहर लगभग 12 बजे मोहल्ले के बच्चों के साथ गांव में बने बारात घर की छत पर खेल रहा था।

बारात घर की छत से हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। खेलते समय दुष्यंत हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बच्चे के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत सालारपुर के प्रधान पति जाहिद ने बिजली विभाग को कई बार बिजली की लाइन हटाने को कहा लेकिन विभाग ने अनसुना किया। जिसके चलते हादसा हुआ।

हेपेटाइटिस के 200 से अधिक मरीज, हर सैंपल में पीलिया

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बाहर से जांच करा कर अस्पताल से ले रहे पीलिया की दवा
- जिला अस्पताल में जांच रिपोर्ट देर से मिलने से मरीज हो रहे परेशान

अमृत विचार : हेपेटाइटिस के मामलों में तेजी से हो रही वृद्धि जिला स्वास्थ्य तंत्र के लिए चेतावनी है। मंगलवार को जिला अस्पताल में हेपेटाइटिस के दो सौ से अधिक मरीजों का परीक्षण कर दवा दी गई। इनमें से लगभग 50 प्रतिशत मरीज नए थे, जबकि शेष पुराने मरीज अपनी दवा की अगली खुराक के लिए पहुंचे थे। फिजीशियन डॉ. राजेश वर्मा द्वारा मरीजों की जांच कर दवा लिखी गई। उन्होंने बताया कि जिन मरीजों के रक्त सैंपल जांच के लिए लखनऊ भेजे गए थे, उनमें से लगभग शत प्रतिशत में पीलिया की पुष्टि हुई है। यह स्थिति स्वास्थ्य विभाग के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है।

डॉ. वर्मा ने बताया कि हाल ही में 166 सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे, जिनमें से 158 रिपोर्ट पॉजिटिव आईं। इससे यह संकेत मिल रहा है कि हेपेटाइटिस का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। मरीजों में पीलिया के लक्षण पाए जा रहे हैं, लेकिन रिपोर्ट आने में 25 से 30 दिन का समय लग रहा है जिससे मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है।

पीलिया के मरीजों को लगभग एक महीने तक नियमित दवा लेनी होती है। दवा समाप्त होने के बाद दोबारा जांच की जाती है, और जब तक रिपोर्ट निगेटिव नहीं आती, दवा बंद नहीं की जाती।

स्थानीय मेडिकल कॉलेज में जांच सुविधा, फिर भी सैंपल नहीं भेजे जा रहे : हेपेटाइटिस की पुष्टि के लिए जिला अस्पताल से सैंपल हर माह लखनऊ भेजे जाते हैं, जिससे रिपोर्ट में काफी देर होती है। जबकि स्थानीय राजकीय मेडिकल कॉलेज में वायरल लोड जांच की सुविधा उपलब्ध है। बावजूद इसके कॉलेज प्रशासन ने अभी तक सीएमओ को इस संबंध में कोई पत्र नहीं भेजा है। बिना औपचारिक सूचना के सैंपल मेडिकल कॉलेज नहीं भेजे जा सकते।

हेपेटाइटिस के मरीजों को देखते डा. राजेश वर्मा ● अमृत विचार

मेडिकल कॉलेज प्रशासन को पत्र भेजना चाहिए

सीएमओ डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने कहा यदि मेडिकल कॉलेज में वायरल लोड जांच की सुविधा शुरू हो गई है तो कॉलेज प्रशासन को पत्र भेजकर हमें इसकी जानकारी देनी चाहिए, ताकि जिला अस्पताल के सैंपल वहां जांच के लिए भेजे जा सकें। इस संबंध में जल्द ही मेडिकल कॉलेज से बात की जाएगी और वहां सैंपल भेजे जाएंगे।

उझानी में जर्जर हो रहीं सड़कें, पलट रहे ई रिक्शा

उझानी, अमृत विचार : नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही के चलते कस्बे की सड़कें जर्जर हो रही हैं। सड़कों में गड्ढे हो रहे हैं इसमें ई रिक्शा ऑटो अक्सर पलटते रहते हैं। पालिका प्रशासन सड़कों की मरम्मत नहीं करा रहा है जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

घंटाघर चौराहे से रेलवे स्टेशन तक कई जगह सड़क टूटी है। इनमें ई रिक्शा पलटते रहते हैं, और बाइक सवार भी गिर कर चोटिल हो चुके हैं। यह रोड उझानी का मुख्य रोड है। इस मार्ग पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कोतवाली, नगर पालिका, रामलीला ग्राउंड, रेलवे स्टेशन जैसे सभी मुख्य स्थान इसी रोड पर हैं जिससे इस रोड पर सुबह से रात तक हजारों बाहन हिचकोले खाते हुए गुजरते हैं। फिर भी अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

मुरादाबाद जाते समय बिगड़ी हालत, इलाज के दौरान हुई मौत

संवाददाता, विजय नगला

- रविवार को पुलिस के साथ दबिश में जाते समय रास्ते में बिगड़ी थी चालक की तबीयत

अमृत विचार : पुलिस टीम के दबिश में मुरादाबाद जा रहे प्राइवेट वाहन चालक की तबीयत अचानक खराब हो गई। उसे मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान चालक की मौत हो गई। परिजनों में चीत्कार मच गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना पुलिस को सूचना दिए अंतिम संस्कार कर दिया।

मृतक मनमोहन

थाना बिनावर क्षेत्र के गांव ब्यौर निवासी मनमोहन (40) प्राइवेट गाड़ी चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण करते थे। उनके परिजनों के अनुसार बरेली की पुलिस ने रविवार को मुरादाबाद क्षेत्र के किसी गांव में दबिश देने के लिए उनकी गाड़ी बुक की थी। वह गाड़ी से जा रहे थे। रास्ते में अचानक मनमोहन की तबीयत खराब हो गई। पुलिस ने उन्हें मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान चालक ने दम तोड़ दिया। परिजन शव गांव लेकर पहुंचे और अंतिम संस्कार कर दिया। परिजनों के अनुसार सिर दर्द के दौरान मनमोहन के सिर की नस फट गई थी। जिससे उनकी मौत हुई। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार कंबोज ने बताया कि इस मामले में पुलिस को सूचना नहीं दी गई है।

छह जोन 16 सेक्टर में विभाजित किया जिला

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: 11 जुलाई से कांवड़ यात्रा शुरू हो रही है। कावंड यात्रा को लेकर जिले को 6 जोन और 16 सेक्टर में बांटा गया है। सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम अवनीश कुमार राय ने पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी।

डीएम ने कहा कि कांवड़ यात्रा में अधिकारी सेवाभाव से कार्य करें। यात्रा मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया जाए। जहां कहीं व्यवस्थाएं अधूरी हैं, उन्हें समय रहते पूर्ण किया जाए। बिजली के खम्भों पर प्लास्टिक शीटिंग के शेष कार्य को जल्द पूरा किया जाए। डीएम ने यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात कहीं अवरुद्ध न हो। यात्रियों की सुविधा के लिए मार्गों पर पुलिस जवान तैनात रहें। ढाबों व खानपान की दुकानों पर शुद्ध एवं उचित दाम पर भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सकीय सहायता हेतु आवश्यक एम्बुलेंस व मेडिकल टीम तैनात रहे। यात्रा के दौरान डीजे साउंड सिस्टम का साइज मानक अनुसार ही रहे। ओवरसाइज डीजे व आपत्तिजनक कंटेंट का प्रयोग न हो। इस पर संबंधित सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारी कड़ी निगरानी रखें व डीजे ऑपरेटर्स को पहले से निर्देशित कर दें। नियम उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस अवसर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ वैभव शर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार, समस्त उपजिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक एवं अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर अधिकारियों को दिशा निर्देश देते डीएम अवनीश कुमार राय।

- कावंड यात्रा को लेकर सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेट हुए तैनात
- 11 जुलाई से शुरू हो रही कावंड यात्रा को लेकर डीएम ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

आईजीआरएस जनसुनवाई में बरेली रेंज प्रदेश में नंबर वन

बरेली, अमृत विचार : आईजीआरएस पर आईं शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समय से निस्तारण करने पर बरेली रेंज का एक बार फिर प्रदेश में जून की रैंकिंग में पहला स्थान आया है।

डीआईजी अजय कुमार साहनी ने बताया कि बरेली रेंज 11 महीने से लगातार पहले पायदान पर बना हुआ है। रेंज के बरेली और पीलीभीत ने भी पहला नंबर हासिल किया, जबकि शाहजहांपुर 24वें और बदायूं 27वें नंबर पर रहा। थानों के स्तर पर भी परिक्षेत्र में बरेली के सभी थानों ने पहला स्थान पाया। इसी तरह पीलीभीत के थाना हजारा, न्यूरिया, माधोटांडा, बरखेड़ा, जहानाबाद, अमरिया, पूरनपुर, बीसलपुर, बिलसंडा और महिला थाना सहित 15 से ज्यादा थाने टॉप पर रहे। शाहजहांपुर के रामचंद्र मिशन, जलालाबाद, खुटार, कोतवाली, तिलहर, जैतीपुर, निगोही, सदर बाजार समेत कई थानों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। बरेली परिक्षेत्र कार्यालय में तैनात आईजीआरएस टीम के उपनिरीक्षक शालू, कंप्यूटर ऑपरेटर अमरेन्द्र कुमार और आरक्षी सलिल सक्सेना सम्मानित होंगे।

बीबीए, बीसीए और बीकॉम ऑनर्स की भी दूसरी मेरिट जारी

बरेली कॉलेज में संबंधित विभाग में 11 जुलाई तक लेने होंगे प्रवेश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली कॉलेज ने बीबीए, बीसीए और बीकॉम ऑनर्स में प्रवेश के लिए दूसरी मेरिट जारी कर दी है। मेरिट में शामिल विद्यार्थियों को संबंधित विभाग में 11 जुलाई तक प्रवेश लेना होगा। वहीं बीए, बीएससी जीव विज्ञान और बीकॉम प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए दूसरी मेरिट के प्रवेश मंगलवार से शुरू हो गए। मेरिट में शामिल विद्यार्थियों को 9 जुलाई तक प्रवेश लेना है। इसके बाद तीसरी मेरिट जारी की जाएगी। अब तक बीए में 877, बीकॉम में 498, बीएससी जीव विज्ञान में 368 और बीएससी गणित में 416 प्रवेश हुए हैं।

मुख्य प्रवेश नियंत्रक प्रो. वंदना शर्मा ने बताया कि बीकॉम ऑनर्स प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए दूसरी मेरिट ओपन-82.80-79.80, सामान्य महिला-79.20-74.49, ओबीसी- 79.00-71.40, ओबीसी महिला की-71.20-68.00, एससी-77.78-41.62 और एसटी-ऑल रही है। विद्यार्थियों को सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक बीकॉम ऑनर्स विभाग में जाकर प्रवेश लेना होगा।

वहीं बीबीए प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए दूसरी मेरिट ओपन-75.490-73.800, सामान्य महिला-73.457-68.519, ओबीसी-73.457-68.399, ओबीसी महिला-67.284-64.198, एससी-73.457-50.000, एससी महिला-ऑल, एसटी-ऑल, डीएफ, एफएफ,पीएच -ऑल, ईडब्ल्यूएस-93.000-49.000 रही है। मेरिट में शामिल विद्यार्थियों को 9 से 11 जुलाई तक सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक बीबीए विभाग में जाकर प्रवेश लेना होगा।

इसके अलावा बीसीए प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए दूसरी मेरिट सामान्य ओपन- 79.42-77.36, महिला-77.36-75.72, पीएच-75.20-59.93, डीएफ-ऑल, ओबीसी-77.36-73.72, महिला-73.66-72.01, पीएच एंड डीएफ-ऑल, एससी-76.95-67.07, महिला- 66.87-57.13, पीएच एंड डीएफ-ऑल, एसटी-ऑल, ईडब्ल्यूएस-76.255-66.872 रही है। मेरिट में शामिल विद्यार्थियों को 9 से 11 जुलाई तक सुबह 9:30 से दोपहर 12:30 बजे तक बीसीए विभाग में जाकर प्रवेश लेना होगा। विश्वविद्यालय ने स्नातक में प्रथम चरण में प्रवेश 15 जुलाई तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

एमएससी सैन्य अध्ययन में शून्य पंजीकरण

बरेली कॉलेज में अब तक परास्नातक के 1287 पंजीकरण हो चुके हैं। एम हिंदी में 80, अंग्रेजी में 126, संस्कृत में 11, उर्दू में 7, दर्शनशास्त्र में 8, इतिहास में 161, अर्थशास्त्र में 57, राजनीति शास्त्र में 117, समाज शास्त्र में 113, ड्राइंग एंड पेंटिंग में 23, गणित में 5, सैन्य अध्ययन में 1, सांख्यिकी में शून्य, भूगोल में 37, एमएससी वनस्पति विज्ञान में 65, रसायन विज्ञान में 91, गणित में 54, सैन्य अध्ययन में शून्य, भौतिक विज्ञान में 46, सांख्यिकी में 4, जंतु विज्ञान में 115, एमकॉम में 146 और पर्यावरण विज्ञान में 20 पंजीकरण हुए हैं।

17 हजार ठेले और खोमचे वालों की होगी विशेष निगरानी

बरेली, अमृत विचार : सावन माह को लेकर शासन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की टीमों ने कवायद जारी कर दी है। वहीं विभागीय रिपोर्ट के अनुसार जिले के करीब 21 हजार खाद्य पदार्थ बिक्री करने वाली दुकानों, ढाबा, रेस्टोरेंट समेत अन्य प्रतिष्ठानों को चिह्नित किया गया है। इन दुकानों पर टीमें नेम प्लेट चस्पा करा रही हैं। इसके साथ ही सावन के दौरान इन पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और साफ-सफाई की विशेष निगरानी की जाएगी।

सावन के दौरान बड़े खाद्य प्रतिष्ठानों पर विशेष निगरानी कर कांवड़ियों को गुणवत्ता युक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के साथ ही कांवड़ रूटों के ठेले और खोमचों पर भी विभाग ने नकेल कसना आरंभ कर दी है। जिले भर में 17 हजार के करीब ठेले खोमचों को चिन्हित कर उन्हें नेम प्लेट के साथ ही अन्य मानक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय गोयल ने बताया कि संबंधित दुकान संचालक के नाम के साथ ही व्यंजन की मूल्य सूची चस्पा कराने के साथ ही फूड कनेक्ट एप भी डाउनलोड कराया जा रहा है।

ड्राइविंग टेस्ट में धांधली पर होगी सख्त कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : परिवहन आयुक्त बीएन सिंह ने मंगलवार को रामपुर गार्डन स्थित ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड टेस्टिंग इंस्टीट्यूट (डीटीटीआई) और परसाखेड़ा में आटोमेटेड ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक (एडीटीटी) का निरीक्षण किया। उन्होंने आवेदकों से बातचीत करने के साथ यहां की व्यवस्थाओं को लेकर अधीनस्थों से चर्चा की। स्पष्ट कहा कि ट्रैक के संचालन में किसी भी प्रकार की धांधली की सूचना मिली तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एडीटीटी के निरीक्षण के दौरान परिवहन आयुक्त ने प्रशिक्षण एवं परीक्षण ट्रैक की व्यवस्था देखी और प्रबंधक को निर्देश दिए कि ट्रैक परिसर में साइन बोर्ड, दिशा संकेतक और सूचनात्मक पट्टिका आदि स्पष्ट, सुव्यवस्थित एवं दृष्टिगोचर रूप में स्थापित कराई जाएं, जिससे आवेदकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। ट्रैक पर मौजूद आवेदकों से फीडबैक लिया। इस पर किसी ने कोई शिकायत नहीं की। डीटीटीआई में तैनात अधिकारी और कर्मचारियों से उनके कार्यों से जुड़ी जानकारी ली। अधीनस्थों से कहा कि कार्यालय आने वाले किसी भी आवेदक से किसी प्रकार की वसूली न हो इस पर निगरानी रखी जाएगी। यहां की सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों को कार्यालय में बेहतर रखरखाव व फाइलों के बेहतर प्रबंधन के निर्देश दिए। परिवहन आयुक्त ने सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की। इस दौरान उन्होंने लक्ष्य के अनुरूप राजस्व प्राप्ति, स्कूली वाहनों के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान में बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले वाहनों का पंजीकरण निरस्त करने, डग्गामारी रोकने को लगातार अभियान चलाने के निर्देश दिए। विभाग की ओर से समय-समय पर चलाए गए अभियान के दौरान की कार्रवाई की जानकारी ली। बैठक में उप परिवहन आयुक्त कमल प्रसाद गुप्ता, आरटीओ प्रवर्तन प्रणव झा, एआरटीओ बरेली, डॉ. पीके सरोज, एआरटीओ पीलीभीत वीरेंद्र सिंह, एआरटीओ शाहजहांपुर सर्वेश सिंह, एआरटीओ बदायूं अंबरीश कुमार, राम बचन, पीटीओ यात्री बरेली अजीत प्रताप सिंह, विनय कुमार मिश्रा, रमेश चंद्र प्रजापति, अनुभव चौधरी, पीटीओ बदायूं, हारुन सैफी, आरआई बरेली मौजूद रहे।

ग्राम प्रधान समेत पांच ताजियादारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बरेली, अमृत विचार : फरीदपुर थाना क्षेत्र के गौसगंज गांव में मोहर्रम पर मानक से अधिक ऊंचा ताजिया निकालने के दौरान हाईटेंशन लाइन में टकराने से आग लगने के मामले में थाने में तैनात दरोगा ने ग्राम प्रधान समेत पांच ताजियेदारों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं, लापरवाही बरतने के आरोप में दरोगा अशोक कुमार को एसएसपी अनुराग आर्य ने उसी दिन निलंबित कर दिए थे।

फरीदपुर थाने में तैनात दरोगा लोकेश तोमर ने बताया कि मोहर्रम से पहले हुई शांति समिति की बैठक में सभी ताजियेदारों ने 12 फीट ऊंचा ताजिया बनाने पर सहमति जताई थी। सत्यापन के दौरान भी दरोगा अशोक कुमार ने ताजिये की ऊंचाई 12 फीट ही दर्शाई थी। बावजूद, रविवार को जब गांव से ताजिया निकाला गया तो उसकी ऊंचाई 23 फीट थी। इसके कारण ताजिया बिजली के तारों से टकरा गया और उसमें आग लग गई। आग बुझाने की कोशिश में छोटे खां, गुड्डू, वारिस खां और आबिद झुलस भी गए थे। आरोपी ताजियेदारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

सार-संक्षेप

हुल्लापुर चौराहे पर मिला अज्ञात बुजुर्ग का शव

अल्हागंज, अमृत विचार : मंगलवार दोपहर हुल्लापुर चौराहे पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक अज्ञात वृद्ध की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हरदोई की ओर से आई एक बस से एक 65 वर्षीय वृद्ध उतरा और लोगों से पानी मांगा। पानी पीते ही वह वहीं गिर पड़ा और कुछ ही सेकंड में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

किशोरी से छेड़छाड़, विरोध करने पर पिता को पीटा

कलान, अमृत विचार : नगर पंचायत कलान के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि उनकी छत एक युवक की छत से सटी हुई है। सोमवार को आरोपी ने किशोरी को छत पर बुलाया और छेड़छाड़ की। विरोध पर दुष्कर्म की कोशिश की। मामले की शिकायत करने पर एक युवक और उसके परिजनों ने पीड़िता के पिता पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमले में नगर पंचायत का कर्मचारी भी शामिल रहा। तहरीर के बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं किया।

रॉड से पैर तोड़ा, रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला महमंद जंगला निवासी सवा ने बताया कि सोमवार की सुबह 7 बजे उसका भाई रिजवान घर के बाहर बैठा हुआ था। इस दौरान रिश्तेदार फैजी आ गया और वह गाली देने लगा। विरोध करने पर उसके भाई को लोहे की रॉड से पीटकर घायल कर दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। उसके भाई की एक पैर की हड्डी टूट गई है। घटना का कारण बताया जाता है कि आरोपी उसकी ममेरी बहन से जबरन शादी करना चाहता है। इसी बात को लेकर रंजिश मानता है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

चोरी की रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के गांव भरगवां निवासी फिरोज ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 5 जुलाई को चोरों ने मकान के पिछले हिस्से की दीवार में नकब लगा दी। चोर अंदर घुस गए। चोर 15 हजार रुपये और जेवर आदि सामान चुराकर ले गए। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

रतन सिंह महाविद्यालय में हुआ एबीवीपी का युवा संवाद

पुवायां, अमृत विचार : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को रतन सिंह महाविद्यालय में नगर इकाई ने युवा संवाद किया। इस अवसर पर छात्रों में राष्ट्रनिर्माण और व्यक्तित्व विकास को लेकर उत्साहपूर्ण चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता खेलो भारत प्रांत प्रमुख रविकांत ने युवाओं की भूमिका पर बोलते हुए कहा कि चरित्र निर्माण से ही राष्ट्र निर्माण की नींव रखी जाती है। भारत की प्राचीन संस्कृति पर आक्रांताओं ने कई बार चोट की, लेकिन हर बार हमारे संस्कारों और युवाओं की चेतना ने देश को पुनः उठाया। रविकांत ने बताया कि एबीवीपी अपने गठन काल से ही छात्रों के बीच जाकर राष्ट्र सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व और संवेदनशील नेतृत्व के गुणों को विकसित कर रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राकेश यादव ने कहा कि परिषद न सिर्फ एक छात्र संगठन है, बल्कि एक संस्कार मंच भी है, जो विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनाने का कार्य करता है। इस अवसर पर जिला संयोजक योगेन्द्र मिश्रा, कॉलेज प्रबंधक आदित्य यादव, कॉलेज इकाई अध्यक्ष कौशल, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य अमन, जिला खेलो भारत संयोजक जितिन मिश्रा, कृष्णा गुप्ता सहित अनेक कार्यकर्ता और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बस चालक और परिचालक से लोगों की नोकझोंक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद में ई-बस एक महिला को घायल करने के बाद शहर की तरफ आ गयी थी। अजीजगंज तिराहे पर लोगों ने ई-बस को रोक लिया। चालक और परिचालक से लोगों की जमकर नोकझोंक हुई। कोतवाली पुलिस पहुंच गयी और समझाकर शांत करा दिया। कांट थाना क्षेत्र के गांव भैसटाकला निवासी किरन अपने पति राना के साथ मंगलवार की दोपहर जलालाबाद दवा लेने के लिए गयी थी। उबरिया मंदिर के सामने ई-बस चालक ने महिला को टक्कर मारकर घायल कर दिया था। महिला को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। हादसा करने के बाद भाग रही बस का नंबर ने किसी ने नोट कर लिया। महिला के परिवार बस का पीछा करते हुए अजीजगंज तिराहे पर बस को रोक लिया। चालक हादसे का सबूत मांगने लगा। जबकि बस में साइड से खरोच लगी थी। लोगों की चालक और परिचालक से नोकझोंक हुई। कोतवाली पुलिस पहुंच गयी और शांत कराया। प्रभारी निरीक्षक ने महिला के परिवार वालों से कहा कि तहरीर देने पर जांच कराके कार्रवाई की जाएगी।

महिला का आरोप 30 हजार रुपये ठग लिए

रोजा, अमृत विचार : रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के गांव दनियापुर निवासी किरन देवी ने बताया कि उसके पति की मौत हो चुकी है। वह अपनी बेटी द्रोपदी के साथ रहती है। उसकी पुत्री इंस्टाग्राम आईडी पर एक युवक से बात करने लगी। उसने खुद को अनाथ बताया और किरन से पुत्र की तरह अपनाकर साथ रहने की बात कही। किरन उसकी बातों पर आ गयी। आरोप है कि आरोपी ने कहा कि वह इंस्टाग्राम चलाता है तो उसके डालर में रकम आएगी। इसके लिए पहले ऑनलाइन खाता खुलवाना होगा, जिसके लिए 30 हजार रुपये की आवश्यकता है। किरन ने जनसेवा केंद्र में जाकर 30 हजार रुपये आरोपी के खाते में ट्रांसफर कर दिए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

प्रयोगात्मक और आंतरिक परीक्षाओं की तिथि बढ़ाई

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों की सम सेमेस्टर की परीक्षा की प्रयोगात्मक और आंतरिक परीक्षा की तिथि एक बार फिर बढ़ा दी है। कई महाविद्यालयों में बाह्य परीक्षक न मिल पाने की वजह से परीक्षाएं समय पर नहीं हो सकीं। परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक नई शिक्षा नीति से आच्छादित स्नातक की बीए, बीएससी, बीकॉम की द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्टम सेमेस्टर, बीएससी गृहविज्ञान की द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर और बीबीए, परास्नातक की एमए, एमएससी, एमएससी गृहविज्ञान और एमकॉम की प्रयोगात्मक और आंतरिक परीक्षाएं 10 जुलाई तक संपन्न करानी होंगी।

लंबे समय से गैरहाजिर सफाईकर्मी निलंबित

संवाददाता पुवायां

- जलभराव की समस्या देखने पहुंचे एडीएम वित्त
- तालाब के पानी को कम करने के दिए निर्देश

अमृत विचार : एडीएम वित्त एवं राजस्व ने वर्षों से चली आ रही जलनिकासी की समस्या से निजात दिलाने को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही लंबे समय से गैरहाजिर चल रहे सफाईकर्मी के खिलाफ निलंबित की कार्रवाई की।

मंगलवार को एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने एसडीएम चित्रा निर्वाल के साथ क्षेत्र के गांव बसखेड़ा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गांव के आने जाने वाली रोड पर पानी जलजमाव से गांव की स्थिति काफी खराब मिली। गांव में तालाब पर अवैध कब्जा होने से गंदा पानी सड़कों पर काफी हो गया था। इससे लंबे समय से गांव वाले परेशान थे। वहीं स्कूल में भी यह गंदा पानी जलजमाव पाया गया। इसके चलते गांव वालों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसे में लेखपाल कानूनगो को तालाब को चिह्नित कर एडीओ पंचायत और सचिव को मोटर इंजन लगाकर पानी निकासी कराने का निर्देश दिया गया। गांव वालों ने जानकारी दी कि सफाई कर्मी संजय कुमार लंबे समय से काम पर नहीं आ रहे है। एडीएम ने नाराजगी जाहिर करते हुए सफाईकर्मी को तत्काल सस्पेंड कर दिया। सचिव, ग्रामप्रधान, लेखपाल को ग्राम निधि से तत्काल गांव की इस समस्या का निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम चित्रा निर्वाल, इंस्पेक्टर पुवाया, एडीओ पंचायत, सचिव, कानूनगो, लेखपाल, प्रधान के साथ उदय राज, आदित्य चौहान, ग्रामीण आदि मौजूद थे।

बसखेड़ा बुजुर्ग में निरीक्षण करते एडीएम वित्त अरविंद कुमा व एसडीएम चित्रा निर्वाल।

अनुपस्थित 30 कर्मचारियों का एक दिन रोका वेतन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मंगलवार को नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्रा ने वार्ड दलेलगंज में पार्षद के साथ औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पाया कि सफाई कर्मचारी अपनी बीट पर समय से कार्य नहीं कर रहे थे और बीट से भी अनुपस्थिति पाए गए। निरीक्षकों की रिपोर्ट में पाया कि विभिन्न वार्डो में 30 सफाई कर्मचारी व अन्य कार्मिक अनुपस्थित है। नगर आयुक्त ने शिवा, विजय, धनदेवी, अशोक कुमार, रामबाबू, सुरेंद्र, सोनू, मनोज, रामनाथ, अमन, सीमा, सुरेश, निहाल, सूरज, भीम, राखी, रजत, मनोज, शिवा समेत 30 कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकते का निर्देश दिया।

जिला अस्पताल में सुरक्षा गार्ड ने तीमारदार को डंडे से पीटा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- सुरक्षा गार्ड से वाहन परिसर में खड़ा करने की बात पर हुआ विवाद, अफसरों ने मामला कराया शांत

अमृत विचार: जिला अस्पताल में ओपीडी के बाहर मंगलवार को मोटरसाइकिल खड़ी करने पर सुरक्षा गार्ड ने तीमारदार के पैर में डंडा मार दिया। इसका तीमारदार ने विरोध किया और जमकर हंगामा हुआ। मरीज देख रहे डॉक्टर और स्टाफ ओपीडी के बाहर एकत्र हो गए और अन्य सुरक्षा गार्ड भी मौके पर आ गए। स्वास्थ्य अफसरों ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत कराया। तब जाकर स्थिति काबू में आई।

सुभाषनगर निवासी पप्पू अपने एक रिश्तेदार को दिखाने के लिए जिला अस्पताल में दोपहर करीब 12 बजे पहुंचे। उन्होंने जानकारी के अभाव के चलते अपनी बाइक ओपीडी के बाहर खड़ी कर दी। इतने में सुरक्षा गार्ड ने तुरंत गाड़ी हटाने को कहा। पप्पू बाइक हटाते कि इतने में ही गार्ड ने उनके पैर में डंडा मार दिया।

इसका विरोध उनके साथ आई पप्पू की पत्नी ने किया। दोनों ही पक्षों में जमकर नोकझोंक हुई। जानकारी मिलने पर एडीएसआईसी कार्यालय से मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. एलके सक्सेना पहुंच गए और मामला शांत कराते हुए सुरक्षा गार्ड को मरीजों से सुगम व्यवहार करने को कहा और भविष्य में इस प्रकार की चूक पर विभागीय कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है।

सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मदनापुर और खुदागंज क्षेत्र में हुए हादसे

अमृत विचार : जिले में सड़क दुर्घटनाओं में दो लोग घायल हो गए। उन्हें सीएचसी पर लाया गया। यहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मदनापुर क्षेत्र में स्कूटी से टकराकर साइकिल सवार की मौत हो गई है, जबकि खुदागंज में अज्ञात वाहन से बाइक सवार को टक्कर मार दी।

मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव चंदोखा निवासी 70 वर्षीय राम भरोसे लाल मंगलवार की सुबह साइकिल से खेत पर गया था। वह खेत से जानवरों के चारा लेकर साइकिल से दोपहर बाद घर आ रहा था। कटरा-जलालाबाद मार्ग पर चंदोखा गांव के सामने स्कूटी ने साइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में साइकिल सवार राम भरोसे घायल हो गया। घायल को सीएचसी पर लेकर आए। डॉक्टर ने घायल को मृत घोषित कर दिया। स्कूटी सवार के मामूली चोट लगी है। पुलिस ने स्कूटी को कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया।

वहीं खुदागंज थाना क्षेत्र के गांव रामपुर नवदिया निवासी 62 वर्षीय सियाराम सोमवार की दोपहर कटरा बाजार खरीदारी करने के लिए आए थे। वह दोपहर बाद कटरा से खरीददारी करके खुदागंज बाइक से जा रहे थे। कटरा-खुदागंज मार्ग पर भूड़िया गांव के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार घायल होकर बेहोश हो गए। सूचना पर खुदागंज पुलिस और परिवार वाले मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायल को कटरा सीएचसी पर भेज दिया। यहां डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। डॉक्टर घायल को मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे विकास ने अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। मृतक की पत्नी का नाम बिटन्ना देवी और छह बच्चे है। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक राम भरोसे लाल।

अवध असम के यात्री की सतर्कता से टला रेल हादसा

बरेली, अमृत विचार : अवध असम एक्सप्रेस के यात्री की सूझबूझ से मंगलवार को संभावित रेल दुर्घटना टल गई। हरदोई से लगभग 17 किलोमीटर दूर बेहटा गोकुल और टोडरपुर स्टेशन के बीच अवध असम एक्सप्रेस कुछ देर के लिए रुकी थी। तभी यात्री की नजर सामने दूसरे रेलवे ट्रैक पर पड़ी, जहां कई पेंड्रोल क्लिप्स टूटी हुई थीं। यात्री ने तुरंत इसकी सूचना रेल अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही रेलवे की तकनीकी टीम अलर्ट हो गई और संबंधित ट्रैक की जांच कर क्षतिग्रस्त क्लिप्स को बदला गया। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने यात्री की सजगता की सराहना करते हुए कहा कि उसकी समय पर दी गई जानकारी से बड़ी दुर्घटना होने से बच गई। इस क्षेत्र से प्रतिदिन कई महत्वपूर्ण ट्रेनें गुजरती हैं, ऐसे में क्लिप्स टूटने से स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यदि यात्रा के दौरान कोई असामान्य गतिविधि या तकनीकी समस्या नजर आए तो तत्काल हेल्पलाइन या रेल कर्मचारियों को सूचित करें। यात्रियों की सतर्कता और भागीदारी से रेल सुरक्षा को और मजबूत किया जा सकता है।

मंडल में पराली प्रबंधन पर आज बैठक

बरेली, अमृत विचार : बीडीए के नव कार्यालय में कमिश्नर सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में धान की फसल से उत्पादित अपशिष्ट पराली को जलाने से बढ़ रहे प्रदूषण और प्रबंधन पर कार्यशाला बुधवार को आयोजित होगी। प्रदेश में बरेली मंडल में धान का सर्वाधिक उत्पादन किया जाता है जिसके अपशिष्ट के रूप में लगभग 27 लाख मीट्रिक टन पराली प्रत्येक वर्ष उत्पादित होती है। इसके प्रबंधन को लेकर चर्चा की जाएगी। कार्यशाला में यूपी नेडा के निदेशक, संभागीय खाद्य नियन्त्रक डॉ. मनिकंडन ए, संयुक्त आयुक्त उद्योग, उप गन्ना आयुक्त, संभागीय खाद्य विपणन अधिकारी, संयुक्त निदेशक कृषि, उपनिदेशक समेत वॉयलर आधारित उद्योग, सीबीजी प्लांट, प्लाईवुड उद्योग, शुगर मिल्स, राइस मिल्स के पदाधिकारी शामिल होंगे।

बनने के आठ साल बाद अब शुरू हुई लाइब्रेरी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शहर के मोहल्ला सोथा के भंडार कुंआ में शहीदें ए बगदाद हजरत शेख के नाम से बनी लाइब्रेरी का मुख्य अतिथि जिला काजी हजरत अतीफ मियां कादरी और विशिष्ठ अतिथि पूर्व मंत्री आबिद रजा ने उद्घाटन किया। लाइब्रेरी बनाने का काम पूर्व मंत्री ने अपने विधायक के कार्यकाल में शुरू कराया था।

25 अगस्त 2015 को जिला काजी मरहूम हजरत सालिम मियां और पूर्व मंत्री ने लाइब्रेरी की बुनियाद रखी थी। साल 2017 में लाइब्रेरी बन चुकी थी लेकिन शुरूआत नहीं हो सकी थी। फात्मा रजा के नगर पालिका का चेयरमैन बनने के बाद अब आठ साल पुरानी लाइब्रेरी शुरू हुई है। मुख्य अतिथि जिला काजी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इल्म इंसान की जिंदगी में बहुत अहम है। इल्म की वजह से इंसान सर्वोच्च रचना है। इल्म ही इंसान और जानवर को अलग करता है। इल्म इंसान को सलाहियत व दुनिया में अलग मर्तबा देता है। उन्होंने लाइब्रेरी बनाने के लिए पूर्व मंत्री और पालिका चेयरमैन को शुक्रिया कहा। विशिष्ठ अतिथि ने कहा कि शहीदें ए बगदाद हजरत शेख को किताबों से बहुत प्यार था। सभी लोग उनसे बेहइंतहा मोहब्बत व इज्जत करते थे।

इसीलिए उनकी याद में लाइब्रेरी बनाई गई है। जो शहर के सभी मजहब के लोगों के शिक्षा के क्षेत्र में काम आएगी। कहा कि लाइब्रेरी बनाना उनका काम था लेकिन लाइब्रेरी की हिफाजत करना शहर के बुद्धिजीवी व नौजवान लोगों का भी फर्ज है। शहरवासी लाइब्रेरी का स्टेटस मेंटेन रखेंगे। मशहूर शायद दिलकश बदायूंनी, जकी, अनवार नजर ने अपने लिखी किताबें लाइब्रेरी को भेंट की। कारी अब्दुल रसूल, सैय्यद फारूक पीर जी, सभासद नईम, अनवर खां, वाहिद अंसारी, अबरार, नवेद, मुशाहिद, भूरे, अली अल्वी, अनवार नजर, अनवर आलम, जमील सिद्दीकी, खिजर अहमद, एहसान रजा, पूर्व सभासद रईस अहमद, आसिफ अंसारी, इबादुर रहमान, डॉ. आसिफ के अलावा छोटू, बब्लू, फहीम, मोहम्मद मियां, फिरोज अंसारी, डॉ. आशू, अनीस सिद्दीकी, पप्पन, समर आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुहेल सिद्दीकी व फरहत अली ने किया।

उद्घाटन करते जिला काजी हजरत अतीफ मियां कादरी व पूर्व मंत्री आबिद रजा।

न्यायालय उप जिलाधिकारी अतिरिक्त महोदय लखीमपुर खीरी

वाद सं. 1375 ता. पेशी: 11.7.2025

नन्दराम बनाम पप्पू आदि .... प्रतिवादी

1. पप्पू पुत्र श्री रामचन्द्र 2. राजेश कुमार पुत्र श्री राम चंदर 3. रामचंदर पुत्र नत्था 4. श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्री स्व. कल्लू 5. जितेन्द्र संरक्षिका शान्ती देवी 6. अंचल संरक्षिका शान्ती देवी 7. ग्राम सभा ग्राम प्रधान नि. सिसांवा कलां परगना पैला खीरी

चूंकि उपरोक्तनामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 11.07.2025 को 11:00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा। व अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित आज 08.07.2025 को निकाली गयी।

न्यायाधीश

कार्यलय ग्रा.पं. जसूपुर विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञप्ति/2025-26 08.07.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत जसूपुर विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 11.07.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इस दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनु. धनराशि
1.	अवधेश के घर से महेश के घर तक सीसी नाली निर्माण कार्य	प्रा. के अनु.

सचिव प्रधान

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है संतोष देवी पत्नी रामकिशोर निवासी जगतपुर पानी की टंकी के पास थाना बारादरी बरेली ने दिनांक 15.05.2025 को थाना बारादरी पर सूचना दी कि उसका पति रामकिशोर पुत्र चुम्मनलाल निवासी जगतपुर पानी की टंकी के पास थाना बारादरी बरेली लगभग 05 महीने पहले घर से दावत में जाने के लिये गया था जो अभी तक अपने घर नहीं पहुचा है। जिस सम्बन्ध में अपहत की पत्नी संतोष देवी पत्नी रामकिशोर निवासी जगतपुर पानी की टंकी के पास थाना बारादरी बरेली ने थाना बारादरी पर गुमशुदगी दर्ज करायी है। जिस किसी की उक्त रामकिशोर के बारे में कोई जानकारी मिली है तो कृपया निम्न पते पर सूचित करने की कृपा करें। अपहत का हुलिया निम्नवत है:- **अपहत की आंख, नाक, कान औसत कद करीब साढे 5 फुट रंग सांवला उम्र 45 वर्ष। पहनावा-गुलाबी शर्ट और पैन्ट पहचान- माथे पर चोट का निशान।**

प्रभारी निरीक्षक (थाना-बारादरी, जनपद बरेली) मो. 9454403081

सनी चौधरी (उ.नि.) थाना बारादरी जनपद, बरेली

न्यायालय उप जिलाधिकारी सदर, बरेली

वाद सं. T202512130107417 सन् 2025

श्रीमती हीरा कली पत्नी श्री दीनानाथ आयु करीब 45 वर्ष निवासी कटरा चांद खां, परगना तहसील सदर जिला बरेली .... वादिनी

बनाम 1. दयाशंकर पुत्र रामप्रकार उम्र 50 वर्ष निवासी म.नं. 48 कटरा चांद खां परगना तह. व जिला बरेली 2. संजीव कुमार पुत्र श्री जानकी प्रसाद उम्र लगभग 40 वर्ष निवासी ग्राम कमुआ कला परगना तह. व जिला बरेली 3. प्रेम शंकर पुत्र मनोहर लाल आयु 35 वर्ष लगभग निवासी ग्राम कमुआ कला परगना तहसील व जिला बरेली 4. श्रीमती रामवती पत्नी श्री मनोहर लाल आयु करीब 50 वर्ष निवासी ग्राम कमुआ कला परगना तहसील व जिला बरेली 5. गांव सभा द्वारा ग्राम प्रधान ग्राम टंडवा परगना तहसील व जिला बरेली .... प्रतिवादीगण

चूंकि मुसम्मी श्रीमती हीरा कली पत्नी श्री दीनानाथ आपके नाम एक नालिश वास्ते वटवारा के दायर की है, लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप बतारीख 11.07.2025 असालतन या मारफत किसी वकील के जो मुकदमा हाजा में बखूबी वाकिफ हो और जो मुकदमा हाजा की जवाब देही कर सके मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैर हाजिरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा। आज व तारीख 07.07.2025 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

जज

कार्यालय ग्राम पंचायत कुआडांडा वि.ख. नवाबगंज जिला बरेली

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत मनरेगा कार्य योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत को आवंटित उपलब्ध धनराशि को कराये जाने हेतु निम्नांकित विवरणुसार कार्यों के शासकीय विभाग में पंजीकृत उच्च कोटि की सामग्री आपूर्तिदाताओं/फर्मो से उच्च कोटि की ईट, रोड़ा, सीमेंट, बजरी, बजरफुट, रेता, सरिया व अन्य आवश्यक सामग्रियां निर्माण कार्य में प्रयुक्त होती है के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उक्त सामग्री की सीलबंद निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय पर निविदा प्रकाशन तिथि 09.07.2025 प्रातः 10 बजे तक डाली जा सकती है। मोहरबंद 10.07.25 को अपरान्ह 2 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में ग्राम पंचायत अध्यक्ष महोदय की उपस्थिति में खोली जाएगी। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	माप	अनु. लागत
1.	अनवर के घर से दुल्हे खां के घर तक सी.सी. कार्य	70 मी.	464000/-
2.	नौसे खां के घर से बाबू के घर तक सी.सी. कार्य	50 मी.	174681/-
3.	अख्तर के घर से मैशर के घर तक सी.सी. कार्य	49 मी.	274308/-
4.	रोड से भोले खां के घर तक सी.सी. कार्य	42 मी.	138033/-

प्रधान-जोगिंदर यादव सचिव-पुष्पेंद्र शाक्य

एक नजर

विद्यार्थियों ने किया विधान भवन का शैक्षिक भ्रमण

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के तत्वावधान में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के एक दल ने मंगलवार को उप्र. विधानभवन का शैक्षिक भ्रमण किया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनसे आत्मीय संवाद किया और लोकतांत्रिक संस्थाओं की महत्ता और उनकी पारदर्शी कार्यशैली पर प्रकाश डाला। विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे संविधान के आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। छात्र-छात्राओं ने भी विधानसभा कार्यवाही के संचालन, प्रश्नकाल, शून्यकाल, विधेयक निर्माण की प्रक्रिया तथा विभिन्न समितियों के दायित्वों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की और कई प्रश्न पूछे।

बीएसए, बीईओ व प्रबंधक समेत 18 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शिक्षक नियुक्ति में फर्जीवाड़ा : शासन के आदेश पर विजिलेंस वाराणसी शाखा की टीम ने की कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2015-16 व 2016-17 सत्र में वाराणसी के विद्यालयों में हुई जांच में सामने आया भ्रष्टाचार

अमृत विचार : पूर्व माध्यमिक विद्यालयों व जूनियर हाई स्कूल में 2015-16 और 2016-17 सत्र में हुई नियुक्तियों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया गया था। इसकी जानकारी होने पर शासन ने वाराणसी के चिह्नित सात पूर्व माध्यमिक विद्यालयों व जूनियर हाई स्कूलों में नियुक्ति के जांच का आदेश जारी किये थे।

विजिलेंस की वाराणसी शाखा की जांच में फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। जांच रिपोर्ट में इस धांधली में तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) हरिकेश यादव, खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) रामटहल और विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य व कई शिक्षकों की भूमिका पाई गई। इसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, साजिश रचने, धोखाधड़ी समेत कई संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

विजिलेंस की वाराणसी शाखा में तैनात इंस्पेक्टर सुनीता सिंह ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें बताया कि वाराणसी के सात पूर्व माध्यमिक व जूनियर हाईस्कूल में 2015-16 और 2016-17 सत्र में हुए प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक, लिपिक पदों पर विधि विरुद्ध नियुक्ति की गई। इसमें जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, सात विद्यालयों के प्रबंधकों, प्रधानाध्यापकों, सहायक शिक्षकों व लिपिकों के खिलाफ जांच की गई। जांच में सामने आया कि बड़े पैमाने पर धांधली की गई है। इसमें चयनित अभ्यर्थियों के स्थान पर अपने करीबी व रिश्तेदारों की नियुक्तियां की गई है। इस फर्जीवाड़े में तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिकेश यादव, खंड शिक्षा अधिकारी रामटहल समेत 18 लोग दोषी पाये गये हैं। जांच रिपोर्ट शासन को भेजी गई। शासन के आदेश मिलने के बाद वाराणसी विजिलेंस शाखा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

इन विद्यालयों में हुई थीं फर्जी नियुक्तियां

- श्री विश्वकर्मा पूर्व मा. विद्यालय, रौनाखुर्द बेला वाराणसी
- पुष्परंजन बालिका शिक्षा निकेतन, पाण्डेयपुर वाराणसी
- श्री जगनरायन तिवारी विद्यालय साधोगंज, बडागांव, वाराणसी
- ग्राम सेवा मंडल जूनियर हाईस्कूल, नई बस्ती पाण्डेयपुर, वाराणसी
- श्री दुर्गेश्वरी पूर्व माध्यमिक विद्यालय, असवारी कुआर बाजार, वाराणसी

इन्हें बनाया गया आरोपी

विजिलेंस की जांच में तत्कालीन बीएसए हरिकेश यादव, खंड शिक्षा अधिकारी चिरईगांव अरविंद कुमार यादव, दशाश्वमेध जोन बृजेश कुमार राय, रामटहल, सुबाष गुप्ता, जगनरायन तिवारी विद्यालय साधोगंज बड़ागांव के प्रधानाचार्य सत्य कुमार त्रिपाठी, प्रबंध समिति के नामित सदस्य ओम प्रकाश चौबे, ग्राम सेवा मंडल जूनियर हाई स्कूल नई बस्ती पांडेयपुर के प्रधानाध्यापक संजय कुमार जायसवाल, प्रबंधक गणेश यादव, प्रबंध समिति के नामित सदस्य संजय यादव, पुष्परंजन बालिका शिक्षा निकेतन पांडेयपुर के प्रबंध समिति के नामित सदस्य प्रेम शंकर लाल श्रीवास्तव, दुर्गेश्वरी पूर्व माध्यमिक विद्यालय असवारी कुआर बाजार के प्रबंधक सभाजीत सिंह, विश्वकर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय, रौना खुर्द, वाराणसी की सहायक अध्यापिका चित्रा बोस, मंजू कुमार यादव, मीला यादव, पुष्परंजन बालिका शिक्षा निकेतन पांडेयपुर वाराणसी की प्रधानाध्यापिका शीतला, सहायक अध्यापक राकेश, विश्वकर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय रौनाखुर्द बेला वाराणसी के प्रबंधक काशीनाथ विश्वकर्मा को मामले में आरोपी पाया गया। इन सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

निजीकरण के विरोध में 27 लाख बिजली कर्मचारी आज करेंगे सांकेतिक हड़ताल

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा निगमों के निजीकरण के विरोध में देश भर में 27 लाख बिजली कर्मचारी 9 जुलाई को एक दिन की सांकेतिक हड़ताल करेंगे। इस दौरान बिजली कर्मी राजधानी समेत पूरे प्रदेश में पूरे दिन विरोध-प्रदर्शन करेंगे। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी हड़ताल के साथ प्रदेश के एक लाख से अधिक बिजली कर्मी व आउटसोर्स कर्मी शामिल होंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उप्र. के संयोजक शैलेंद्र दुबे व अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि हड़ताल में बिजली के साथ केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम, सरकारी कर्मचारी, निजी कल कारखानों के कर्मचारी भी शामिल होंगे।

होमगार्ड व शिक्षकों की भर्ती में भी महिलाओं को मिले वरीयता

महिला सशक्तिकरण में कई जिले फिसड्डी, योगी ने दी हिदायत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री के समक्ष पेश हुआ डब्ल्यूईई सूचकांक
- लखनऊ, कानपुर और वाराणसी शीर्ष पर
- श्रावस्ती व महोबा में विशेष अभियान चलाने के निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस भर्ती की तर्ज पर होमगार्ड व शिक्षकों की भर्ती में महिलाओं को वरीयता देने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री के समक्ष मंगलवार को डब्ल्यूईई सूचकांक पेश हुआ। इसमें कई जिलों ने जहां प्रगति की, वहीं कई जिले फिसड्डी भी रहे। जिसका संज्ञान लेते हुए योगी आदित्यनाथ ने श्रावस्ती, महोबा जैसे जिलों में विशेष अभियान चलाने की हिदायत दी। वहीं, इस सूचकांक में लखनऊ, कानपुर और वाराणसी शीर्ष पर रहे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित एक बैठक में महिला आर्थिक सशक्तिकरण सूचकांक (डब्ल्यूईई इंडेक्स) की प्रस्तुति की गई। यह सूचकांक योजना विभाग द्वारा उदयती फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि राज्य की योजनाओं और कार्यक्रमों से महिलाओं को कितना लाभ मिल रहा है, इसका सटीक मूल्यांकन किया जा सके और सुधार के लिए दिशा तय की जा सके।

इस सूचकांक में पांच प्रमुख विषयों, उद्यमिता, रोजगार, शिक्षा और कौशल, आजीविका तथा सुरक्षा और आवागमन से जुड़ी सुविधाओं के आधार पर प्रदेश के सभी 75 जिलों का मूल्यांकन किया गया है। यह सूचकांक यह बताता है कि किस जिले में महिलाओं को योजनाओं का लाभ मिला और कहां अभी और प्रयासों की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह सूचकांक मुख्यमंत्री नियंत्रण कक्ष से जोड़ा जाए और सभी संबंधित विभाग इसे नीति निर्माण और निगरानी के एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में अपनाएं। प्रत्येक विभाग को निर्देशित किया गया कि वे इस सूचकांक के आधार पर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए ठोस कार्य योजनाएं बनाएं। जिलों को भी सूचकांक के अनुसार अपनी रणनीति तय करनी होगी ताकि स्थानीय स्तर पर योजनाओं का प्रभाव अधिक हो सके।

प्रस्तुति में यह भी सामने आया कि कई योजनाओं में कुछ जिलों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि कुछ जिलों में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम रही। उदाहरण के लिए, लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी जैसे जिलों में योजनाओं का लाभ महिलाओं तक बेहतर ढंग से पहुंचा है, जबकि श्रावस्ती, संभल, महोबा, बलरामपुर और सिद्धार्थनगर जैसे जिलों में विशेष प्रयासों की आवश्यकता महसूस की गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन जनपदों में अभी तक महिलाओं को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया है, वहां विशेष प्रयत्न किए जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि होमगार्ड एवं शिक्षकों की नई भर्तियों में पुलिस भर्ती की तर्ज पर महिलाओं को वरीयता दी जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और सेवाक्षेत्र से जुड़ी शिक्षा में महिलाओं को आगे लाने के लिए पैरामेडिकल संस्थानों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

सूचकांक केवल रिपोर्ट नहीं, कार्य का आधार बनाएं

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी विभागों से अपेक्षा की कि वे इस सूचकांक को केवल रिपोर्ट मानकर न छोड़ें, बल्कि इसे कार्य का आधार बनाएं और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की महिलाएं यदि योजनाओं की मूल शक्ति बनेंगी, तभी समाज और राज्य की समग्र प्रगति सुनिश्चित हो सकेगी।

18 मंडलों में आज लगाए जाएंगे 37 करोड़ पौधे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 26 सरकारी विभाग, 25 करोड़ नागरिक रचेंगे इतिहास
- अयोध्या व आजमगढ़ में पौधरोपण कर महाभियान की शुरुआत करेंगे मुख्यमंत्री
- राज्यपाल बाराबंकी, उप मुख्यमंत्री केशव मेरठ में करेंगे पौधरोपण

अमृत विचार : राज्य के 18 मंडलों में 26 सरकारी विभाग, 25 करोड़ नागरिक बुधवार को 37 करोड़ पौधे लगाकर एक नया इतिहास रचेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक पेड़ मां के नाम 2.0 थीम पर अयोध्या व आजमगढ़ में पौधरोपण कर महाभियान की शुरुआत करेंगे।

जबकि राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बाराबंकी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मेरठ व ब्रजेश पाठक लखनऊ में पौधरोपण करेंगे। इससे पहले मंगलवार को नोडल अधिकारियों ने इस महाअभियान की व्यवस्था परखी और वन विभाग के अधिकारियों संग इसे अंतिम रूप भी दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम 2.0 थीम पर प्रदेश में 9 जुलाई बुधवार को एक दिन में 37 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा। मुख्यमंत्री अयोध्या और आजमगढ़ में पौधरोपण महाभियान-2025 की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस अभियान के लिए नर्सरियों व अन्य स्थानों पर 52.43 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं। योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी मंत्री जिलों में रहकर पौधरोपण करेंगे।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बाराबंकी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मेरठ व ब्रजेश पाठक लखनऊ में पौधरोपण करेंगे। इसके अतिरिक्त सभी कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व राज्यमंत्री जिलों में पहुंचकर एक पेड़ मां के नाम लगाएंगे। इसके अलावा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व राज्यमंत्री भी विभिन्न जिलों में जाकर पौधरोपण कराएंगे।

नोडल अफसरों की हुई तैनाती

अमृत विचार : पौधरोपण महाभियान को सफल बनाने के लिए शासन से नामित नोडल अधिकारियों की सभी 75 जिलों में मंगलवार से ही तैनाती कर दी गई। इस क्रम में पेयजल मिशन ग्रामीण के प्रबंध निदेशक डॉ. राजशेखर को वाराणसी, प्रमुख सचिव नियुक्ति एम. देवराज को प्रयागराज, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद को जौनपुर, चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की सचिव डॉ. पिंकी जोवेल को मीरजापुर और सिंचाई विभाग के सचिव जीएस नवीन को आजमगढ़ को नोडल अफसर बनाया गया है। सचिव बेसिक शिक्षा सारिका मोहन को बाराबंकी, सचिव खेल सुहास एलवाई को गोरखपुर, स्कूल शिक्षा की महानिदेशक कंचन वर्मा को गोंडा, प्रमुख सचिव सिंचाई व जल संसाधन अनिल गर्ग को अयोध्या, प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य पार्थसारथी सेन शर्मा को लखनऊ, आवास आयुक्त बलकार सिंह को मेरठ, प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात को गाजियाबाद तथा प्रमुख सचिव पर्यटन-संस्कृति मुकेश मेश्राम को नोएडा का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ अन्य सभी जिलों में नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है।

यूपी में नागपुर जैसा केंद्र बना रही आरएसएस : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि आरएसएस उत्तर प्रदेश में नागपुर जैसा केन्द्र बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा समाज में झूठ और नफरत फैलाती है। झूठ फैलाकर विरोधियों को बदनाम करती है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान विरोधी है।

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं को सम्बोधित करते हुए मंगलवार को अखिलेश यादव ने कहा कि हर योजना और काम में भ्रष्टाचार और लूट है।

बच्चों ने सौंपी गुल्लक की धनराशि

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में मंगलवार को गोरखपुर से आयी कक्षा तीन की 8 वर्षीय बालिका रश्मिका यादव और कक्षा 6 के 11वर्षीय बालक राजेश यादव विक्की ने अपने गुल्लकों की पूरी धनराशि पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को भेंट की। अखिलेश यादव ने इन बच्चों की भावनाओं की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इससे पूर्व अखिलेश ने सपा संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव का स्मारक बनाने के लिए जनता से सहयोग की अपील की थी।

शिक्षुता प्रशिक्षण को लेकर बढ़ा आकर्षण

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के तहत प्रदेश में शिक्षुता प्रशिक्षण को लेकर आकर्षण बढ़ रहा है। बीते पांच वर्षों में अभ्यर्थियों की संख्या में चार गुना बढ़ोतरी हुई है। शासन के अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने और उन्हें हुनरमंद बनाने के लिए शिक्षुता प्रशिक्षण योजना को नई दिशा दी है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में जहां 19,937 अभ्यर्थियों को अप्रेंटिसशिप के लिए चयनित किया गया था, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 84,418 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में यह योजना अब राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) के रूप में ऑनलाइन पोर्टल से संचालित की जा रही है।

परिवहन निगम के चालकों व परिचालकों को मिला बोनस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महाकुंभ ड्यूटी के लिए 24,071 कर्मियों के खातों में भेजी गई 24.71 करोड़ की राशि : दयाशंकर

अमृत विचार : महाकुंभ 2025 में अपनी सेवाएं देने वाले उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के चालकों और परिचालकों को 10 हजार रुपये बोनस की राशि उनके खातों में ट्रांसफर कर दी गई है। यह फैसला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पूर्व में की गई घोषणा के तहत लागू किया गया। इस योजना के अंतर्गत कुल 24,71,00,000 रुपये (चौबीस करोड़ इकहत्तर लाख) की राशि 11786 चालकों और 12285 परिचालकों सहित कुल 24071 कर्मचारियों को उनके खातों में भेजी गई।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मंगलवार को यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि बोनस न केवल कर्मियों के लिए प्रोत्साहन है, बल्कि आने वाले समय में और बेहतर सेवा के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनेगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि महाकुंभ-2025 में राज्य के सभी 19 क्षेत्रों से कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने पूरी तत्परता से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

कांवड़ यात्रा के दौरान 24 घंटे हो बिजली आपूर्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में कांवड़ यात्रा की तैयारी की समीक्षा करते नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा।

- ऊर्जा मंत्री ने नगर विकास व ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक, दिए निर्देश

अमृत विचार : नगर विकास व ऊर्जा मंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्गों, पांडालों व शिविरों, शिवालयों व मंदिरों के आस-पास 24 घंटे बिजली आपूर्ति की सुनिश्चित की जाए। रात्रि में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जिससे रात्रि में यात्रा करते हुए श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। ऊर्जा मंत्री मंगलवार को जल निगम के फील्ड हास्टल 'संगम' में नगर विकास व ऊर्जा विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विद्युत दुर्घटना को रोकने के लिए इन स्थानों पर विद्युत पोल, स्टेवायर व ट्रांसफार्मर में करंट उतरने की समय से जांच कर ली जाए। बीते वर्षों में हुई विद्युत दुर्घटनाओं से सीख लेते हुए लोगों को सजग व जागरूक करें। सड़क को पार कर रही लाइन के नीचे सुरक्षा तार लगाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कांवड़ यात्रा मार्गों पर लगी स्ट्रीट लाइट को ठीक कराया जाए और संपूर्ण मार्ग को गड्ढामुक्त भी किया जाए। श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बनाये गये पांडालों व शिविरों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, मोबाइल ट्वायलेट की व्यवस्था, डस्टबिन और नियमित साफ-सफाई व कूड़ा प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की जाए। कांवड़ मार्गों, शिवालयों व मंदिरों के आस-पास साफ-सफाई की व्यवस्था रहे। नियमित रूप से सफाई के लिए कर्मियों की पर्याप्त संख्या में तैनाती की जाए।

आस्था का राजनीतिक दुरुपयोग कर रहे अखिलेश : स्वतंत्र देव

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर आस्था का राजनीतिक दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग कभी रामभक्तों पर गोलियां चलवा चुके हैं, वे आज श्रद्धालुओं के हित की बातें करके जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। स्वतंत्र देव के मुताबिक, सपा शासनकाल में न तो कांवड़ यात्रा की गरिमा का ध्यान रखा गया और न ही सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई।

वर्ग पहेली-26

बाएं से दाएं

1. जिसका संस्कार हुआ हो।
5. 1. जगमगाने की अवस्था या भाव, दमक 2. प्रकाश में होने वाली चमक, चमचमाहट।
7. 1. वनरक्षक, वनमाली, बागवान, (गार्डनर) 2. माला बनाने वाला व्यक्ति 3. बादल, मेघ 4. बहुत घने जंगलों वाला प्रदेश।

ऊपर से नीचे

1. 1. नाज़ुक 2. जोखिम भरा 3. संकट में फंसा हुआ।
2. विभाजन करने वाला, अलग-अलग हिस्सों में बांटने वाला।
3. 1. धुआं 2. बादल 3. धूमकेतु 4. उल्कापात 5. कोहरा 6. अपच के कारण आने वाली डकार 7. एक ऋषि 8. मकान बनाने के लिए तैयार किया गया स्थान।
4. वह कागज़ जिसपर संपत्ति गिरवी रखने की शर्तें लिखी गई हों।
6. गीदड़ नामक जानवर।

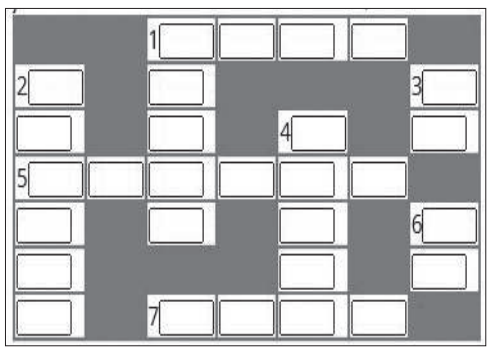

वर्ग पहेली -25 का हल

		1 पु				2 चु
3 अ	व	स	रा	नु	कू	ल
व			भि			बु
पी			ले			ल
ड़			खा		4 वा	
न		5 ठ	गा	ठ	गी	
	6 दी	ग	र		श	

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 जुलाई, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आषाढ़, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी-10 जुलाई 01.36 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

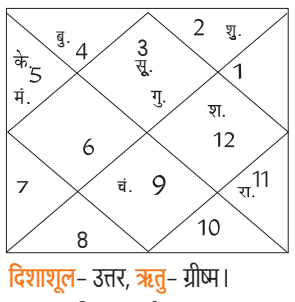

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- ग्रीष्म।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मूल 10 जुलाई 04.50 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष
आज विवादित मामले उभरने की आशंका है। उधार दिया हुआ धन अटक सकता है। उच्च शिक्षा के लिए विदेश यात्रा कर सकते हैं। घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। महिलाओं से अधिक बहसबाजी न करें। जीवनसाथी की सलाह लेना हितकारी होगा।

वृष
आज का दिन कुछ कमजोर हो सकता है। शत्रु पक्ष को कमजोर आंकने की गलती न करें। छोटे बच्चों की परेशानियों को हल्के में न लें। पेट में जलन महसूस हो सकती है। शाम के समय मित्रों के साथ अच्छा समय बितायेंगे।

मिथुन
आज कार्यक्षेत्र में आपको प्रशंसा प्राप्त होगी। साझेदारी में काम करने से लाभ मिलेगा। परिवार में विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। भाई-बन्धुओं के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। आपकी आय में वृद्धि होगी। नए कार्यों की शुरुआत करने के लिए दिन शुभ है।

कर्क
आज कार्यक्षेत्र में अधिकारियों की आज्ञा का पालन करना पड़ेगा। अनावश्यक बातों पर ध्यान न दें। गूढ़ विषयों का अध्ययन करने में रुचि जागृत होगी। विरोधियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। समाज में आपकी ख्याति में वृद्धि होगी।

सिंह
आज आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रसन्न होंगे। मित्रों से अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कर सकते हैं। सामाजिक कार्यों में आपका मन लगेगा। तनावों को अपने ऊपर हावी न होने दें। विद्यार्थी आज कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं।

कन्या
आज व्यापार में नया प्रयोग कर सकते हैं। परोपकार में धन खर्च करेंगे। अपनी क्षमताओं को विकसित करने का प्रयास करें। मित्र आपसे मिलने घर आ सकते हैं। शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिए। संपत्ति के क्रय-विक्रय से आपको लाभ होगा।

तुला
आज जीवनसाथी के साथ रोमान्टिक पलों का आनन्द उठायेंगे। अविवाहित लोगों का विवाह तय होगा। पिकनिक का विचार बना सकते हैं। सरकारी कार्यों में आपको काफी अच्छा लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में आपको उच्च पद मिल सकता है।

वृश्चिक
आज परिजनों के साथ संवाद बनाकर रखें। इससे आपके मन का तनाव दूर होगा। जीवन में उन्नति के नये अवसर बनेंगे। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। अति आत्मविश्वास के कारण नुकसान हो सकता है।

धनु
आज आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। जॉब में उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। मनोनुकूल काम होने से आप प्रसन्न रहेंगे। कारोबार में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

मकर
आज आपकी सोच के अनुसार काम नहीं होंगे। विद्यार्थियों को एकाग्रता में कमी महसूस होगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। वैवाहिक जीवन में सामंजस्य कम हो सकता है।

कुंभ
आज कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम होगा। कला जगत से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। परिस्थितियों में धीरे-धीरे सुधार आयेगा। पुराने मित्रों के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा। काम के तरीके में बदलाव ला सकते हैं।

मीन
आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रबंधन संबंधी प्रोजेक्ट्स में सफलता मिलेगी। परिवार के लोगों को आप काफी समय देंगे। स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार होगा। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। काम करने के तरीके में बदलाव ला सकते हैं।

सुडोकू-33

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2		7	5			4
			1			8		
9			3	8		5		6
		6		2			3	
	4		8		1		7	
	5			9		1		
6		1		5	8			9
		7			4			
4			7	3		2		

सुडोकू - 32 का हल

8	7	4	9	5	1	6	3	2
6	5	2	4	3	8	9	1	7
3	9	1	6	7	2	8	4	5
5	1	7	8	4	9	2	6	3
9	8	3	5	2	6	4	7	1
4	2	6	3	1	7	5	8	9
7	4	8	1	9	5	3	2	6
2	6	5	7	8	3	1	9	4
1	3	9	2	6	4	7	5	8

व्यापार समझौते पर सावधानी बरते भारत

जीटीआरआई ने कहा- जवाबी शुल्क के सामने झुकाने का है अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का मॉडल

- समयसीमा बढ़ाए जाने से भारत को मिला तीन सप्ताह का समय

नई दिल्ली, एजेंसी

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देते समय भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का मॉडल मुक्त व्यापार समझौते का नहीं बल्कि अमेरिकी जवाबी शुल्क के सामने झुकने का है।

शोध संस्थान ने कहा कि अमेरिका ने बढ़ाए शुल्क लागू करने की समय-सीमा को नौ जुलाई से बढ़ाकर एक अगस्त कर दिया है, जिससे देश-विशिष्ट शुल्क लागू होने से पहले अंतिम तीन सप्ताह का समय मिल जाएगा। ट्रंप ने कार्यकारी आदेश में कई देशों पर बढ़ाए शुल्क को टालने की अवधि 1 अगस्त तक बढ़ा दी है। शुल्क पर यह 90 दिवसीय निलंबन नौ जुलाई को समाप्त होना था। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को कई देशों को पत्र भेजे, जिसमें उनके उत्पादों पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले शुल्कों का ब्योरा है। इन देशों में हालांकि भारत को शामिल नहीं किया गया। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, अब ट्रंप दबाव बढ़ा रहे हैं। 7 जुलाई को उन्होंने 14 देशों को भेजे पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें बताया गया कि यदि वे समझौता करने में विफल रहे तो 1 अगस्त से उन्हें कितने शुल्क का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप प्रशासन ने जापान, दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान, मलेशिया, ट्यूनीशिया पर सोमवार को 25% शुल्क लगाने की घोषणा की। श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका के अंतिम नोटिस में दी चेतावनियों में देशों के पास दो विकल्प हैं कि वे अमेरिकी शर्तों पर हस्ताक्षर करें या जवाबी शुल्क का सामना करें। चीन से अमेरिका का आयात मई 2025 में सालाना आधार पर 35% कम था। समयसीमा के खत्म होने की ओर बढ़ते हुए.. आगामी दिनों में समझौते की घोषणा करने वालों की सूची में भारत सबसे आगे नजर आ रहा है लेकिन उसे सावधानी से आगे बढ़ना होगा। श्रीवास्तव ने आगाह किया कि समझौतों को दरकिनार करने तथा ब्रिक्स सदस्यों पर एकतरफा शर्तें थोपने की अमेरिका की इच्छा जाहिर करने के मद्देनजर भारत को असंतुलित समझौते के जोखिमों और संबंधों के महत्व पर गौर करना चाहिए।

भारत को कपड़ा, फुटिवयर क्षेत्रों में होगा लाभः निर्यातक

नई दिल्ली। बांग्लादेश और थाइलैंड सहित एक दर्जन से अधिक देशों पर उच्च शुल्क लगाने के अमेरिका के फैसले के बाद भारत के परिधान और फुटवियर जैसे निर्यात क्षेत्रों को वहां के बाजार में प्रतिस्पर्धी लाभ मिलने की उम्मीद है। निर्यातकों ने यह बात कही। बांग्लादेश 2024 में 13.15% बाजार हिस्सेदारी के साथ अमेरिका को परिधान (बिना बुना हुआ) का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। इस क्षेत्र में भारत का अमेरिका को निर्यात 2.5 अरब डॉलर था। लेकिन भारत शीर्ष तीन देशों में नहीं है। बुने हुए परिधानों में कम्बोडिया की हिस्सेदारी 6% है और वह भारत (5.09%) से आगे है। एक निर्यातक ने कहा, अमेरिकी परिधान बाजार में भारत को बांग्लादेश और वियतनाम से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। बांग्लादेश पर उच्च शुल्क से अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो (फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि चमड़ा और परिधान जैसे क्षेत्रों को भारत के प्रतिस्पर्धी देशों से प्रतिस्पर्धी लाभ मिल सकता है। मुंबई के एक निर्यातक ने कहा कि थाइलैंड पर बढ़े हुए शुल्क से रबड़ और उसके उत्पादों के निर्यात में बढ़ोतरी हो सकती है।

टमाटर महंगे, शाकाहारी-मांसाहारी थाली के बढ़े दाम

बारिश के मौसम में आवक कम होने से टमाटर के दाम बढ़ने के साथ ही रसोई पर भी भार बढ़ गया है, जिसने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। क्रिसिल के अनुसार शाकाहारी थाली की कीमत में तीन तो मांसाहारी थाली की कीमतों में चार प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई। वहीं आवक में 8% की गिरावट से टमाटर के दाम बढ़ गए है और आलू के दाम में भी 4% की वृद्धि दर्ज की गई, जिसका सीधा असर आम लोगों की जेबों पर पड़ता दिखाई दे रहा है।

ब्रॉयलर की कीमतों में 5% की हुई वृद्धि

शाकाहारी थाली की कीमत मई में 26.2 रुपये की तुलना में जून में 3% बढ़कर 27.1 रुपये हो गई, जबकि मांसाहारी थाली की कीमत मई में 52.6 रुपये थी जो जून में 4% बढ़कर 54.8 रुपये हो गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की मासिक 'रोटी, चावल, दर' रिपोर्ट के अनुसार आवक में 8% की गिरावट से जून में टमाटर की कीमत में 36% की वृद्धि हुई, जिससे थाली की कीमत बढ़ गई। वहीं आलू की कीमत में 4% की वृद्धि हुई है। वहीं मांसाहारी थाली में ब्रॉयलर की कीमतों में 5% की वृद्धि हुई है। क्रिसिल के निदेशक पुशन शर्मा ने कहा कि मौसमी बदलावों से सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी से थाली की लागत बढ़ेगी। प्याज के आवक में अभाव और रबी स्टॉक को नियंत्रित ढंग से जारी किये जाने से और टमाटर की गर्मियों में कमजोर बुवाई से कीमते बढ़ेगी। सालाना आधार पर शाकाहारी भोजन में 8% और मांसाहारी भोजन में 6% की गिरावट आई है।

शाकाहारी थाली की लागत

- **शाकाहारी थाली** = (चावल/रोटी) + (दाल की लागत) + (सब्जियों की लागत) + (तेल की लागत) + (मसालों की लागत) + (अन्य जैसे अचार/सलाद)

मांसाहारी थाली की लागत

- **मांसाहारी थाली** = शाकाहारी थाली + (मांस/ब्रॉयलर की लागत) + (अतिरिक्त तेल व मसालों की लागत)

मई-जून में थालियों के मूल्य

थाली	मई	जून	बदलाव (%)
शाकाहारी थाली	26.2	27.1	3% वृद्धि
मांसाहारी थाली	52.6	54.8	4% वृद्धि

जेन स्ट्रीट की जांच 2024 में शुरू हुई : बुच

मुंबई, एजेंसी

- सेबी की पूर्व चेयरपर्सन ने नियामकीय विफलता का आरोप लगाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण बताया

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने मंगलवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक अप्रैल, 2024 से जेन स्ट्रीट मामले पर नजर रखे हुए है। उन्होंने नियामकीय विफलता का आरोप लगाने के प्रयासों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

लिखित बयान में बुच ने जेन स्ट्रीट के खिलाफ सेबी के अंतरिम आदेश के घटनाक्रम का उल्लेख किया। सेबी ने विदेशी हेज कोष जेन स्ट्रीट पर हेराफेरी के जरिये वायदा एवं विकल्प सौदों से अर्जित 4,800 करोड़ से अधिक राशि को जब्त करने और उसकी बाजार पहुंच रोकने का पिछले सप्ताह आदेश जारी किया था। बुच ने कहा, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक वर्ग स्पष्ट तथ्यों को नजरअंदाज कर यह कहकर गलत कहानी गढ़ने का प्रयास कर रहा है कि सेबी की ओर से नियामकीय विफलता हुई है। घटनाक्रम से पता चलता है कि सेबी ने मामले की जांच अप्रैल, 2024 में ही शुरू कर दी थी। नियामक ने कई कदम उठाए हैं, जिनमें सूचकांक में हेरफेर की पहचान, परिपत्र जारी करना और जेन स्ट्रीट को अप्रैल, 2024 से फरवरी, 2025 के बीच कुछ खास ट्रेडिंग पैटर्न को बंद करने और रोकने के लिए चेतावनी पत्र जारी करना शामिल है। अक्टूबर, 2024 में सेबी द्वारा भी नीतिगत हस्तक्षेप शुरू किए और अंततः फरवरी, 2025 में सेबी ने एनएसई को जेन स्ट्रीट को बंद करें एवं रोकें पत्र जारी करने का निर्देश दिया।

फास्टैग से टोल संग्रह 19.6% बढ़कर 20,682 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (एनईसीटी) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में फास्टैग के जरिये राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल संग्रह 19.6 प्रतिशत बढ़कर 20,681.87 करोड़ रुपये हो गया।

एनईटीसी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में टोल उपयोगकर्ताओं की संख्या भी 16.2 प्रतिशत बढ़कर 117.3 करोड़ हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 100.98 करोड़ थी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एक अप्रैल, 2025 से देशभर के राजमार्ग खंडों पर टोल शुल्क में औसतन 4-5 प्रतिशत की वृद्धि की थी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल में कहा था कि सरकार 15 अगस्त से निजी वाहनों के लिए 3,000 रुपये की कीमत वाला फास्टैग-आधारित वार्षिक पास पेश करेगी।

बैंक और आईटी ने शेयर बाजार को दिया बल

मुंबई, एजेंसी

- सेंसेक्स 270 अंक चढ़ा तो निफ्टी 25,500 अंक के ऊपर हुआ बंद

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 270 अंक के लाभ में रहा। वहीं एनएसई का निफ्टी 25,500 अंक के ऊपर बंद हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में मजबूत रुख के साथ बैंक तथा चुनिंदा आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार में मजबूती आई।

बीएसई का सेंसेक्स 270.01 अंक की तेजी के साथ 83,712.51 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 18 लाभ में जबकि 12 नुकसान में रहे। एनएसई का निफ्टी 61.20 अंक की बढ़त के साथ 25,522.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार समाप्त होने से पहले कुछ शेयरों में लिवाली हुई। निवेशकों को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में ठोस प्रगति का इंतजार है। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि., अदाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस और भारतीय स्टेट बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। हालांकि, टाइटन में 6% से ज्यादा की गिरावट आई। इसके अलावा ट्रेंट, एक्सिस बैंक, मारुति और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर नुकसान में रहे।

एशियाई बाजारों में भी बढ़त

बीएसई स्मॉलकैप 0.17% नीचे आया, जबकि मिडकैप 0.01% की मामूली बढ़त के साथ स्थिर रहा। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में बंद हुए। यूरोप में दोपहर के कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.59% टूटकर 69.17 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 321.16 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 1,853.39 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

राष्ट्रीय

एक नजर

इंडिगो के विमान में बम की अफवाह पर प्राथमिकी

चंडीगढ़। हैदराबाद से गत सप्ताह शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे इंडिगो के विमान में बम की अफवाह के संबंध में पंजाब पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि 5 जुलाई को हवाई अड्डे पर उतरने के बाद विमान की सफाई के दौरान उसके शौचालय में अंदर बम है लिखा एक टिशू पेपर मिला था। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अमरप्रीत सिंहने बताया कि ये सूचना लिखी मिलने के बाद विमान की गहन तलाशी ली गई, लेकिन इस दौरान कोई विस्फोटक नहीं मिला।

एमबीबीएस छात्र की याचिका पर सुनवाई से शीर्ष इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एमबीबीएस छात्र की उस याचिका पर सुनवाई करने से मंगलवार को इनकार कर दिया, जिसमें उसने ओडिशा स्थित मेडिकल कॉलेज में उसका दाखिला कोई पूर्व सूचना दिए बिना रद्द किए जाने को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और आर महादेवन की आंशिक कार्य दिवस (पीडब्ल्यूडी) पीठ ने छात्र के वकील हर्षित अग्रवाल से कहा कि वह अपनी शिकायतें लेकर हाईकोर्ट जाएं। याचिका को वापस लिया गया मानकर खारिज किया जाता है।

हिरासत में भेजे गए विधि छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी

कोलकाता। अलीपुर अदालत ने मंगलवार को साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म में आरोपी तीन लोगों को 22 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस अभियोजकों ने अनुरोध किया कि मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा, जैब अहमद तथा प्रमित मुखर्जी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाए, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

वन भूमि पर बना सकते हैं स्कूल-सड़क

पर्यावरण मंत्रालय को लिखे पत्र में एमओटीए ने कहा- सार्वजनिक निर्माण के लिए मंजूरी जरूरी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- अधिनियम बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए वन भूमि के सीमित उपयोग की देती है अनुमति

जनजातीय मामलों के मंत्रालय (एमओटीए) ने पर्यावरण मंत्रालय को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि वन अधिकार अधिनियम (एफआरए)-2006 के तहत वन भूमि पर स्कूल, आंगनवाड़ी और सड़क जैसी सार्वजनिक सुविधाओं के निर्माण के लिए वन्यजीव मंजूरी जरूरी नहीं है, बशर्ते कि इनकी सिफारिश ग्राम सभा द्वारा की गई हो। मंत्रालय ने दो जुलाई को जारी ज्ञापन में एफआरए की धारा 3(2) को लेकर यह स्पष्टता दी है।

यह धारा वन क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों व अन्य पारंपरिक वनवासियों (ओटीएफडी) के लिए बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए वन भूमि के सीमित उपयोग की अनुमति देती है। इसमें स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़कें और सिंचाई परियोजनाएं हैं। ज्ञापन अनुसार, एफआरए की धारा 3(2) कहती है कि वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 में जो भी नियम हैं, उसके बावजूद केंद्र सरकार वन भूमि को स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क जैसी जरूरी सुविधाएं बनाने को इस्तेमाल करने की अनुमति दे सकती है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि ग्राम सभा इसे मंजूरी दे। अक्टूबर 2020 में जारी पत्र में, पर्यावरण मंत्रालय ने कहा था कि एफआरए की धारा 13 जो कहती है कि कानून फिलहाल लागू किसी अन्य कानून के अतिरिक्त है और उसका खंडन नहीं करता है, का तात्पर्य है कि धारा 3(2) को लागू करने के लिए वन्यजीव मंजूरी की जरूरत होगी। जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने अब यह स्पष्ट किया है कि एफआरए की धारा 3(2) संवैधानिक अधिकारों और सुरक्षा उपायों में निहित है, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(ई) और 21, साथ ही पांचवीं और छठी अनुसूचियां शामिल हैं, जो जनजातीय अधिकारों की रक्षा करती हैं। पत्र अनुसार, धारा 3(2) के तहत वन भूमि के उपयोग में बदलाव के अधिकार को धारा 2(ई), 4(1), 4(2) और 4(7) के साथ पढ़ाना चाहिए। ये प्रावधान पुष्टि करते हैं कि वन अधिकार आदिवासी और वनवासी समुदायों में ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने के लिए निहित हैं। शोधकर्ता सीआर बिजॉय ने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय के 2020 के पत्र का वन अधिकारियों द्वारा एफआरए की धारा 3(2) के तहत वन गांवों में बुनियादी सुविधाओं को अवरुद्ध करने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया गया है, जबकि राज्यों को कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं किया गया है।

कक्षा छह में 53% विद्यार्थी ही जानते हैं 10 तक का पहाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

- शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, कक्षा 3 के 55% छात्र 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में कर सकते हैं व्यवस्थित

शिक्षा मंत्रालय के सर्वेक्षण अनुसार कक्षा 3 के 55% छात्र 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर सकते हैं, जबकि कक्षा 6 के 53% छात्र 10 तक का पहाड़ा जानते हैं। समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण (परख) राष्ट्रीय सर्वेक्षण, जिसे पहले राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) के रूप में जाना जाता था, पिछले साल चार दिसंबर को आयोजित किया गया था।

इस सर्वेक्षण में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 781 जिलों के 74,229 स्कूलों में कक्षा 3, 6 और 9 के सरकारी और निजी दोनों स्कूलों के 21,15,022 छात्रों को शामिल किया गया था। तीनों कक्षाओं के 1,15,022 बच्चों का मूल्यांकन हुआ और 2,70,424 शिक्षकों और स्कूल का नेतृत्व करने वालों ने प्रश्नावली के माध्यम से जवाब दिया। रिपोर्ट के अनुसार, कक्षा 3 के 55% विद्यार्थी ही 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर सकते हैं, जबकि 58% विद्यार्थी दो अंकों की संख्याओं का जोड़ और घटाव कर सकते हैं। छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर गणित में सबसे कम अंक (46%) प्राप्त किए, जबकि भाषा में औसतन 57% और हमारे आस-पास की दुनिया में 49% अंक प्राप्त किए। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, ऐसे उदाहरण जहां 50% से कम छात्र सही उत्तर देने में सक्षम थे। कक्षा नौ में केंद्र सरकार के स्कूलों के छात्रों ने सभी विषयों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, भाषा में स्पष्ट बढ़त हासिल की।

खरगे ने किया मुर्मू-कोविंद के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- भाजपा ने आरोप लगाते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए कहा

भाजपा ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के खिलाफ कुछ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर उनका अपमान करने का आरोप लगाया और उनसे तथा उनकी पार्टी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहा।

एक दिन पहले खरगे ने छत्तीसगढ़ में राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के नामों का गलत उच्चारण किया था, लेकिन तुरंत ही गलती सुधार ली। खरगे ने सोमवार को रायपुर की जनसभा में कहा था, भाजपा हमेशा द्रौपदी मुर्मू और (रामनाथ) कोविंद को राष्ट्रपति बनाने की बात करती है, लेकिन क्या पार्टी ने ये सब हमारी संपत्ति, जंगल, जल और जमीन छीनने के लिए किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि खरगे ने राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। भाटिया ने कहा खरगे ने रामनाथ कोविंद को कोविड और राष्ट्रपति को मुरमा कहा और राष्ट्रपति मुर्मू को भू-माफिया कहते हैं और आरोप लगाते हैं कि वह संपत्ति, जंगल छीनने के लिए राष्ट्रपति बनी हैं।

नेशनल हेराल्डः ईडी ने आरोपियों की दलीलों का किया विरोध

नई दिल्ली। ईडी ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मामले में आरोपियों की दलीलों का विरोध किया। आरोपियों ने अपनी दलीलें पूरी कर लीं। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के समक्ष पेश होते हुए अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल एसवी राजू ने तर्क दिया कि नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र प्रकाशित करने वाली एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और यंग इंडियन के बीच हुआ लेन-देन एक दिखावा था। संघीय एजेंसी ने सोनिया और राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस, साथ ही सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी यंग इंडियन पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से संबंधित 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियों के धोखाधड़ी से अधिग्रहण पर साजिश और धन शोधन का आरोप लगाया है।

- एजेएल और यंग इंडियन के बीच किया गया लेन-देन एक दिखावा था

दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहनों पर लगने वाला प्रतिबंध एक नवंबर तक स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीएक्यूएम ने समीक्षा बैठक में निर्देशों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का लिया निर्णय

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता पर केंद्र के आयोग ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों (ईओएल) में ईंधन भरने पर प्रतिबंध के कार्यान्वयन को एक नवंबर तक स्थगित करने का निर्णय लिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

ईओएल वाहन 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल वाहन और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन हैं। पहले जारी निर्देशों के अनुसार, ऐसे वाहनों को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाना था, चाहे वे किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से ऐसे वाहनों पर कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया था। उन्होंने इसको समय से पूर्व उठाया व संभावित रूप से प्रतिकूल कदम बताते हुए परिचालन और ढांचागत चुनौतियों का हवाला दिया था।

सूत्रों ने बताया कि सीएक्यूएम ने समीक्षा बैठक में दिल्ली में निर्देशों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का निर्णय लिया। दिल्ली में यह अभियान राष्ट्रीय राजधानी से सटे पांच उच्च वाहन घनत्व वाले जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत के साथ इस साल एक नवंबर से शुरू होगा। दिल्ली के ईंधन स्टेशनों ने समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों का पता लगाने के लिए स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरे लगाए हैं।

तमिलनाडु में स्कूल वैन ट्रेन की चपेट में आई, तीन छात्रों की मौत

कडलूर (तमिलनाडु)। तमिलनाडु में कडलूर जिले के सेम्मनगुप्पम में मंगलवार सुबह स्कूल वैन के ट्रेन की चपेट में आने से तीन छात्रों की मौत हो गई। दक्षिण रेलवे ने इस घटना के लिए माफी मांगी है और उसने बताया कि रेलवे फाटक पर तैनात गेटकीपर को निलंबित कर गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने बताया कि सुबह पौने आठ बजे छात्रों को ले जा रही स्कूल वैन ने कडलूर और अलप्पक्कम के बीच रेलवे क्रॉसिंग गेट नंबर 170 को पार करने का प्रयास किया और इस दौरान वह ट्रेन संख्या 56813 विल्लुपुरम-मयिलादुथुराई यात्री ट्रेन की चपेट में आ गई। पुलिस ने बताया कि स्कूली वैन टक्कर लगने से रेलवे क्रॉसिंग से कुछ दूर उछलकर गिरी। लोको पायलट ने कुछ दूर जाकर ट्रेन को रोक लिया। रेलवे ने कहा कि वैन चालक ने देर से बचने के लिए फाटक खोलने पर जोर दिया, जबकि वैन चालक और घायलों में एक छात्र ने दावा किया कि फाटक खुला हुआ था।

रोजगार देने के लिए नीतीश बनाएंगे बिहार युवा आयोग

पटना, एजेंसी

- मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग के गठन के प्रस्ताव को दी मंजूरी

नीतीश कुमार सरकार ने मंगलवार को राज्य के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर देने के उद्देश्य से बिहार युवा आयोग गठित करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

विपक्ष के राज्य में रोजगार के अवसरों की कमी के आरोपों के बीच, विस चुनाव से कुछ महीनों पहले यह निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर कहा, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बिहार के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा उन्हें सशक्त एवं सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है। यह आयोग युवाओं की स्थिति में सुधार और उत्थान से संबंधित मामलों पर सरकार को सलाह देने में भूमिका निभाएगा। यह बेहतर शिक्षा और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों के साथ समन्वय भी करेगा।

दिल्ली दंगे के आरोपियों को कब तक जेल में रख सकते हैं : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस से सवाल किया कि फरवरी 2020 के दंगों से संबंधित आतंकी मामले में आरोपियों को कितने समय तक जेल में रखा जा सकता है, क्योंकि मामले के पांच साल बीत गए हैं और आरोपों पर बहस अभी पूरी नहीं हुई है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने दंगों में बड़ी साजिश से संबंधित मामले में आरोपी तस्लीम अहमद की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस से यह सवाल किया।

चार नदियों में भीषण बाढ़ 11 नदियां खतरे से ऊपर

नई दिल्ली। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने मंगलवार को बताया कि असम, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में चार नदियों में भीषण बाढ़ आ गई है, जबकि 11 अन्य नदियां खतरे से ऊपर बह रही हैं। किसी भी नदी ने पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर को पार नहीं किया है, जबकि असम के गोलाघाट जिले में धनसिरी (दक्षिण) और नुमालीगढ़ में नदियां खतरे के निशान से ऊपर हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी मंडला में खतरे के निशान से थी, हालांकि जल स्तर में कमी देखी गयी है। वहीं, महाराष्ट्र के भंडारा में वैनगंगा नदी ने खतरे के निशान को पार कर लिया है। इनके अलावा, असम, बिहार, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में 11 नदियां सामान्य से ऊपर हैं। उत्तर प्रदेश में एल्गिनब्रिज पर घाघरा नदी, बिहार के दुमरिया घाट पर गंडक नदी, और ओडिशा में बैतरणी तथा जलका नदियां भी चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही हैं, हालांकि इनके जल बहाव में भिन्नता देखी गई है।

गोपाल खेमका की हत्या का मुख्य संदिग्ध मुठभेड़ में ढेर

पटना, एजेंसी

- पुलिस ने मामले में पहले ही दो लोगों को किया है गिरफ्तार

उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या के मामले का प्रमुख संदिग्ध पटना के दमरिया घाट इलाके में सोमवार देर रात को पुलिस से हुई मुठभेड़ में मारा गया। संदिग्ध विकास उर्फ राजा (29) कई अन्य आपराधिक मामलों में भी वांछित था।

अधिकारी ने बताया कि हत्या मामले की जांच कर रहे अधिकारियों की टीम विकास की तलाश में देर रात 2.25 बजे दमरिया घाट पहुंची। पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश की और गोलियां चलाईं। ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें वह मारा गया। इस घटना में किसी भी पुलिसकर्मी को चोट नहीं आई है। मौके से एक पिस्तौल एवं कारतूस बरामद किए गए हैं। आशंका है कि पटना में मालसलामी निवासी विकास ने ही खेमका की हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार मुहैया कराया था। पुलिस ने पहले ही उमेश राय को गिरफ्तार किया है और एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लिया है, जिस पर सुपारी देने का संदेह है।

भारत को लॉर्ड्स में तेजी व उछाल से मात देना चाहता है इंग्लैंड

तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम अपनी रणनीति में कर रही कई बदलाव

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड ने इस सप्ताह लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए तेज और उछाल भरी 'जीवंत पिच' की मांग की है। इस मैच में जॉफ्रा आर्चर और गस ऐटकिंसन की वापसी हो सकती है। इसके साथ ही वे भारत से एजबस्टन में मिली 336 रन की बुरी हार से भी उबरना चाहते हैं।

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि एजबस्टन में तैयार की गई 'उपमहाद्वीप जैसी' पिच और टॉस पर गेंदबाजी चुनने का इंग्लैंड का फैसला भारत के पक्ष में गया। वे गुरुवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में घरेलू हालात का बेहतर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। वे अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करने पर भी विचार कर रहे हैं क्योंकि इन गेंदबाजों को पिछले दो टेस्ट के दौरान मैदान पर काफी मेहनत करनी पड़ी है। पिछले महीने लॉर्ड्स में हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान तेज गेंदबाजों का दबदबा दिखा था, जहां पैट कमिंस और कैगिसो रबाडा को अच्छी सीम मूवमेंट मिली थी। मैकुलम ने भी ऐसी ही पिच की मांग की है, जिसमें थोड़ी रफ्तार, उछाल और मूवमेंट हो।

उन्होंने कहा यह मैच शानदार होगा, लेकिन अगर पिच में जान रही तो यह और भी जबरदस्त होगा। 2018 में लॉर्ड्स की हरियाली भरी पिच पर भारत बुरी तरह फंस गया था, लेकिन चार साल पहले टीम ने यहां पर एक रोमांचक टेस्ट मैच भी जीता था। भारत बर्मिंघम में आराम

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम व कप्तान बेन स्टोक्स। ● एजेंसी

दिए गए जसप्रीत बुमराह की वापसी का इंतजार कर रहा है। वह भी एक अलग तरह की पिच की उम्मीद कर रहा है। उनके कप्तान शुभमन गिल ने कहा देखते हैं लॉर्ड्स में हमें कैसी पिच मिलती है। मेरा अंदाजा है कि यह सपाट नहीं होगी। आर्चर ने दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड के साथ अभ्यास किया था और पूरी तरह से गेंदबाजी भी की थी। वह पिछले महीने ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लौटे और धीरे-धीरे अपना वर्कलोड बढ़ा रहे हैं। कोहनी और पीठ की चोटों के चलते वह फरवरी 2021 से टेस्ट क्रिकेट से बाहर हैं।

मैकुलम ने इशारा दिया है कि वह वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा वह (आर्चर) चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। हमारे तेज गेंदबाज लगातार दो टेस्ट खेल चुके हैं और अब हमें मुख्य मैदान पर जाना है। हम इस मैच के बाद हम स्थिति का आकलन करेंगे। वहीं जोफ्रा फिट हैं, मज़बूत हैं, खेलने के लिए तैयार हैं और वह चयन के दायरे में होंगे। यह हमारे लिए एक उत्साहजनक खबर है। वह टीम के साथ रहकर काफी खुश हैं और उनका टीम के साथ होना शानदार है। उन्होंने काफी चोटें झेली हैं और लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहे हैं। लेकिन हम सभी जानते हैं कि वह टेस्ट क्रिकेट में क्या हासिल कर सकते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि उन्हें जो भी अवसर मिलेगा, वह उसमें बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। इंग्लैंड के पास गुरुवार से पहले सिर्फ एक पूर्ण अभ्यास सत्र होगा क्योंकि पहले दो टेस्ट में उन्हें कुल 443 ओवर फील्डिंग करनी पड़ी है। उन्होंने मंगलवार का वैकल्पिक अभ्यास सत्र रद्द कर दिया है और ब्राइडन कार्स, जॉश टंग और क्रिस वोक्स के लिए पहली प्राथमिकता उनकी रिकवरी होगी। जिम्बाब्वे के खिलाफ हैमस्ट्रिंग खिंचाव के बाद एटकिंसन की कमी इंग्लैंड को खली है और उनकी रिकवरी उम्मीद से ज्यादा लंबी रही है। लेकिन उन्हें तीसरे टेस्ट के लिए 16 सदस्यीय दल में शामिल किया गया है, , जिसमें आर्चर, सैम कुक और जैमी ओवर्टन भी अतिरिक्त तेज गेंदबाज के रूप में हैं। एटकिंसन का लॉर्ड्स में शानदार रिकॉर्ड रहा है।

मैकुलम ने कहा हमें गस को अच्छी तरह देखना होगा। हम देखेंगे इस टेस्ट के बाद उनकी स्थिति क्या रहती है। तेज गेंदबाजों का वर्कलोड बहुत अधिक रहा है।

स्टोक्स की बल्लेबाजी फॉर्म में गिरावट आई : आर्थटन

लंदन : पूर्व कप्तान माइकल आर्थटन ने एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में मेजबान टीम की भारत के हाथों शर्मनाक हार के बाद कहा कि बेन स्टोक्स की बल्लेबाजी फॉर्म में पिछले कुछ वर्षों में लगातार गिरावट आई है, विशेषकर ऐसे समय में जब उन्हें आलोचनाओं का सामना कर रही इंग्लैंड टीम की आगे बढ़कर अगुवाई करनी चाहिए।

लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर प्रशिक्षण सत्र के दौरान भारतीय खिलाड़ी। ● एजेंसी

जसप्रीत बुमराह। ● एजेंसी

बुमराह ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया

लंदन, एजेंसी

जसप्रीत बुमराह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं क्योंकि भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज ने लॉर्ड्स टेस्ट से पहले नेट सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया। उन्होंने लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी करने के बाद बाएं हाथ की स्पिन और थ्रोडाउन के खिलाफ बल्लेबाजी का भी अभ्यास किया।

कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन में यह स्पष्ट कर दिया था कि गेंदबाजी के बोझ के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर रहने वाले बुमराह फिर से मैदान पर उतरेंगे। तीसरे टेस्ट से पहले टीम के पहले सत्र में बुमराह काफी जोश में नजर आए। उन्होंने लगातार अपने साथी खिलाड़ियों और कई बार भारतीय मीडिया से भी बातचीत की। पूरी संभावना है कि एकादश में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह को मौका दिया जाएगा। बुमराह ने सत्र में धीरे-धीरे पूरी ताकत से गेंदबाजी की लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने और भी कड़ी मेहनत की और करीब एक घंटे तक गेंदबाजी की। पिच से बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। ऐसे में यह देखना होगा कि भारत एजबेस्टन की तरह दो स्पिनर और तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरता है या नहीं। नितीश रेड्डी चौथे तेज गेंदबाज के विकल्प थे। गिल, लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, आकाशदीप और मोहम्मद सिराज ने अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। पहले दो टेस्ट मैच में सिराज ने भारतीय तेज गेंदबाजों में सबसे अधिक ओवर फेंके हैं। सिराज हमेशा मैदान पर अपना शत प्रतिशत देते हैं पर भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि उनके काम के बोझ का प्रबंधन किया जाएगा।

एक नजर

अर्जुन एरिगैसी और गुकेश को फिडे ग्रैंड स्विस में शीर्ष वरीयता

नई दिल्ली : भारतीय स्टार अर्जुन एरिगैसी और विश्व चैंपियन डी गुकेश को उज्बेकिस्तान के समरकंद में तीन से 16 सितंबर तक होने वाले चौथे फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट में क्रमशः पहली और दूसरी वरीयता दी गई है। इस प्रतियोगिता में बढ़ी हुई पुरस्कार राशि और प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के टिकट दांव पर होंगे। नियमों के अनुसार, ओपन और महिला प्रतियोगिता दोनों में शीर्ष दो में रहने वाले खिलाड़ी अगले साल होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाएंगे। इस प्रतियोगिता में वही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिन्होंने जुलाई 2024 और जून 2025 के बीच 30 से अधिक क्लासिकल मैच खेल हो। पूर्व विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन और विश्वनाथन आनंद जैसे खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पाएंगे।

हॉकी कोच फुल्टन ने प्रो लीग में हार की जिम्मेदारी ली

नई दिल्ली : भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने प्रो लीग के यूरोपीय चरण में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन की मंगलवार को पूरी जिम्मेदारी ली। इस हार के साथ ही अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए इस प्रतियोगिता के माध्यम से क्वालीफाई करने की भारत की उम्मीदें खत्म हो गईं। फुल्टन ने चीजों को 'सुधारने' के साथ एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर विश्व कप में जगह बनाने का वादा किया। भारतीय टीम भुवनेश्वर में प्रो लीग के आठ घरेलू मैचों के बाद 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थी, लेकिन यूरोपीय दौरे पर वह सिर्फ तीन अंक ही जोड़ पाई।

मैराज, गनेमत और भवतेग फाइनल में जगह बनाने के करीब

लोनाटो (इटली) : भारतीय निशानेबाज भवतेग सिंह गिल ने दूसरे दिन 25 के दो परफेक्ट राउंड बनाकर खुद को मैराज अहमद खान के साथ यहां आईएसएसएफ विश्व कप (शॉटगन) में पुरुषों की स्कीट प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बनाए रखा। पहले चार क्वालीफाइंग राउंड के बाद इन दोनों का स्कोर 98 है। महिलाओं की स्कीट में गनेमत सेखों भी 24-24 राउंड के साथ फाइनल में पहुंचने की मजबूत दावेदार बनी हुई है। पुरुषों की स्कीट में भवतेग ने अब तक चार में से तीन राउंड में 25 का परफेक्ट स्कोर बनाया।

चोटिल रऊफ और शादाब पाकिस्तान की टी20 टीम से बाहर

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और आलराउंडर शादाब खान चोटिल होने के कारण इस महीने बांग्लादेश में होने वाली टी-20 शृंखला में नहीं खेल पाएंगे। रऊफ को पिछले सप्ताह अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जबकि शादाब ने हाल ही में कंधे की सर्जरी करवाई है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के दौरे के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित की जिसमें अभी तक कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेलने वाले तेज गेंदबाज अहमद दानियाल और सलमान मिर्जा को भी शामिल किया गया है।

हरमनप्रीत और शेफाली को सीरीज जीतने के लिए दिखाना होगा दम

मैनचेस्टर, एजेंसी

● पांच मैचों की शृंखला में भारत 2-1 से आगे चल रहा, चौथा मैच रात 11 बजे से

भारत को अगर इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला जीतनी है तो कप्तान हरमनप्रीत कौर और आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को बुधवार को यहां होने वाले चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत पांच मैचों की शृंखला में 2-1 से आगे चल रहा है, लेकिन इंग्लैंड ने पिछले सप्ताह ओवल में खेले गए तीसरे मैच में पांच रन की जीत के दौरान मेहमान टीम की कुछ कमजोरियों को उजागर किया था। शेफाली ने इस मैच में 25 गेंदों पर 47 रन और हरमनप्रीत ने 17 गेंदों पर 23 रन बनाए, लेकिन दोनों बल्लेबाज अपनी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रही।

स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर ने अब तक भारत की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभाली है और वे इन दो अनुभवी खिलाड़ियों से और अधिक सहयोग की उम्मीद करेंगे। शेफाली विशेषकर अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होगी क्योंकि आठ महीने बाद टीम में वापसी के बाद से वह अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं। उन्होंने पहले दो मैच में 20 और तीन रन बनाए थे। हरमनप्रीत पहले मैच में नहीं खेल पाई थी। उन्होंने दूसरे मैच में वापसी की जिसमें वह एक रन ही बना सकी थी।

कप्तान हरमनप्रीत कौर। ● एजेंसी

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

इंग्लैंड : टैमी ब्यूमोंट (कप्तान), एम अर्लट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, एमी जोन्स (विकेट कीपर), पैगे स्कोल्फील्ड, लिंसी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज, इसी वोंग, माइया बाउचियर।

दीप्ति शर्मा टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचीं

दुबई : भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी 20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और इस तरह से अपने करियर में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर खड़ी हैं। दीप्ति पिछले छह वर्षों में अधिकतर समय टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में रही हैं, लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद वह कभी नंबर एक गेंदबाज नहीं बन पाई।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के नवीनतम अपडेट में दीप्ति को एक स्थान का फायदा हुआ है और उन्होंने आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। दाएं हाथ की यह गेंदबाज अब रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद पाकिस्तान की सादिया इकबाल से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे है। दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी-20 शृंखला के तीसरे मैच में तीन विकेट लेने के बाद अपनी नवीनतम रैंकिंग में सुधार किया है।

मेरा लक्ष्य 90 किग्रा वजन उठाना

मोदीनगर, एजेंसी

● अस्मिता भारोत्तोलन लीग के उद्घाटन के मौके पर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू में बताया लक्ष्य

मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में लगभग हर उपलब्धि हासिल की है लेकिन टोक्यो ओलंपिक की यह रजत पदक विजेता अब भी स्नैच में 90 किग्रा वजन उठाने के अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई है। चोटों ने उनके पिछले ओलंपिक चक्र को बाधित किया था और इस पूर्व विश्व चैंपियन ने पेरिस ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रहने के बाद से प्रतिस्पर्धा नहीं की है। हालांकि तकनीक में हाल ही में किए गए बदलाव ने लक्ष्य को हासिल करने के उनके भरोसे को फिर जगा दिया है।

अस्मिता भारोत्तोलन लीग के उद्घाटन के इतर पीटीआई द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में चानू ने कहा मेरा लक्ष्य अब भी 90 किग्रा है। मैं (2026) एशियाई खेलों में पूरी ताकत से प्रतिस्पर्धा करूंगी।मणिपुर की इस खिलाड़ी ने 2019 से 90 किग्रा को लक्ष्य बनाया है लेकिन ट्रेनिंग के दौरान इस बाधा को पार करने के बावजूद वह प्रतियोगिता में उस सफलता को दोहराने में नाकाम रहीं हैं। चानू ने

मीराबाई चानू। ● एजेंसी

कहा 2026 एशियाई खेलों से पहले मैं इस साल विश्व चैंपियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगी, जहां हम यह भी आकलन करेंगे कि 48 किग्रा वर्ग में बेहतर होने के लिए मुझे क्या करना है। उन्होंने कहा यह सब हमें विश्व चैंपियनशिप में पता चलेगा लेकिन स्नैच में 90 किग्रा को पार करने की योजना है। यहां तक कि जूनियर भी अब 90 किग्रा को पार कर चुके हैं। हाल ही में चीन के एक जूनियर खिलाड़ी ने यह वजन उठाया। क्लीन एवं जर्क चानू का मजबूत पक्ष रहा है लेकिन पेरिस ओलंपिक में उन्हें इसमें निराशा हाथ लगी। वह अपने पहले प्रयास में 111 किग्रा और अपने अंतिम प्रयास में 114 किग्रा उठाने में विफल रहीं जिससे वह ओलंपिक में दूसरे पदक से केवल एक किग्रा से चूक गईं। क्लीन एवं जर्क में चानू ने 119 किग्रा उठाकर एक बार विश्व रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन चानू को पेरिस में अपने स्नैच प्रदर्शन से प्रेरणा मिलती है जहां उन्होंने 88 किग्रा के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की।

चानू ने कहा मेरे स्नैच में प्रदर्शन में सुधार हुआ है। पहले मैं 88-89 किग्रा नहीं उठा पाती थी लेकिन ओ लंपिक में मैंने 88 किग्रा उठाया।'' चानू भारत के मुख्य कोच विजय शर्मा के साथ मिलकर स्नैच में अपने प्रदर्शन में सुधार पर काम कर रही हैं। उनका मानना है कि यह हमेशा से उनकी कमजोरी रहा है।

दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को पिछले 20 साल में पारी और 236 रन से सबसे बड़ी शिकस्त दी

बुलावायो : दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मंगलवार को यहां जिम्बाब्वे की दूसरी पारी को 220 रन पर समेट कर उसे पिछले 20 साल में पारी से सबसे बड़ी शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने महज तीन दिन के अंदर पारी और 236 रन की शानदार जीत दर्ज की।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया। दक्षिण अफ्रीका ने कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर के नाबाद 367 रन के दम पर पांच विकेट पर 626 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जिम्बाब्वे की टीम सोमवार को अपनी पहली पारी में 43 ओवर में 170 रन पर आउट हो गयी थी जिसके बाद उसे फॉलोऑन दिया गया। टीम मंगलवार को अपनी दूसरी पारी में 220 रन पर आउट हो गयी। जिम्बाब्वे की टीम ने इस मैच में कुल 390 रन बनाये जो मुल्डर के स्कोर से सिर्फ 23 रन अधिक था। मुल्डर का चोटिल टेम्बा बावुमा और केशव महाराज की अनुपस्थिति में कप्तान के तौर पर यह पहला टेस्ट मैच था। उन्होंने बल्ले से योगदान देने के साथ तीन विकेट भी चटकाए और तीन कैच लपके। वह मैच और श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये। जिम्बाब्वे ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में एक विकेट पर 51 रन से की थी।

सिनर कोहनी की चोट के बावजूद क्वार्टर फाइनल में

लंदन, एजेंसी

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिनी कोहनी में चोट और पहले दो सेट हारने के बावजूद अपने प्रतिद्वंद्वी ग्रिगोर दिमित्रोव के पेक्टोरल मांसपेशी में चोट लगने के कारण बाहर हो जाने से विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। सिनर ने इससे पहले टूर्नामेंट में कोई भी सेट नहीं गंवाया था, लेकिन विश्व में 19वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव ने उनके खिलाफ पहले दो सेट 6-3, 7-5 से जीत कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। लेकिन तीसरे सेट में जब स्कोर 2-2 से बराबरी पर था तब दिमित्रोव ने खेलना बंद कर दिया।

यह लगातार पांचवां ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है जिसमें 34 वर्षीय दिमित्रोव मैच पूरा करने में विफल रहे। वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और मई में फ्रेंच ओपन के अलावा पिछले साल विंबलडन और अमेरिकी ओपन में भी मैच के बीच में हट गए थे। सिनर पहले सेट के दौरान कोर्ट पर फिसल गए थे जिससे उनकी

यानिक सिनर। ● एजेंसी

कोहनी चोटिल हो गई थी लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि चोट गंभीर नहीं है और चिंता की कोई बात नहीं है। पुरुष वर्ग में मारिन सिलिच को स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे शुरू हुए चौथे दौर के मैच में फ्लेवियो कोबोली से 6-4, 6-4, 6-7 (4), 7-6 (3) से हार का सामना करना पड़ा।

महिला एकल में मीरा एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को हराया

लंदन : महिला एकल में रूस की 18 वर्षीय खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वह पिछले 18 वर्षों में विंबलडन के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई है। एंड्रीवा का अगला मुकाबला बेलिंडा बेनसिक से होगा, जो ऑल इंग्लैंड क्लब में पदार्पण करने के 11 साल बाद पहली बार विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंची हैं। बेनसिक ने 18वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा को 7-6 (4), 6-4 से हराया। इसके अलावा लियुडमिला सैमसोनोवा नंबर दो कोर्ट पर जेसिका बौजास मानेरो को 7-5, 7-5 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंची। सैमसोनोवा ने इस टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और अब उनका सामना इगा स्वियाटेक से होगा।

विश्व कप जैसे दबाव में खेलते हैं टेनिस खिलाड़ी : कोहली

लंदन : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा कि टेनिस खिलाड़ी हर सप्ताह जिस तरह की दबाव का का सामना करते हैं, उसकी तुलना क्रिकेट में केवल विश्व कप के नॉकआउट और भारत बनाम पाकिस्तान के मैच से की जा सकती है। टी-20 अंतर्राष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले चुके कोहली ने सोमवार को अपनी अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ विंबलडन का मैच देखने के बाद यह तुलना की। वह दिन के कार्यक्रम के दौरान टेनिस के दिग्गज विजय अमृतराज के साथ बातचीत कर रहे थे। कोहली पिछले कुछ समय से क्रिकेट से दूर रहने के दौरान लंदन में ही रहते हैं। उन्होंने 'स्टार स्पोर्ट्स पर प्रसारित साक्षात्कार में कहा मुझे लगता दोनों खेलों में यह अनुभवी (दबाव की स्थितियों में) एक जैसा हो सकता है। हम इस तरह के दबाव (टेनिस खिलाड़ियों के जैसा) का सामना भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप मैच में या विश्व कप के सेमीफाइनल या फाइनल में महसूस करते है।

बिना वीजा चीन की यात्रा कर सकेंगे 74 देशों के नागरिक

वाशिंगटन, एजेंसी

- अर्थव्यवस्था के लिए चीन ने वीजा नियमों में दी ऐतिहासिक छूट

चीन ने अपने वीजा नियमों में ऐतिहासिक रूप से ढील दी है, जिससे 74 देशों के नागरिक अब बिना वीजा के 30 दिनों तक इस एशियाई देश की यात्रा कर सकते हैं। इस नीति का उद्देश्य पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।

पिछले वर्ष दो करोड़ से अधिक लोग बिना वीजा के चीन गए थे, जो 2023 के मुकाबले दोगुनी संख्या है। वीजा नियमों में ढील दिए जाने के बाद अब विदेशी पर्यटक चीन जा रहे हैं। ऑस्ट्रिया में रह रहे जॉर्जिया के एक नागरिक जॉर्जी शावाद्जे ने बीजिंग में 'टेम्पल ऑफ हेवन' की अपनी हालिया यात्रा के बारे में कहा, यह वास्तव में यात्रा को आसान बनाता है क्योंकि वीजा के लिए आवेदन करना और उसकी पूरी प्रक्रिया से गुजरना एक झंझट होता था।

कोविड-19 के कारण लगे कड़े प्रतिबंधों को हटाने के बाद चीन ने 2023 की शुरुआत में पर्यटकों के लिए अपनी सीमाएं फिर खोल दी थीं, लेकिन उस वर्ष 1.38 करोड़ लोग ही चीन गए थे, जो पहले 2019 के 3.19 करोड़ के आधे से भी कम है। दिसंबर 2023 में चीन ने फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, स्पेन और मलेशिया के लिए बिना वीजा के यात्रा की घोषणा की थी। तब से अधिकतर यूरोपीय देशों को यह सुविधा मिल चुकी है तथा 16 जुलाई को अजरबैजान के जुड़ने से इन देशों की संख्या 75 हो जाएगी।

नेपाल को चीन से जोड़ने वाला पुल बाढ़ में ध्वस्त, 18 लापता

काठमांडू। नेपाल में मानसून की बारिश की वजह से आई बाढ़ में हिमालयी देश को चीन से जोड़ने वाला मुख्य पुल सोमवार देर रात ध्वस्त हो गया और 18 लोग लापता हो गए हैं।

चीन में लगातार मानसूनी बारिश के कारण सोमवार रात नेपाल में भोटेकोशी नदी में बाढ़ आ गई, जिसके बाद से 18 लोग लापता हैं। काठमांडू से 120 किलोमीटर उत्तर पूर्व में रसुवा जिले में स्थित मितेरी पुल सोमवार देर रात सवा तीन बजे बाढ़ में पानी के तेज बहाव की वजह से ध्वस्त हो गया। छह चीनी नागरिकों सहित 18 लोग लापता हो गए। अधिकारियों के अनुसार, नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस की संयुक्त टीम ने दो पुलिसकर्मियों सहित 11 लोगों को बचाया।

धार्मिक आस्था से राजनीति तक

कांवड़ यात्रा में 'पहचान के विवाद'

सावन के महीने में कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस-प्रशासन और सरकारों के सामने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था जैसी कई चुनौतियां पहले से रही हैं लेकिन हाल के कुछ वर्षों में कांवड़ मार्गों पर मुस्लिमों की हिंदू नामों से खाने-पीने की चीजों की दुकानों को लेकर होने वाले विवाद सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। इस तरह के विवाद सामाजिक और धार्मिक ही नहीं, राजनीतिक स्तर पर काफी चर्चा में रहे हैं। दरअसल, इस विवाद के कई अलग-अलग पहलू हैं जिनमें धार्मिक आस्था, सुरक्षा, प्रशासनिक निर्णय और राजनीतिक ध्रुवीकरण प्रमुख हैं। कुछ साल पहले ही शुरुआत के बाद इन विवादों ने इस कदर तूल पकड़ा है कि राज्य सरकारों को इस पर कड़े नियम-कायदे बनाने के लिए विवश होना पड़ा है। हालांकि, इसके बाद भी ये विवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं।

विवादों का मूल कारण- नाम छिपाना

नाम छिपाना इन विवादों का मूल कारण हैं। कुछ हिंदू संगठनों और यात्रियों का आरोप है कि कांवड़ यात्रा जैसे पवित्र हिंदू धार्मिक आयोजन में मुस्लिम दुकानदारों की उपस्थिति धार्मिक भावना को ठेस पहुंचा सकती है। उनका दावा है कि ये लोग जानबूझकर दूषित वस्तुएं या अशुद्ध जल का इस्तेमाल कर कांवड़ियों की धार्मिक आस्था को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ संगठन ये आशंका भी जताते रहे हैं कि इस माध्यम से धर्म का प्रचार या धर्मांतरण का प्रयास हो सकता है, हालांकि इसका कभी कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है।

नेमप्लेट विवाद...

पिछले साल यूपी सरकार ने कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकानदारों को अपनी दुकानों पर नेम प्लेट लगाने का आदेश दिया था लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी, साथ ही राज्य सरकार को नोटिस भी जारी किया था।

पिछले वर्षों में प्रमुख विवाद

- हरिद्वार में वर्ष 2022 में हरकी पौड़ी के पास मुस्लिम दुकानों को बंद कराने की मांग की गई थी। कुछ दुकानों में तोड़फोड़ भी की गई।
- मेरठ में वर्ष 2023 में कांवड़ मार्ग पर एक फूड स्टॉल को नाम छुपाकर व्यापार करने के आरोप में हटाया गया। प्रशासन ने उसका लाइसेंस निरस्त किया।
- मुजफ्फरनगर में वर्ष 2024 में बजरंग दल ने मुस्लिम दुकानदारों की सूची बनाकर प्रशासन को सौंपी जिसके बाद कई दुकानों को जबरन हटाया गया।
- सहारनपुर में पिछले साल कांवड़ यात्रा से पहले प्रशासन ने सर्कुलर जारी किया कि सभी दुकान लगाने वालों को धार्मिक पहचान के साथ थाने में पंजीकरण कराना होगा। कुछ मुस्लिमों को जांच के बाद अनुमति भी नहीं दी गई। इस पर एआईएमआईएम ने मुस्लिम दुकानदारों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

सरकारों को बनाने पड़े नियम

क्यूआर कोड करना होगा प्रदर्शित

- **उत्तर प्रदेश में** इन विवादों की वजह से वर्ष 2022 से इस तरह के मामलों पर प्रशासनिक निगरानी बढ़ाई गई। अब नए दुकानदार को अनुमति देने से पहले जांच की जाती है। एफएसडीए ने नया नियम लागू किया है, इसके तहत हर दुकानदार को अपनी दुकान पर क्यूआर कोड युक्त प्रपत्र प्रदर्शित करना होगा।

पूर्वानुमति के बगैर दुकानें नहीं

- **उत्तराखंड में** हरिद्वार और ऋषिकेश में यात्रा मार्गों पर प्रशासन की पूर्व अनुमति से ही दुकान लगाई जा सकती है। धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाने की चेतावनी दी गई है। धार्मिक पहचान छुपाकर व्यापार करने वालों पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान जोड़ा गया है।

- कुछ सामाजिक संगठनों का सवाल है कि क्या धर्म के आधार पर व्यापार का अधिकार छीना जा सकता है।

एक नजर

केन्या : विरोध प्रदर्शनों में 10 की मौत, 28 घायल

नैरोबी। केन्या में प्रदर्शन के दौरान सोमवार को सुरक्षा अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में कम से कम 10 लोगों की गोली लगने से मौत हो गयी, जबकि अन्य 29 घायल हो गए। इस घटना में देशभर में अशांति फैल गई है। केन्या राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने देश के 17 काउंटियों में 37 लोगों की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी दी है। केएनसीएचआर ने कहा कि लूटपाट और नुकसान के मद्देजर प्रमुख शहरों में व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। छह काउंटियों में लूटपाट की घटनाएं हुईं, मध्य केन्या में आपराधिक तत्वों द्वारा कुछ सरकारी कार्यालयों में आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं।

पेशावर में आग की घटना में पांच लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के पेशावर शहर में आग लगने की एक भीषण घटना में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और दो दमकल कर्मियों समेत कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सोमवार रात को खैबर पख्तूख्वा प्रांत में भीड़भाड़ वाले जन इमामबाड़गाह इलाके में स्थित एक मकान में आग लग गई। आपातकालीन सेवा ने बताया कि उन्होंने घर से छह लोगों को बाहर निकाला, जिनमें से पांच की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जान बचाने की कोशिश में दो दमकलकर्मी भी घायल हो गए।

स्विट्जरलैंड: बच्चों के लिए मलेरिया की नई दवा मंजूर

बर्न। स्विट्जरलैंड ने दावा निर्माता कंपनी नोवार्टिस की बच्चों के लिए मलेरिया की नयी दवा 'कॉर्टेम बेबी' को मंजूरी प्रदान कर दी है। कॉर्टेम नवजात बच्चों और शिशुओं पर इस्तेमाल के लिए उपयुक्त दुनिया की पहली मलेरिया दवा है। मलेरिया से संबंधित मौतों में से अधिकांश पांच साल से कम आयु वर्ग होती हैं। उम्मीद की जा रही है कि अफ्रीका में अगले कुछ हफ्तों में इस दवा का उत्पादन और वितरण शुरू हो जायेगा। मलेरिया से संबंधित अधिकांश मौतें अफ्रीकी महाद्वीप में दर्ज की जाती हैं। वर्ष 2023 में दुनिया भर में मलेरिया से पांच लाख से अधिक मौतें हुईं।

हूती विद्रोहियों का लाल सागर में जहाज पर हमला

दुबई। लाल सागर में लाइबेरियाई ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज पर यमन के हूती विद्रोहियों के हमले में तीन नाविकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यूरोपीय संघ के ऑपरेशन एस्पाइड्स ने बताया कि यूनान के स्वामित्व वाली इटरनिटी सी पर हुए हमले में एक घायल व्यक्ति को अपना पैर भी गंवाना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि हमला सोमवार रात से शुरू हुआ और मंगलवार सुबह तक जारी रहा।

अफगानिस्तान पर संरा महासभा में लाए प्रस्ताव से भारत ने बनाई दूरी

नहीं किया मतदान, कहा- सामान्य तौरतरीकों से परिणाम मिलना मुश्किल

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए गए मसौदा प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया और कहा, सामान्य तौर-तरीकों के साथ काम करने से शायद वे परिणाम नहीं मिल पाएंगे, जिनकी वैश्विक समुदाय अफगान जनता के लिए अपेक्षा करता है।

संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने सोमवार को जर्मनी द्वारा पेश 'अफगानिस्तान में स्थिति' पर प्रस्ताव को पारित किया। प्रस्ताव के पक्ष में 116 वोट पड़े, दो ने विरोध किया और 12 देश मतदान से दूर रहे, जिनमें भारत भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने मतदान में भाग न लेने पर कहा कि किसी भी युद्धोत्तर स्थिति से निपटने के लिए एक समेकित नीति में विभिन्न बातें होनी चाहिए, जिसमें सकारात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करने और हानिकारक कार्यों को हतोत्साहित करने वाले उपाय शामिल हों।

ब्राजील में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ।

दंडात्मक उपायों पर एकतरफा रुख नहीं चल सकता

हरीश ने कहा, हमारे दृष्टिकोण में केवल दंडात्मक उपायों पर केंद्रित एकतरफा रुख नहीं चल सकता। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अन्य युद्धोत्तर परिप्रेक्ष्य में अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाए हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सुनिश्चित करने के लिए अपने समन्वित प्रयास करने चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा नामित संस्थाएं और व्यक्ति आतंकी संगठनों और उनके क्षेत्रीय प्रायोजक जो उनकी गतिविधियों में सहायता करते हैं, वे अब आतंकवादी गतिविधियों के लिए अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल न कर सकें। उन्होंने यह बात पाकिस्तान के संदर्भ में कही।

मसौदा प्रस्ताव में क्षेत्रीय सहयोग का उल्लेख करते हुए अफगानों की भलाई के लिए पड़ोसी, क्षेत्रीय साझेदारों तथा क्षेत्रीय संगठनों के योगदान पर प्रकाश डाला गया। इसमें भारत, ईरान और तुर्किये जैसे देशों द्वारा दिए जाने वाले शैक्षिक अवसरों के साथ कजाखस्तान, किर्गिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान में अफगानों की उच्चशिक्षा तक पहुंच में मदद करने के कार्यक्रम भी शामिल हैं। हरीश ने कहा कि अफगानिस्तान में भारत की तात्कालिक प्राथमिकताओं में मानवीय सहायता का प्रावधान शामिल है।

संरा महासचिव गुटेरेस से मिले पीएम मोदी

रियो डी जेनेरियो। संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की मांग को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील यात्रा के दौरान रियो डी जेनेरियो में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और कुछ अन्य नेताओं से मुलाकात की। ब्रिक्स सम्मेलन से इतर सोमवार रात मोदी ने गुटेरेस के अलावा चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट और न्यू डेवलेपमेंट बैंक की अध्यक्ष तथा ब्राजील की पूर्व राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ के साथ मुलाकात की तथा विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। मोदी ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा , कल रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से बातचीत की।

गाजा में मारे गए 5 इजराइली सैनिक और 51 फलस्तीनी

तेल अवीव। उत्तरी गाजा में गश्त कर रहे पांच इजराइली सैनिकों की विस्फोटकों की चपेट में आने से मौत हो गई। वहीं, गाजा पट्टी के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजराइली हमलों में 51 फलस्तीनी नागरिक मारे गए।

ये हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा में लगभग 21 महीने से जारी लड़ाई को रोकने के लिए युद्ध-विराम प्रस्ताव पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से चर्चा के वास्ते व्हाइट हाउस का दौरा कर रहे हैं। हालांकि, इस मामले में किसी सफलता की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन समझौते की दिशा में प्रगति के संकेत मिले हैं।

- विस्फोटकों की जद में आए उत्तरी गाजा में गश्त करते इजराइली सैनिक

गाजा में इजराइली सैनिकों पर हमले से नेतन्याहू पर हमास के साथ युद्धविराम करने का दबाव बढ़ सकता है, क्योंकि इजराइल में हुए सर्वेक्षणों में बड़े पैमाने पर लोगों ने गाजा पट्टी में लड़ाई खत्म करने का समर्थन किया है। इजराइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा कि 80 से 90 फीसदी शर्तें तय की जा चुकी हैं।

विमान पर लेजर हमले के बाद जर्मनी ने चीनी राजदूत को किया तलब

बर्लिन, एजेंसी

- यूरोपीय संघ के मिशन एस्पाइड्स के तहत लाल सागर के ऊपर उड़ान भर रहा था विमान

जर्मनी के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने चीनी युद्धपोत द्वारा लाल सागर में एक जर्मन विमान पर लेजर का इस्तेमाल करने के विरोध में चीन के राजदूत को तलब किया है। जर्मन रक्षा मंत्रालय ने कहा कि निगरानी विमान यूरोपीय संघ के मिशन एस्पाइड्स का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य यमन स्थित हूती विद्रोहियों के हमलों से नागरिक जहाजों की बेहतर सुरक्षा करना है।

जर्मन रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में एक चीनी युद्धपोत द्वारा बिना किसी कारण या पूर्व संपर्क के इस पर लेजर से हमला किया गया। ऐसा इस क्षेत्र में कई बार हुआ था। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, लेजर का उपयोग करके युद्धपोत ने लोगों और सामग्री को खतरे में डालने का जोखिम स्वीकार किया है। एहतियात के तौर पर विमान का मिशन रद्द कर दिया गया। विमान जिबूती में बेस पर सुरक्षित उतरा और चालक दल के सदस्य स्वस्थ हैं।

मंत्रालय ने कहा कि विमान का संचालन एक असैन्य वाणिज्यिक सेवा प्रदाता द्वारा किया जा रहा था, लेकिन इसमें जर्मन सेना के जवान भी शामिल थे, तथा इसने लाल सागर में यूरोपीय संघ मिशन के साथ अपना परिचालन पुनः शुरू कर दिया है। जर्मन विदेश कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जर्मन कर्मियों को खतरे में डालना और ऑपरेशन को बाधित करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

फिलीपीन ने भी चीन के राजदूत को तलब किया

मनीला। चीन ने फिलीपीन के एक पूर्व सांसद पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसके बाद मनीला में चीन के राजदूत को तलब किया गया है। सांसद विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक कार्रवाइयों की आलोचना करते रहे हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह फिलीपीन के पूर्व सांसद फ्रांसिस टॉलेंटिनो के चीन तथा उसके क्षेत्रों हांगकांग और मकाऊ में प्रवेश पर अनिश्चित काल के लिए प्रतिबंध लगा रहा है।

एक्स खातों पर रोक लगाने का आग्रह करने से भारत का इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

- एक्स ने किया था दावा, भारत सरकार ने की थी 2300 से ज्यादा खाते अवरुद्ध करने की मांग

सरकार ने मंगलवार को कहा कि उसने देश में कुछ 'एक्स' खातों तक पहुंच को अवरुद्ध करने के लिए कोई नया अनुरोध नहीं किया है और उसने एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय 'वायर' एजेंसी पर लगी रोक को सफलतापूर्वक हटवा दिया है। यह बयान तब आया जब एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच ने दावा किया कि भारत सरकार ने तीन जुलाई को देश में 2,300 से ज़्यादा 'एक्स' हैंडल को अवरुद्ध करने की मांग की थी। दावा किया गया कि इस सूची में भारत में रॉयटर्स एजेंसी का हैंडल भी शामिल था।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, सरकार ने तीन जुलाई 2025 को कोई नया आदेश जारी नहीं किया है और रॉयटर्स तथा रॉयटर्सवर्ल्ड सहित किसी भी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समाचार चैनल को अवरुद्ध करने का कोई इरादा नहीं है।

एक्स ने कही थी कानूनी विकल्पों पर गौर करने की बात

'एक्स' ने कहा, हम इन अवरुद्ध आदेशों के कारण भारत में जारी 'प्रेस सेंसरशिप' को लेकर बहुत चिंतित हैं। एक्स सभी उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है। इन कार्यकारी आदेशों के खिलाफ कानूनी चुनौती पेश करने की 'एक्स' की क्षमता भारतीय कानून द्वारा प्रतिबंधित है... हम प्रभावित उपयोगकर्ताओं से न्यायालयों के माध्यम से कानूनी उपाय करने का आग्रह करते हैं। सरकारी प्रवक्ता ने 'एक्स' के दावों का खंडन किया। रॉयटर्स के 'एक्स' अकाउंट को भारत में कुछ घंटों के लिए बंद कर दिया गया था।

महिलाओं पर जुल्म के लिए तालिबान नेताओं के खिलाफ वारंट

हेग। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने चार साल पहले सत्ता पर काबिज होने के बाद से महिलाओं और लड़कियों पर अत्याचार करने के आरोप में तालिबान के सर्वोच्च नेता और अफगानिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के प्रमुख के खिलाफ मंगलवार को गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

वारंट में नेताओं पर लिंग, लिंग पहचान या अभिव्यक्ति पर तालिबान की नीति का पालन न करने वाले व्यक्तियों को प्रताड़ित करने का भी आरोप लगाया गया है। इसमें लड़कियों और महिलाओं के सहयोगी माने जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध राजनीतिक आधार पर अत्याचार का भी आरोप लगाया गया है। ये वारंट तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुनजादा और अफगानिस्तान के उच्चतम न्यायालय के प्रमुख अब्दुल हकीम हक्कानी के खिलाफ जारी किए गए हैं।

स्पेन में बैलों की दौड़

स्पेन के पैम्प्लोना में सैन फर्मवान उत्सव में बैल दौड़ के दूसरे दिन सेबाडा गागो खेत से बैलों के साथ दौड़ते लोग। स्पेन में यह एक लोकप्रिय उत्सव है जो पैम्प्लोना शहर में होता है। इस उत्सव में लोग बैलों के एक समूह के सामने दौड़ते हैं जो उन्हें बुलरिंग तक ले जाने के लिए शहर की संकरी गलियों से होकर गुजरते हैं। इस खतरनाक खेल में हर साल कई लोग घायल हो जाते हैं, कुछ की जान भी चली जाती है। एजेंसी

आपमें से कई अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं, चंद्रमा पर जा सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

- रेडियो बातचीत के दौरान स्कूली छात्रों से बोले शुभांशु शुक्ला

शुभांशु शुक्ला ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से रेडियो के माध्यम से बातचीत के दौरान स्कूली छात्रों के एक समूह से कहा, आप में से कई भविष्य के अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं, चंद्रमा पर भी जा सकते हैं।

कक्षीय प्रयोगशाला में 12 दिन बिता चुके शुक्ला मेघालय और असम के सात स्कूलों के छात्रों के साथ बातचीत कर रहे थे, जो अंतरिक्ष यात्री से बात करने के दुर्लभ अवसर के लिए शिलांग में उत्तर पूर्वी अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (एनईसैक) में एकत्र हुए थे। विद्यार्थियों ने शुक्ला को 20 प्रश्न भेजे थे, और उन्होंने 10 मिनट के समय में हैम रेडियो के माध्यम से विद्यार्थियों से संपर्क किया तथा आईएसएस पर अपने अनुभव, अंतरिक्ष यात्री के रूप में प्रशिक्षण तथा अंतरिक्ष में स्वस्थ रहने के बारे में अपने विचार साझा किए।

शुक्ला ने कहा, उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष स्टेशन पर जीवन सूर्य के प्रकाश से नहीं, बल्कि ग्रीनविच मीन टाइम (जीएमटी) पर सेट घड़ी से संचालित होता है। शुक्ला ने कहा, हम सूर्य का अनुसरण नहीं करते। आईएसएस पर हम हर दिन 16 सूर्योदय और सूर्यास्त देखते हैं, क्योंकि हम हर 90 मिनट में पृथ्वी का चक्कर लगाते हैं। हमारी गतिविधियां सूर्य के प्रकाश से नहीं, बल्कि जीएमटी से संचालित होती हैं।

प्रसव कराने वाले सैन्य अधिकारी को सेना प्रमुख ने सराहा

नई दिल्ली। झांसी रेलवे स्टेशन पर अत्यंत पीड़ा से जूझ रही महिला का प्रसव कराने वाले मेजर बचवाला रोहित की सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कर्तव्य से परे जाकर दिखाई गई निःस्वार्थ प्रतिबद्धता के लिए सराहना कर उन्हें सम्मानित किया।

सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि पांच जुलाई को झांसी के सैन्य अस्पताल से गृहनगर हैदराबाद छुट्टी पर जाते समय मेजर बचवाला की नजर स्टेशन पर एक महिला पर पड़ी जो तेज प्रसव पीड़ा से जूझ रही थी। सेना ने कहा, असाधारण चिकित्सकीय कौशल से मेजर रोहित ने प्लेटफार्म पर ही एक तौलिया, चाकू और हेयर क्लिप सहित उपलब्ध उपकरणों का उपयोग कर आपातकालीन प्रसव कराया। सेना ने उस महिला की तस्वीर भी साझा की, जिसकी मेजर ने सहायता की।

वक्तव्य — प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा- आंबेडकर चाहते थे कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त हो न्यायपालिका

संविधान की सर्वोच्चता के हिमायती थे डॉ. बीआर आंबेडकर

मुंबई, एजेंसी

प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने मंगलवार को कहा कि डॉ. बीआर आंबेडकर ने संविधान की सर्वोच्चता की बात की थी और उनका मानना था कि न्यायपालिका को कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त होना चाहिए। वह शीर्ष न्यायिक पद पर पदोन्नत होने पर महाराष्ट्र विधानमंडल की ओर से अपना अभिनंदन किए जाने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि संविधान देश में रक्तहीन क्रांति का हथियार रहा है। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका ने पिछले 75 वर्षों में भारत में सामाजिक-आर्थिक समानता लाने के लिए मिलकर काम किया है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे संविधान अपनी शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, उन्हें खुशी है कि वह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा रहे हैं।

महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों की ओर से उनके सम्मान में सर्वसम्मति से बधाई प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद न्यायमूर्ति गवई ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. आंबेडकर ने कहा था, हम सभी संविधान की सर्वोच्चता में विश्वास करते हैं, जो शांति और युद्ध के दौरान देश को एकजुट रखेगा।

संविधान के कारण ही महिलाएं-पिछड़े मुख्यधारा में

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि संविधान के कारण ही महिलाएं और पिछड़े समुदाय राष्ट्रीय मुख्यधारा में आए हैं। हमारे पास एक महिला प्रधानमंत्री, दो महिला राष्ट्रपति तथा राष्ट्रपति के रूप में पिछड़े समुदाय से आने वाले केआर नारायणन और रामनाथ कोविंद, लोकसभा अध्यक्ष के रूप में जीएमसी बालयोगी और मीरा कुमार तथा विभिन्न राज्यों में मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशकों के रूप में पिछड़े वर्ग के कई सदस्य हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, आंबेडकर का मानना था कि बिना उपायों के मौलिक अधिकार बेकार हैं। संघवाद लचीला हो, कठोर नहीं। संविधान ने तीनों अंगों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियों को अलग-अलग किया।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि संविधान तीनों अंगों कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को अधिकार देता है तथा आंबेडकर के अनुसार न्यायपालिका को नागरिकों के अधिकारों की प्रहरी और संरक्षक के रूप में काम करना है।

उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने यह भी कहा था कि न्यायपालिका को कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त होना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने आंबेडकर के इस कथन को भी उद्धृत किया कि संविधान स्थिर नहीं रह सकता, इसे जीवंत होना चाहिए तथा निरंतर विकसित होते रहना चाहिए। चूंकि अगली पीढ़ी को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, उनका अनुमान वर्तमान पीढ़ी नहीं लगा सकती, इसलिए संशोधनों की अनुमति दी गई।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह महाराष्ट्र विधानमंडल द्वारा सम्मान से अभिभूत हैं, क्योंकि उनके पिता आरएस गवई 30 साल से अधिक समय तक राज्य विधान परिषद से जुड़े रहे। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के नेता आरएस गवई ने महाराष्ट्र विधान परिषद के अध्यक्ष होने के अलावा बिहार, सिक्किम और केरल के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने निचले सदन में गवई को बधाई के लिए प्रस्ताव पेश किया और कहा कि प्रधान न्यायाधीश के रूप में उनकी पदोन्नति महाराष्ट्र के लिए गर्व की बात है। प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया।